{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 07 मार्च 2026
चैत्र कृष्ण 04 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 161
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	78,918.90
निफ्टी	-	24,450.45
सोना	-	1,61,130
चांदी	-	2,85,000
डॉलर	-	91.93

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

590 करोड़ के बैंक घोटाले में दो प्रमुख आरोपित गिरफ्तार

पंचकूला। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने 590 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले में दो प्रमुख आरोपित रिभव ऋषि और अभय कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट से 7 दिन का रिमांड मांगा था, लेकिन 6 मार्च तक रिमांड मंजूर हुआ। जांच में अब तक कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पुलिस के कब्जे में लिए जा चुके हैं। अधिकारियों का कहना है कि सरकारी धन को फर्जी कंपनियों और बैंक खातों के जरिए कई परतों में ट्रांसफर किया गया, जिससे सरकारी खजाने को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ। जांच में सामने आया कि आरोपितों ने स्वास्तिक, कैप को फिनटेक और एसआरआर प्लानिंग जैसी शेल कंपनियों का उपयोग किया। पहली परत में इन कंपनियों के कई बैंक खाते सामने आए, जबकि दूसरी परत में सैकड़ों अन्य खातों का नेटवर्क उजागर हुआ। पुलिस और एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम इस घोटाले की गहन जांच कर रही है। दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसों की जांच से और भी लिंक और पैसों के ट्रांसफर का रास्ता सामने आने की संभावना है।

19 साल की उम्र में बनी देश की सबसे कम उम्र की महिला सीए

जयपुर,। राजस्थान के झुंझुनूं जिले की प्रतिभाशाली छात्रा राजकुमारी पारीक ने चार्टर्ड अकाउंटेंसी की अंतिम परीक्षा पास कर देश की सबसे कम उम्र की महिला चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने महज 19 वर्ष 126 दिन की आयु में यह उपलब्धि हासिल कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले देश की सबसे कम उम्र की महिला सीए बनने का रिकॉर्ड मध्य प्रदेश के मुरैना की नन्दनी अग्रवाल के नाम था, जिन्होंने करीब 19 वर्ष 330 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। राजकुमारी पारीक ने इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए नया इतिहास रच दिया है। राजकुमारी की सफलता की खास बात यह है कि उन्होंने अपनी पढ़ाई और प्रशिक्षण का अधिकांश हिस्सा अपने गृह जिले झुंझुनूं से ही पूरा किया।

निलंबित आईएएस की बहाली पर घिरी पंजाब सरकार

चंडीगढ़ । पंजाब सरकार ने स्मार्टफोन खरीद में देरी के आरोप में हाल ही में आईएएस अधिकारी कमल किशोर यादव को निलंबित किया था, लेकिन अब उन्हें फिर से बहाल कर दिया गया है। इस अचानक बदलाव ने प्रशासनिक कार्यशैली और फैसलों की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस नेता सुखजिंद्र सिंह रंधावा ने सरकार पर तीखा हमला बोला। रंधावा ने कहा कि पहले निलंबन और फिर बहाली का निर्णय प्रशासनिक कार्यशैली की गंभीरता पर प्रश्नचिन्ह लगाता है।

नेपाल के अगले पीएम बन सकते हैं बालेन शाह

नई दिल्ली। नेपाल में अगले पीएम के चुनाव के लिए वोटिंग के एक दिन बाद देश इतिहास रचने जा रहा है। रैपर से नेता बने बालेन शाह पीएम बनने की राह पर हैं। नेपाल की सियासत में उभरते चेहरे बालेन शाह अक्सर भारत को लेकर अपने बयानों और फैसलों की वजह से चर्चा में रहते हैं। काठमांडू के मेयर बनने के बाद बालेन ने कई ऐसे कदम उठाए, जिन्हें भारत के खिलाफ सख्त रुख के तौर पर देखा गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सबसे बड़ा विवाद तब हुआ, जब उन्होंने अपने दफ्तर में 'ग्रेटर नेपाल' का नक्शा लगवाया, जिसमें यूपी, बिहार और पश्चिम बंगाल समेत भारत के कई इलाकों को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया था।

दिल्ली में बैठकर बोले ट्रंप के मंत्री-

हम चीन की तरह भारत को नहीं देंगे आर्थिक फायदे

नई दिल्ली। भारत के प्रमुख भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक सम्मेलन रायसीना डायलॉग को संबोधित करते हुए क्रिस्टोफर लैंडौ ने कहा कि अमेरिका भारत की असीमित संभावनाओं को साकार करने के लिए उसके साथ काम करना चाहता है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत को यह समझना होगा कि अमेरिका पुरानी गलतियों से सीख चुका है। उन्होंने कहा- हम भारत के साथ वह गलती नहीं दोहराने जा रहे हैं, जो हमने 20 साल पहले चीन के साथ की थी। चीन इन्हीं छूटों का फायदा उठाकर आज अमेरिका का एक बड़ा प्रतिद्वंद्वी बन गया है।

क्रिस्टोफर लैंडौ ने कहा, हम उस व्यापार समझौते को लेकर उत्साहित हैं जो अब लगभग अंतिम चरण में है, और मुझे लगता है कि यह वास्तव में असीमित संभावनाओं के द्वार खोलने का आधार बन सकता है। हम भारत और इन आर्थिक व वाणिज्यिक अवसरों पर ध्यान केंद्रित करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। लेकिन भारत को यह समझना चाहिए कि हम भारत के साथ वो गलतियां नहीं दोहराने जा रहे हैं जो हमने 20 साल पहले चीन के साथ यह कहकर की थीं कि, आप इन सभी बाजारों को विकसित कर सकेंगे, और फिर बाद में हम देखते हैं कि आप हमें ही कई व्यावसायिक मोर्चों पर पछाड़ रहे हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हम जो कुछ भी करें वह हमारे लोगों के लिए निष्पक्ष हो, क्योंकि अंततः हमें अपने नागरिकों के प्रति जवाबदेह होना है, ठीक वैसे ही जैसे भारत सरकार की जवाबदेही अपने नागरिकों के प्रति है।

भारत ने मध्य पूर्व के इस बढ़ते विवाद में किसी भी पक्ष का समर्थन करने से बचते हुए पूरी तरह से तटस्थ रुख अपनाया है। इस बीच, भारत और अमेरिका के बीच उस व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा रहा है, जिस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यभार संभालने के समय से ही बातचीत चल रही है। बता दें कि कई दौर की सकारात्मक बातचीत के बाद, वाशिंगटन ने पिछले महीने भारतीय सामानों पर टैरिफ (आयात शुल्क) को 50 से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है।

मौजूदा समय में जब अमेरिका भू-राजनीतिक वार्ताओं में टैरिफ का इस्तेमाल एक हथियार के तौर पर कर रहा है, तब भारत अन्य देशों की तरह अपनी आर्थिक वृद्धि को संतुलित करने का प्रयास कर रहा है।

नीतीश के राज्यसभा जाने के बाद नई सरकार में एक ही डिप्टी सीएम होगा

पटना। बिहार की राजनीति में इन दिनों नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चाएं हो रही हैं। सूत्रों के मुताबिक नई सरकार के गठन की स्थिति में जेडीयू कोटे से करीब 15 मंत्रियों को जगह मिल सकती है। वहीं यह भी कहा जा रहा है कि राज्य में इस बार सिर्फ एक ही डिप्टी सीएम होगा और इस पद के लिए निशांत का नाम सबसे आगे है। जानकारी के मुताबिक निशांत कुमार जल्द ही औपचारिक रूप से जेडीयू में शामिल होकर पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं, साथ ही बिहार विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी बीजेपी के खाते में जाने की भी चर्चा तेज हो गई है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में बिहार की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम देखने को मिल सकता है। सीएम नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने से पहले शुक्रवार को जेडीयू के सांसदों, विधायकों और विधान पार्षदों की अहम बैठक बुलाई है। यह बैठक शाम को सीएम आवास पर होगी। इस बैठक को राजनीतिक रूप से काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि हाल के दिनों में राज्य की सियासत में कई तरह की चर्चाएं तेज हैं1 बता दें नीतीश कुमार ने गुरुवार को राज्यसभा के लिए नामांकन किया है। अब ऐसे में बिहार में सरकार के नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा तेज है।

केमिकल कारखाने में विस्फोट, 11 लोग घायल

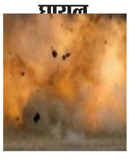

मुंबई। महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में शुक्रवार को एक रासायन कारखाने में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 11 लोग घायल हो गए। यह घटना मुंबई से करीब 250 किलोमीटर दूर लोटे परशुराम एमआईडीसी स्थित डॉ. खान इंडस्ट्रियल कंसल्टेंट्स इकाई में हुई। पुलिस ने बताया कि घायलों में ज्यादातर मजदूर हैं और उन्हें तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट के बाद कारखाने में अफरा-तफरी मच गई। तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया और घायलों को नजदीकी चिकित्सा सुविधा में ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। डॉ. खान इंडस्ट्रियल कंसल्टेंट्स विभिन्न विशेष सिलिका-आधारित रसायनों और रासायनिक मध्यवर्ती उत्पादों का एक प्रमुख निर्माता है। यह कंपनी इस्पात, वस्त्र, पेंट और

ओम बिरला को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा, भाजपा ने लोकसभा सांसदों को व्हिप जारी किया

नई दिल्ली। भाजपा ने शुक्रवार को अपने लोकसभा सांसदों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया, जिसमें उन्हें अगले हफ्ते सदन में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है, जब बजट सेशन का दूसरा फेज शुरू होगा।

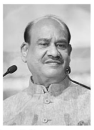

पार्टी की ओर से कहा गया है कि 9-10 मार्च को सदन में बहुत महत्वपूर्ण विधायी कार्य पर चर्चा होगी और इसलिए उनकी उपस्थिति आवश्यक है। लोकसभा में सभी भाजपा सांसदों को ये निर्देश ऐसे समय में दिए गए हैं जब सदन में विपक्ष के खिलाफ कथित भेदभाव और एकतरफा रवैये को लेकर स्पीकर ओम बिरला को हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा हो सकती है।

भाजपा के व्हिप, जिस पर 6 मार्च की तारीख है और लोकसभा में भाजपा के चीफ व्हिप डॉ. संजय जायसवाल के साइन हैं, ने कहा, सभी भाजपा सांसदों को सूचित किया जाता है कि लोकसभा में सोमवार, 9 मार्च और 10 मार्च को कुछ बहुत जरूरी लेजिस्लेटिव काम पास होने के लिए रखे जाएंगे। इसलिए, लोकसभा के सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे दोनों दिन सदन में जरूर मौजूद रहें और सरकार के रुख का समर्थन करें। रिपोर्ट्स के अनुसार, लोकसभा में 9 मार्च को ही स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष का लाया गया प्रस्ताव चर्चा के लिए आ सकता है। इस दिन स्पीकर ओम बिरला के भी मौजूद रहने की संभावना है।

वायुसेना का सुखोई फाइटर जेट क्रैश

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना का एक सुखोई एसयू-30एमकेआई लड़ाकू विमान गुरुवार रात असम के कार्बी आंगलोंग जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुखद हादसे में वायुसेना के दो जांबाज अधिकारियों, स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरगकर का निधन हो गया है। वायुसेना ने आधिकारिक तौर पर इस क्षति की पुष्टि करते हुए बताया कि विमान एक नियमित प्रशिक्षण मिशन पर था, जब यह हादसा हुआ। इससे पहले विमान रडार से गायब हो गया था।

घटनाक्रम के अनुसार, इस दो सीटों वाले लड़ाकू विमान ने असम के जोरहाट से अपनी उड़ान भरी थी। गुरुवार, 5 मार्च की शाम करीब 7 बजकर 42 मिनट पर विमान का रडार और नियंत्रण कक्ष से अंतिम बार संपर्क हुआ था। इसके बाद विमान अचानक लापता हो गया, जिससे वायुसेना में हड़कंप मच गया। रात लगभग 9 बजकर 34 मिनट पर विमान के लापता होने की आधिकारिक सूचना साझा की गई, जिसके तुरंत बाद व्यापक खोज और बचाव अभियान (सर्च ऑपरेशन) शुरू किया गया। कठिन प्रयासों के बाद वायुसेना को विमान का मलबा जोरहाट से लगभग 60 किलोमीटर दूर कार्बी आंगलोंग के दुर्गम इलाके में मिला। जांच में सामने आया कि विमान क्रैश हो चुका था और उसमें सवार दोनों पायलटों को जानलेवा चोटें आई थीं, जिसके कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका। रूसी कंपनी सुखोई द्वारा निर्मित यह विमान भारतीय वायुसेना के बेड़े का एक अत्यंत शक्तिशाली और आधुनिक विमान माना जाता है।

राहुल गांधी ने भारत की विदेश नीति पर सवाल उठाकर कहा, प्रधानमंत्री समझौतावादी

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने फिर विदेश नीति को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सवाल उठाकर टिप्पणी की है। राहुल गांधी के सोशल मीडिया अकाउंट पर 11 फरवरी को लोकसभा में दिए गए भाषण का वीडियो पोस्ट लिखा है, भारतीय विदेश नीति हमारे लोगों की सामूहिक इच्छा से उत्पन्न होती है। यह हमारे इतिहास, हमारी भौगोलिक स्थिति और सत्य एवं अहिंसा पर आधारित हमारी आध्यात्मिक विचारधारा में निहित होनी चाहिए। राहुल गांधी ने वीडियो पोस्ट कर लिखा है, 11 फरवरी 2026 को लोकसभा में विपक्ष के नेता ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा के खतरे में होने की चेतावनी दी। अमेरिका ही तय करेगा कि हम किससे तेल खरीद सकते हैं और किससे नहीं। चाहे रूस से खरीदना हो या ईरान से, अमेरिका ही फैसला करेगा। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री फैसला नहीं कर रहे है। एक दिन पहले 5 मार्च को भी राहुल गांधी ने कहा था, विश्व एक अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुका है।

नायडू सरकार का ऐलान...

तीसरी संतान होने पर 25,000 नकद इनाम, 18 साल की उम्र तक मुफ्त शिक्षा

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राज्य की घटती प्रजनन दर को लेकर चिंता जताकर नई जनसंख्या प्रबंधन नीति की घोषणा हुई है। नीति का मकसद गिरती कुल प्रजनन दर (टीएफआर) को बढ़ाना है, जो 1993 में 3.0 थी और अब 1.5 रह गई है। मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि यह गिरावट आर्थिक विकास के लिए खतरा है क्योंकि युवा कार्यबल की संख्या कम हो रही है, और यदि स्थिति इसी तरह रही, तब 2047 तक बुजुर्गों का अनुपात 23 प्रतिशत तक पहुँच सकता है। इसके चलते महिला कार्यबल की भागीदारी को बढ़ाकर जीएसडीपी में योगदान बढ़ाना जरूरी है। नई नीति के तहत सरकार मातृत्व, शक्ति, नैपुण्यम, क्षेम और संजीवनी जैसे पांच चरणों वाला लाइफ साइकिल सिस्टम लागू करेगी। महिलाओं के लिए मातृत्व सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाए जाएंगे, जहां आईवीएफ सेवाएं उपलब्ध होंगी। सिजेरियन ऑपरेशन को हतोत्साहित करने और हर 50 बच्चों के लिए चाइल्ड केयर सेंटर व पिंक टॉयलेट बनाए जाएंगे। इतना ही नहीं सीएम नायडू ने ऐलान किया कि विशाखापत्तनम में 172 करोड़ रुपये की लागत से कामकाजी महिलाओं के लिए बड़ा हॉस्टल तैयार किया जाएगा। तीसरे बच्चे के जन्म पर आर्थिक प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। इसके तहत 25,000 नकद, पांच साल तक हर महीने 1,000, और 18 साल की उम्र तक मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाएगी। माता को 12 महीने और पिता को 2 महीने का अवकाश मिलेगा। हर चौथे शनिवार को जनसंख्या देखभाल कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्थानीय चुनावों में भी दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी। तल्लीकी वंदनम योजना के तहत बच्चों की संख्या पर कोई सीमा नहीं रखी जाएगी और वित्तीय सहायता उपलब्ध होगी। इसके अलावा, सुरक्षा के लिए शी कैब्स शुरू की जाएंगी और 175 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में दो हफ्ते के विशेष क्लीनिक आयोजित किए जाएंगे। इस नीति का लक्ष्य आंध्र प्रदेश को भविष्य के जनसांख्यिकीय संकट से बचाना और जनसंख्या वृद्धि को बोझ न मानकर वरदान के रूप में बढ़ावा देना है।

सुप्रीम कोर्ट ने जाहिर की नाराजगी

अदालत के आदेशों का पालन न करना, आजकल फैशन बन गया...

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अदालत के आदेशों का पालन न करने और अवमानना याचिका दायर होने पर देरी से अपील दाखिल करने की प्रवृत्ति पर कड़ी नाराजगी जता दी है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि यदि इसतरह के मामलों में सख्ती नहीं दिखाई गई, तब न्यायपालिका में लोगों का भरोसा कमजोर पड़ सकता है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल ?ला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि हाल के वर्षों में देखने में आया हैं कि अदालत के आदेशों का लंबे समय तक पालन नहीं होता और जब अवमानना याचिका दायर होती है, तब उसके बाद काफी देरी के साथ अपील या पुनर्विचार याचिका दाखिल होती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि अपील में देरी अपवाद होनी चाहिए, लेकिन अब यह करीब-करीब नियम बनती जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि इस तरह की प्रवृत्ति को स्वीकार नहीं कर सकते है। शीर्ष अदालत के अनुसार, जब कोई पक्ष जानबूझकर अदालत के आदेशों का पालन नहीं करता, इस आचरण से न्यायपालिका की गरिमा और कानून के शासन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस तरह के मामलों में यह आचरण कई बार आपराधिक अवमानना की सीमा तक पहुंच सकता है। अदालत ने कहा कि यदि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट इन मामलों में दृढ़ता नहीं दिखाते, तब देश के आम नागरिकों का न्यायपालिका में अटूट विश्वास कमजोर पड़ सकता है।

अदालत के अनुसार, आदेश की जानकारी होने के बावजूद यदि कोई पक्ष जानबूझकर उस आदेश का पालन नहीं करता, तब वहां अवमानना के दायरे में आएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अवमानना की कार्यवाही केवल अदालत में पक्षकार रहे व्यक्तियों तक सीमित नहीं होगी।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी छत ?तीसगढ़ सरकार के अधिकारियों के खिलाफ दायर अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान की। मामला कर्मचारियों की सेवाओं के नियमितीकरण से जुड़े आदेश के पालन न करने से जुड़ा था। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के अधिकारियों को आदेश लागू करने के लिए अंतिम मौका देकर 15 दिन का समय दिया है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने की घोषणा...

टेक स्टेट में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया बैन

बेंगलुरु। दक्षिण भारत के राज्य कर्नाटक, जहां टेक हब बेंगलुरु है, ने 16 साल से कम उम्र के लोगों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर बैन लगा दिया है। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को कहा कि ऐसा करने वाले वे भारत के पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों पर मोबाइल के बढ़ते इस्तेमाल के कुप्रभाव को रोकने के मकसद से, 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल बैन कर दिया जाएगा। विधानसभा में बजट 2026-27 पेश करते वक्त मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में 16 से कम आयु वाले युवाओं के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर बैन लगा दिया जाएगा। साथ ही स्कूलों, कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में ड्रग्स के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी। सदन में उन्होंने एलान किया कि 125 करोड़ रुपये सरकारी प्राइमरी स्कूल, हाई स्कूल और प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज के मेंटेनेंस के लिए खर्च किए जाएंगे। इस बात पर जोर देते हुए कि स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स की हेल्थ, कैरेक्टर और भविष्य को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, उन्होंने कहा कि सरकार इन कैंपस में ड्रग्स के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए अवेयरनेस और एजुकेशनल कैंपेन, सख्त डिसिप्लिन और डेडिकेटेड सपोर्ट और काउंसलिंग सेंटर बनाने जैसे कड़े कदम उठाएगी।

अनिल अंबानी से जुड़ी कंपनियों पर तड़के ईडी की बड़ी कार्रवाई, मुंबई में कई ठिकानों पर छापे

मुंबई । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार तड़के उद्योगपति अनिल अंबानी और उनकी कंपनी रिलायंस पावर लिमिटेड से जुड़े कारोबारियों और सहयोगियों के ठिकानों पर बड़े पैमाने पर छापेमारी की। यह कार्रवाई कथित वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच के तहत की जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ईडी की करीब 15 विशेष टीमों ने मुंबई में अलग-अलग स्थानों पर एक साथ कार्रवाई शुरू की। बताया जा रहा है कि शहर में लगभग 10 से 12 ठिकानों पर तलाशी ली जा रही है। इनमें रिलायंस पावर से जुड़े कुछ व्यवसायियों के पंजीकृत कार्यालय, कॉरपोरेट दफ्तर और आवासीय परिसरों को भी शामिल किया गया है। सूत्रों के मुताबिक जांच एजेंसी रिलायंस पावर से जुड़े संदिग्ध फंड ट्रांसफर, वित्तीय लेनदेन और निवेश से संबंधित दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है। ईडी को शक है कि कंपनी से जुड़े कुछ लेनदेन में नियमों का उल्लंघन किया गया है और धन को अलग-अलग माध्यमों से ट्रांसफर किया गया।

बताया जा रहा है कि छापेमारी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड और वित्तीय लेनदेन से जुड़े सबूतों की जांच की जा रही है। अधिकारियों की टीमें कंप्यूटर, सर्वर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी पड़ताल कर रही हैं, ताकि संदिग्ध ट्रांजेक्शनों की पूरी जानकारी सामने आ सके। हालांकि इस कार्रवाई को लेकर ईडी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि यह कार्रवाई लंबे समय से चल रही वित्तीय जांच का हिस्सा है और आने वाले दिनों में इस मामले में और खुलासे हो सकते हैं।

यूपीएससी का फाइनल रिजल्ट जारी, अनुज अग्निहोत्री बने ऑल इंडिया टॉपर

नई दिल्ली। यूपीएससी ने सिविल सर्विस परीक्षा 2025 का फाइनल रिजल्ट जारी किया है। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में रावतभाटा के अनुज अग्निहोत्री ने ऑल इंडिया में टॉप किया है। 958 कैंडिडेट्स अलग-अलग सर्विसेज के लिए क्वालिफाई हुए हैं।

बता दें कि अनुज पहले भी 2 बार यूपीएससी परीक्षा पास कर चुके हैं। यूपीएससी 2023 में पहले प्रयास में उन्हें दिल्ली में एसडीएम के पद पर नियुक्ति मिली थी। अनुज के पिता केबी अग्निहोत्री राजस्थान परमाणु बिजलीघर की 1,2 इकाई में काम करते हैं। मां मंजू अग्निहोत्री गृहिणी हैं। अनुज ने रावतभाटा परमाणु ऊर्जा केंद्रीय स्कूल से पढ़ाई की है। 12वीं में उनके 94 प्रतिशत नंबर आए थे। अनुज को टेबल टेनिस खेलना पसंद हैं।

जानें कौन हैं टॉपर अनुज

अनुज अग्निहोत्री राजस्थान के रावतभाटा निवासी हैं। उन्होंने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में पहला स्थान हासिल किया। यूपीएससी को भारत की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक माना जाता है। हर साल लाखों छात्र इस परीक्षा में बैठते हैं, लेकिन अंतिम चयन केवल कुछ सौ उम्मीदवारों का ही होता है। इसतरह से टॉप करना बहुत बड़ी उपलब्धि है। अनुज रावतभाटा निवासी हैं। इसके बाद वे ग्रेजुएशन करने के लिए जोधपुर चले गए। जहां उन्होंने एम्स से एमबीबीएस से पढ़ाई की है। उन्होंने 2023 में एमबीबीएस की पढ़ाई की थी। इसके बाद उन्होंने डैनिक्स जॉइन किया था, जो केंद्रीय सिविल सेवा (समूह-बी) की प्रशासनिक सेवा है।

संघ लोक सेवा आयोग की केंद्रीय सिविल सेवा के तहत इस वर्ष भारतीय प्रशासनिक सेवा(आईएएस) के 180 पद घोषित किए गए हैं। इसमें सामान्य वर्ग के 74, ओबीसी के 47, अनुसूचित जाति (एससी) के 28, ईडब्ल्यूएस के 18 और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के 13 पद शामिल हैं। वहीं इंडियन फॉरेन सर्विस (आईएफएस) के लिए कुल 55 पद उपलब्ध हैं। इसमें सामान्य वर्ग के 22, ओबीसी के 15, एससी के 8, ईडब्ल्यूएस के 6 और एसटी के 4 पद तय किए गए हैं। यह आरक्षण व्यवस्था विभिन्न वर्गों को प्रशासनिक सेवाओं में अवसर देने के उद्देश्य से बनाई गई है। यूपीएससी ने साफ किया है कि सभी उम्मीदवारों की नियुक्ति सिविल सेवा परीक्षा नियम 2025 और उपलब्ध रिक्तियों के आधार पर ही अंतिम रूप से तय की जाएगी। कुल मिलाकर, इस परीक्षा में सफल हुए 958 उम्मीदवार अब देश की अलग-अलग प्रशासनिक सेवाओं में शामिल होकर शासन और प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मूल्यांकन कार्य मे रुचि नही दिखा रहे मूल्यांकनकर्ता

540 में से महज 140 मूल्यांकनकर्ता पहुच रहे केंद्र, सोमवार को आएंगी तीसरे चरण की उत्तरपुस्तिकाए, 60,284 में से महज 15117 कॉपियों की हुई है जांच

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं कक्षा 12वीं की परीक्षाएं अब अपने अंतिम चरण में है।जिसके चलते बोर्ड द्वारा उत्तरपुस्तिकाओ का मूल्यांकन कराकर, रिजल्ट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।जिसके तहत 22 फरवरी से उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य शुरू है।जहां फिलहाल दो चरणों में उत्तर पुस्तिकाओं की जांच कर ओएमआर शीट में रोल नंबर और प्राप्तांक दर्ज कर इसकी रिपोर्ट ऑनलाइन बोर्ड को भेजी जा रही है ।उम्मीद जताई जा रही है।अप्रैल के पहले सप्ताह तक सभी जिलों की उत्तर पुस्तिकाओं को जांचने के बाद रिजल्ट तैयार किया जाएगा। जहां बोर्ड द्वारा अप्रैल मध्य तक कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

60 284 में से महज 15117 कापियों का हुआ मूल्यांकन

केंद्र अध्यक्ष से मिली जानकारी के मुताबिक प्रथम चरण में उत्कृष्ट विद्यालय में कक्षा 12वीं की कुल 25004 उत्तर पुस्तिकाएं केंद्र पहुंचाई गई थी।इसमें अंग्रेजी की 11700 में से 5153 का कापियों का मूल्यांकन हो चुका है, तो वही अर्थशास्त्र की 5400 कॉपियो में से 2120 कापियों का मूल्यांकन कार्य किया गया है, इसी तरह भौतिक शास्त्र की 6644 का में से 3827 कापियो का मूल्यांकन कार्य हो चुका है, तो वहीं पशुपालन की 1260 कॉपियो में से 1002 कॉपियों का मूल्यांकन कार्य हो चुका है। इस तरह प्रथम चरण में आई कुल 25004 कापियों में से महज 12102 कॉपियों का मूल्यांकन कार्य हुआ है जबकि 12902 कॉपियों का मूल्यांकन कार्य होना शेष है।

द्वितीय चरण का मूल्यांकन भी कछुवा गति से चल रहा

इसी तरह 1 मार्च को उत्कृष्ट विद्यालय में द्वितीय चरण की उत्तर पुस्तिकाएं मूल्यांकन के लिए भेजी गई थी जिसमें संस्कृत की 1440 कापियों में से 410 कॉपियो, इतिहास की 2700 कापियों में से महज 215 कॉपी, रसायन शास्त्र की 6660 में से महज 630 कापियां, व्यवसाय अध्ययन की 1440 में से महज 290 कापियों का मूल्यांकन कार्य हुआ है। वही क्रृषि विज्ञान की 1440 में से महज 90 उत्तरपुस्तिकाओं का मुल्यांकन किया गया है। इस तरह 1 मार्च को द्वितीय चरण के तहत भेजी गई कुल 13680 उत्तर पुस्तिकाओं में से 1635 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य हुआ है, जबकि 12055 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य अभी शेष है।

मूल्यांकन कार्य में रूचि नहीं दिखा रहे मूल्यांकनकर्ता

माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा प्रदेश के सभी मूल्यांकन केंद्रों को कॉपियों का मूल्यांकन कार्य जल्द से जल्द किए जाने के निर्देश दिए गए है। बात अगर जिला मूल्यांकन केंद्र बालाघाट की करे तो उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में मूल्यांकनकर्ता कॉपियों के मूल्यांकन में रुचि नहीं दिखा रहे हैं जिसके चलते अब तक पहले चरण में आई उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य भी पूर्ण नहीं हो सका है, तो वहीं द्वितीय चरण के उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य भी जारी है।

540 में से महज 140 मुलायंकनकर्ता पहुच रहे केन्द्र

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में मूल्यांकन कार्य के लिए लगभग 540 मूल्यांकनकर्ताओं का चयन किया गया था जिनका प्रशिक्षण भी पूरा हो चुका है।लेकिन अलग-अलग कारणों के चलते 540 में से आधे मूल्यांकनकर्ता भी रोजाना केंद्र नहीं पहुंच रहे हैं जिससे मूल्यांकन का कार्य काफी पिछड़ गया है। हालांकि केंद्र अध्यक्ष द्वारा जल्द ही मूल्यांकनकर्ताओं की संख्या बढ़ाने की बात कही जा रही है।

10वीं की एक कॉपी जांचने के 15 ,तो 12 वीं की एक कॉपी जांचने के मिलेंगे 16रु

कक्षा दसवीं कक्षा बारहवीं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य शुरू है। जहां इस मूल्यांकन के लिए कलेक्टर गिरिश मिश्रा के निर्देश पर केंद्र ऑब्जबर्र नियुक्ति किया गया है। बताया जा रहा है कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता को 1 दिन में न्यूनतम 30 तो वही अधिकतम 45 उत्तर पुस्तिकाएं जांचने को दी जा रही है। जहां कक्षा दसवीं की एक उत्तर पुस्तिका को जांचने के लिए मूल्यांकनकर्ता को 15रु तो वही कक्षा 12वीं की एक उत्तर पुस्तिका को जांचने के लिए मूल्यांकनकर्ता को 16रु प्रति कॉपी के हिसाब से अतिरिक्त भुगतान किया जाएगा। जहां प्रथम व द्वितीय चरण की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के बाद तृतीय व चतुर्थ चरण के लिए उत्तर पुस्तिकाएं उत्कृष्ट विद्यालय पहुंचाई जाएगी ।बताया गया कि सोमवार तक तीसरे व चौथे चरण की उत्तर पुस्तिकाएं मूल्यांकन केंद्र उत्कृष्ट विद्यालय पहुंचा दी जाएगी।

ओएमआर शीट से ही नहीं,बल्कि अब रोजाना ऑनलाइन भेजे जा रहे प्राप्तांक

बताया गया कि मूल्यांकनकर्ता रोज रोल नंबर सहित प्राप्तांक सीधे कंप्यूटर के माध्यम से बोर्ड को भेज रहे है। इसीलिए बोर्ड ने उत्कृष्ट विद्यालय में 10 कंप्यूटर की व्यवस्था बनाई है। बताया जा रहा है कि रोजाना ऑनलाइन भेजे गए प्राप्तांकों, और बाद में ओएमआर शीट से भेजे गए प्राप्तांकों का मिलान होगा ।उसके बाद अंतिम रिजल्ट के लिए प्राप्तांक अंकसची में दर्ज करने के लिए सुरक्षित किए जाएंगे

फिलहाल मूल्यांकन के लिए नही आई डेडलाइन

बताया गया कि उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा अब तक कोई डेडलाइन जारी नहीं की गई है जब तक मूल्यांकन का कार्य पूर्ण नहीं हो जाता और मंडल के पास ओएमआर शीट के अंक नहीं पहुंच पाते तब तक मंडल द्वारा परीक्षा परिणामों को लेकर कोई घोषणा नहीं भी नही की जाएगी ।वही मूल्यांकन केंद्र अधिकारी द्वारा जल्द से जल्द मूल्यांकन का यह कार्य पूर्ण कर ओएमआर शीट में अंक भरकर मंडल को प्रेषित किए जाने की बात कही जा रही है।

60680 में से महज 15117 कापियों का हुआ मुलायंकन

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रथम चरण में कक्षा दसवीं की 21600 कॉपियां केंद्र भेजी गई थी जिसमें से महज 1380 कापियों की जांच की गई है, जबकि दूसरे चरण में 1 मार्च को कक्षा दसवीं अंग्रेजी में 18000 कापिया भेजी गई थी, जिसमें से महज 1380 कॉपीयो की जांच हो पाई है। वही व्यवसायिक शिक्षा के विषयों की 3600 कॉपियां आई थी,जिसमें से एक भी कॉपी की जांच नहीं हो पाई है। इस तरह दूसरे चरण की 21600 कापियों में से मात्र 1380 कॉपियों की जांच हुई है। बात अगर कक्षा 10वीं 12वीं की कुल उत्तर पुस्तिकाओं की करें तो 60284 उत्तर पुस्तिकाओं में से अब तक मात्र 15117 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन हो पाया है।जबकि 45,167 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन शेष है। बताया गया की कॉपियों को जांचने के लिए सीसीटीवी कैमरो से लैंस 7 कमरों में व्यवस्था बनाई गई है।

बढ़ाए जाएंगे मूल्यांकनकर्ता-जीआर पटले

मूल्यांकन केंद्र अध्यक्ष एवं कलेक्टर प्रतिनिधि जीआर पटले ने चर्चा के दौरान बताया कि वर्तमान समय में कक्षा दसवीं कक्षा 12वीं की परीक्षाएं चल रही हैं जिसके चलते कई शिक्षकों की ड्यूटी परीक्षा केंद्र में लगी हुई है ,तो वही संबंधित विषय की कॉपियां ना आने के चलते संबंधित विषय के शिक्षक कॉपी जांचने केंद्र नहीं पहुंच रहे हैं, वही होली पर्व की वजह से भी कुछ शिक्षक नहीं आए हैं, सोमवार से तीसरे व चौथे चरण की उत्तर पुस्तिकाए जांचने के लिए केंद्र पहुंच जाएंगी ।इसके लिए मूल्यांकनकर्ताओं को बढ़ाया जाएगा और जल्द से जल्द यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा। हमें उम्मीद है कि अप्रैल के पहले सप्ताह में मूल्यांकन का यह कार्य पूर्ण कर बोर्ड को प्राप्तांक भेज दिए जाएंगे।

अमित जोगी का बालाघाट आगमन कल, रोजा अफ्तार पार्टी में होंगे शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के सुपुत्र और अमित जोगी का 8 मार्च को बालाघाट आगमन हो रहा है। जारी कार्यक्रम अनुसार रायपुर से वे सड़क मार्ग होते हुए अपरान्ह 4 बजे बालाघाट पहुंचेंगे। जोगी समर्थक रहीम खान ने बताया कि अमित जोगी के बालाघाट आगमन पर जगह-जगह स्वागत समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें सरेखा रेलवे ओवरब्रिज के पास, हनुमान चौक, आंबेडकर चौक में स्वागत उपरांत प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी सर्किट हाउस पहुचेंगे। यहां विश्राम करने के बाद वे सायंकाल 5.30 बजे आंबेडकर चौक में बाबा साहब आम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के उपरांत भटेरा रोड़ स्थित होटल में आयोजित रोजा रफ्तार कार्यक्रम में शामिल होने रवाना होंगे। जिनका काली पुतली चौक पर समर्थको द्वारा स्वागत किया जाएगा। रोजा अफ्तार कार्यक्रम के बाद, वे ब्रम्हनी स्थित फार्म हाउस में समर्थको से मुलाकात और चर्चा उपरांत सर्किट हाउस पहुंचेंगे। जहां रात्रि विश्राम के बाद 9 मार्च को वह रायपुर के लिए रवाना हो जाएंगे।श्री खान ने बताया कि माहे रमजान के मुबारक मौके पर अमित जोगी के आतिथ्य में कौमी एकता और मुल्क एवं शहर की अमन चैन की दुआओं के लिए रोजा अफ्तार का आयोजन किया गया है। जो सायंकाल 6.10 बजे, आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष हीना कावरे, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं विधायक संजय उईके, विधायक अनुभा मुंजारे, मधु भगत, विवेक विक्की पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार और पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेसी अशोकसिंह सरस्वार भी उपस्थित रहेंगे।

The Court Of Pranesh Kumar Pran,Principal District and Session Judge,Balaghat
Pressiding Officer:- प्राणेश कुमार प्राण

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 8 संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम 1868
प्रकरण क्रमांक (MJC GW/00002/2026)

1. माया मेश्राम आयु 42 वर्ष पति स्व0 अशोक मेश्राम
2. आयान मेश्राम आयु 11 वर्ष पिता स्व0 अशोक मेश्राम
3. विहान मेश्राम आयु 05 वर्ष पिता स्व0 अशोक मेश्राम

क्र. 02 व 03 ना.व. माता एवं विधिक प्रतिनिधी माया मेश्राम आयु 42 वर्ष पति स्व. अशोक मेश्राम सभी निवासी ग्राम आंवलाझरी तहसील व जिला बालाघाट वर्तमान निवासी द्वारा आशीष बारमाटे सुभाष नगर वार्ड न 13 बूढ़ी बालाघाट तहसील व जिला
बालाघाट म.प्र.......................................आवेदकगण

विरूद्ध

आम जनता.......................................अनावेदक

Process Id-215/2026
पेशी तारीख-08/04/2026

(1) आम जनता पता आम जनता

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमति माया मेश्राम ने संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम 1868 की धारा 8 संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम के अंतर्गत स्वयं को दोनों पुत्रों कमशः आयान मेश्राम आयु 11 वर्ष एवं विहान मेश्राम आयु 05 वर्ष का संरक्षक एवं प्रतिपाल्य घोषित करने का आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

यह कि आवेदिका ने दोनों पुत्रों कमशः आयान मेश्राम एवं विहान मेश्राम को अपने और अपने पति स्व. अशोक मेश्राम की संतान होना बताया है। आवेदिका ने उक्त आवेदन में अभिवचनित किया है कि उसे उसके पुत्रों का संरक्षक घोषित किया जावे जिससे कि वह अपने एवं अपने पुत्रों के हिस्से की जमीन मौजा बूढ़ी वार्ड न0 13 बालाघाट पटवारी हल्का न0 13/1, रा.नि.म. बालाघाट-2 तहसील व जिला बालाघाट में खसरा नंबर 158/16, 161/17 रकबा 0.012हे. / 0.03 एकड़ (भूखण्ड 25*50=1250 वर्गफिट) भूखण्ड को मॉडगेज (बंधक) कर सके।

अत: यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में आवेदक के अभिभावक / संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त संपत्ति में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 08/04/2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवाई एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किए ग जावेगा।

न्यायाधीश

कलेक्टर ने की रेल ओव्हरब्रिज के कार्यों की समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 06 मार्च को सेतु निर्माण संभाग, लोक निर्माण विभाग, रेलवे, यातायात विभाग के अधिकारियों एवं ठेकेदारों की बैठक लेकर जिले में विभिन्न स्थानों पर बनाये जा रहे रेल ओव्हरब्रिज निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में एसडीएम गोपाल सोनी भी उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम सरेखा रेलवे ओव्हरब्रिज के कार्य की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि ब्रिज के सरफेस सुधार का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। ब्रिज पर हाईमास्क लाईट एवं स्ट्रीट लाईट चालू कर दी गई है। कलेक्टर श्री मीना ने इस रेलवे ब्रिज के नीचे की भूमि का व्यवस्थित उपयोग सुनिश्चित करने के लिए एसडीएम गोपाल सोनी को नगर पालिका एवं स्थानीय नागरिकों के साथ समन्वय कर कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिये।

बालाघाट-गर्रा रोड पर बन रहे रेल ओव्हरब्रिज के कार्य की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इस ब्रिज पर लाइटिंग एवं सिविल वर्क किया जा रहा है। ठेकेदार द्वारा बताया गया कि गर्डर लांचिंग में विलंब हो रहा है और यह कार्य 30 अप्रैल तक पूर्ण कर लिया जाएगा। कलेक्टर श्री मीना ने इस पर कहा कि गर्रा के इस ओव्हरब्रिज में गर्डर लांचिंग के कार्य की समय सीमा 30 अप्रैल के बाद नही बढायी जाएगी। अतः गर्डर लांचिंग का कार्य 30 अप्रैल के पूर्व अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि डेंजर रोड के सुधार एवं मरम्मत का कार्य तथा साइड सोल्डर भरने का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करें। डेंजर रोड पर रेलवे ब्रिज के नीचे सडक का सुधार कार्य भी तेजी से करने के निर्देश दिये गए।

वारासिवनी-वारा में बन रहे रेल ओव्हरब्रिज कार्य की समीक्षा में बताया गया कि ब्रिज के ऊपर हाईमास्क लाईट लगाने का कार्य चल रहा है। 20 मार्च से इस ब्रिज पर आवागमन शुरू कर दिया जाएगा। कलेक्टर श्री मीना ने ठेकेदार को निर्देशित किया कि 20 मार्च से इस ब्रिज पर आवागमन शुरू करने के पूर्व शेष सभी कार्य पूर्ण कर लिये जाए।

बालाघाट-भटेरा के बीच बनने वाले रेल ओव्हरब्रिज कार्य की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इस ब्रिज के लिए भू-अर्जन की कार्यवाही अंतिम चरण में है। भूमि अधिग्रहण के एवज में 25 करोड रुपए की राशि का 02 दिनों के भीतर वितरण कर दिया जाएगा। राशि वितरण के साथ ही ठेकेदार द्वारा ब्रिज का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। इस दौरान बालाघाट से भटेरा की ओर दो पहिया, चार पहिया वाहनों एवं यात्री बसों के आवागमन पर चर्चा की गई। बताया गया कि बैहर रोड पर डॉ. शिशिर खरे के मकान के सामने से दो पहिया एवं हल्के वाहनों के लिए आवागमन की व्यवस्था की जा रही है। लामता की ओर से आने वाले बसों के लिए अस्थायी बस स्टैण्ड के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान यह भी सुझाव दिया गया कि लामता की ओर से आने वाली यात्री बसों को कुम्हारी से वैनगंगा पुल पार कर धपेरा-मोहगांव-बेहरई-कनकी होते हुए बालाघाट लाया जा सकता है। इससे अस्थायी बस स्टैण्ड बनाने की आवश्यकता नही होगी। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने एसडीएम श्री सोनी को यातायात प्रभारी एवं परिवहन विभाग के अधिकारी के साथ स्थल निरीक्षण करने के निर्देश दिये।

बैठक में बताया गया कि वारासिवनी-कटंगी रोड शेरपार चौकी पर बन रहे ओव्हरब्रिज का कार्य 30 जून तक पूर्ण कर लिया जाएगा। वारासिवनी-कटंगी रोड में अगासी चौकी पर रेल ओव्हरब्रिज का कार्य पूर्ण हो गया है और इससे आवागमन चालू हो गया है। बैठक में जागपुर घाट पर बन रहे पुल के कार्य की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि जागपुर घाट के पुल के फाउंडेशन का 52 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है और 11 नग गर्डर कास्टिंग का कार्य पूर्ण हो गया है। इस पुल के गर्डर नदी में बनाये गए है। इनका उपयोग वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के पूर्व अनिवार्य रूप से करना होगा अन्यथा नदी में बाढ आने पर यह गर्डर क्षतिग्रस्त हो सकती है।

कलेक्टर श्री मीना ने शेरपार चौकी के रेल ओव्हरब्रिज का कार्य 30 जून तक पूर्ण कर उसे आवागमन शुरू कर देने के निर्देश दिये। उन्होंने जागपुर घाट पर बनाये जा रहे पुल के कार्य को जून माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिये और कहा कि इस पुल के गर्डर लांचिंग का कार्य वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के पूर्व नही करने पर गर्डर के क्षतिग्रस्त होने पर ठेकेदार की जिम्मेदारी रहेगी और उसके विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में सेतु निर्माण संभाग के एसडीओ अर्जुन सिंह सनोडिया, एसडीओ दिलीप बोहरे, सुश्री अरूणा सिरसाम, दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे नागपुर के इंजीनियर मोहन चौधरी, विनोद कुमार मस्के, नवीन कुमार, यातायात प्रभारी सुश्री यीना राहंगडाले, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री बी.डी.कतरोलिया एवं ब्रिज निर्माण करने वाले ठेकेदार

सतलोक आश्रम उड़दन में दहेज मुक्त व आडंबर मुक्त सामूहिक विवाह

17 मिनट की गुरुवाणी में 30 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे- चार जोडे बालाघाट जिले से शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जगतगुरु तत्वदर्शी संत रामपाल जी महाराज के सानिध्य में मध्यप्रदेश के बैतूल जिले स्थित सतलोक आश्रम उड़दन में पिछले माह फरवरी में दहेज मुक्त और आडंबर मुक्त सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इस अनूठे आयोजन में 30 जोड़ों का विवाह बेहद सादगीपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। जिसने बालाघाट जिले के चार जोडे शामिल हुए।

इस विवाह समारोह की खास बात यह रही कि इसमें किसी भी प्रकार का आडंबर नहीं किया गया। विवाह में न तो हल्दी की रस्म हुई, न ही बैंड-बाजा, आतिशबाजी या अन्य पारंपरिक खर्चीली रस्में आयोजित की गईं। केवल 17 मिनट की गुरुवाणी के माध्यम से सभी जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया।इस अवसर पर समाज में फैली दहेज प्रथा और फिजूलखर्ची के खिलाफ संदेश भी दिया गया। आयोजन के दौरान सेवा कार्यों को बढ़ावा देते हुए एक विशाल रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया।जिसमें श्रद्धालुओं और अनुयायियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस शिविर में कुल 268 यूनिट रक्तदान किया गया।इस सामूहिक विवाह समारोह में बालाघाट जिले के चार जोड़े भी विवाह बंधन में बंधे। जिनमें लखाराम पंचेश्वर पिता भजनलाल निवासी ग्राम पिपरिया तहसील लालबर्रा निवासी का विवाह भगतमती रेशमा पिता पुनाराम ग्राम बोट्टा तहसील लालबर्रा निवासी के साथ संपन्न हुआ।भगतमती निशा पांचे पिता दिनेश पांचे ग्राम काकोड़ी तहसील किरनापुर निवासी का विवाह भगत पीसाराम दास पिता हिरमू ग्राम पीपलगांव तहसील किरनापुर निवासी के साथ संपन्न हुआ।माया पिता दरोगालाल बाहेश्वर ग्राम बुढ़ी बालाघाट निवासी का विवाह भगत लकेस पंझरिया पिता गनपत ग्राम शुक्ला जिला सिवनी निवासी के साथ संपन्न हुआ।इसी प्रकार भगतमती कंचन दासी पिता पांचे ग्राम मेंधेवाड़ा तहसील वारासिवनी निवासी का विवाह भगत महेंद्र पिता रामनंद जिला सिवनी के साथ संपन्न हुआ।सतलोक आश्रम में आयोजित इस सामूहिक विवाह ने समाज में सादगीपूर्ण और दहेज मुक्त विवाह की एक मिसाल पेश की। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और अनुयायी उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत भरवेली
जनपद पंचायत बालाघाट विकासखण्ड़ बालाघाट जिला. बालाघाट (म.प्र)

क्रमांक/21/ग्रा.पं./2026 **भरवेली तारीख 06.03.2026**

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत भरवेली क्षेत्र में विभिन्न निर्माण कार्यों कार्यापीन सामग्री नल जल योजना एवं अन्य उत्यादी कार्यों के लिए वर्ष 2026-2027 एक वर्ष अवधी (01.04.2026 से 31.03.2027 तक) के लिए निविदा आमंत्रित की जाना हैं। ईच्छुक निविदाकार अपनी मुहर बंद निविदायें दिनांक 07. 03.2026 से 14.03.2026 तक ग्राम पंचायत में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते हैं।

निर्माण सामग्री- रेल, गिट्टटा 40MM, गिटूटा 20MM, लोहा 8MM 10MM,12 MM, 16MM, ईसीमेंट, ईटलाल, सीमेंट, कालातार, दरवाजा, खिड़कि, चौखट, वेटीलेशन, पेंट आईलज, डिसटेम्बर, बिरला वाईट, वाल पुटटी, इमलशन, मिक्शर मशीन, बायबेयर, सेन्ट्रीग, जाली, टीन की चादर, एगंल, स्टील वर्क, कुर्सी (लोहा सिमेंट), टायलेट सिट, वास बेसिंग निर्माण कार्य से सम्बंधित अन्य सामग्री।

विद्युत सामग्री- LED बल्ब, धारक, वायर ट्यूब, लाइट स्विच, पंखा, कूलर, P.O.P कार्य, P.V.P कार्य तविधु से संबंधित इत्यादि सामग्री ।

जलप्रदाय सामग्री- पाईप P.V.C, वाल, स्पेडल, पईप लोहा, नल फिटींग आयटम, पानी टंकी, आरो मशीन, वाल, एयर वाल इत्यादि सामग्री।

कार्यालयीन स्टेशनरी- कुर्सी, टेबल, अलमारी, कार्यालयीन, स्टेशनरी, कम्प्युटर सामग्री, प्रिंटर काटरेज रिफिलिंग मरम्मत कार्य इत्यादि सामग्री।

पंडाल व्यवस्था- सिलींग, पर्दे, कुर्सी फाईवर, कुर्सी फाईवर कवर सहित, टेवल, साउंड सिस्टम, LED लाईट, फोकस लाईट, मेटीन, सोफा कुर्सी, पुष्प सज्जा, स्वागत गेट, LED स्कीन, DJ गाड़ी सहित कार्य से सम्बंधित अन्य सामग्री।

परिवहन- पानी टैकर, टेक्टर, प्रचार वाहन, जे.सी.बी. मशीन, हाईड्रा मशीन, चेन माउटिंग, खुदाई मशीन, ट्रक, फिलिंग पत्थर, मलवा ।

दिलीप महोबे
सचिव
ग्राम पंचायत भरवेली

गीता बिसेन
सरपंच
ग्राम पंचायत भरवेली

कार्यालय जनपद पंचायत वारासिवनी, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक /717/ मु.म.क.वि.यो./ज.प./2026 **वारासिवनी तारीख 25.02.2026**

विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद पंचायत वारासिवनी द्वारा सामूहिक विवाह समारोह दिनांक 19.03.2026 को आयोजित है। समारोह में डेकोरेशन, साउंड एवं भोजन व्यवस्था हेतु ऑनलाईन निविदायें दिनांक 06.03.2026 से प्रातः 10.30 बजे से 13.03.2026 सायं 5.30 बजे तक आमंत्रित की गयी है। निविदा का विस्तृत विरण वेबसाईट **www.mptenders.gov.in** पर उपलब्ध है। साथ ही निविदा से संबंधित नियम शर्तों एवं अन्यय विवरण कार्यालयीन दिवस में जनपद पंचायत के सूचना पटल पर देखी जा सकती है। प्राप्त निविदायें दिनांक 16.03.2026 को अपरान्ह 12.00 बजे खोली जावेगी।

आदेशानुसार
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत वारासिवनी

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

अलग-अलग सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

मोटरसाइकिल पुलिया के पिल्लर से टकराई एक व्यक्ति की मौत- दो घायल पुलिया के नीचे घायल हालत में मिले व्यक्ति ने जिला अस्पताल में दम तोड़ा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

दो अलग-अलग सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई यह दुर्घटना बीती रात हट्टा और भरवेली थाना क्षेत्र में हुई।मृतक संतलाल पिता इंदल उइके 50 वर्ष ग्राम रट्टा थाना भरवेली और रेखलाल पिता छोटेलाल पांचे 40 वर्ष ग्राम बुढेना खुर्द थाना हट्टा निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस में दोनों व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौप दिये है।

तिलपेवाड़ा नहर पुलिया के नीचे घायल हालत में पड़ा हुआ था रेखलाल

प्राप्त जानकारी के अनुसार हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम बुढेना खुर्द निवासी रेखलाल पांचे चार भाई है और चारों भाई अपने परिवार के साथ अलग रहते हैं।रेखलाल के परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं और वह मजदूरी करता है। 5 मार्च को 10:00 बजे रेखलाल अपने गांव के महेंद्र भुडे और विनोद मेश्राम के साथ मोटरसाइकिल में घर से निकले थे किंतु रात में घर वापस नहीं लौटे। परिवार वालों ने गांव मोहल्ले में खोजबीन किये।किंतु नहीं मिला। 6 मार्च को सुबह 6:30 बजे नाहरवानी और खोड़सिवनी के बीच तिलपेवाड़ा नहर पुलिया के नीचे रेखलाल घायल और बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ था और मोटरसाइकिल भी नहर में ही गिरी हुई थी। खबर मिलते ही रेखलाल का बड़ा भाई जीवनलाल पांचे परिवार और गांव मोहल्ले वालों के साथ मौके पर पहुंचे। उसे समय रेखलाल जीवित था और उसने कुछ पानी भी पिया । 108 एंबुलेंस से घायल रेखलाल को जिला अस्पताल लाये । किन्तु चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिए। रेखलाल की घटना स्थल से जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। संभवत 6 मार्च की रात्रि में मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से रेखलाल मोटरसाइकिल सहित नहर पुलिया के नीचे गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई और इस दुर्घटना के बाद उसके साथी रेखलाल को घायल हालत में छोड़कर फरार हो गए, समय रहते यदि ये दोनों व्यक्ति घटना की जानकारी रेखलाल के परिवार को दे देते तो निश्चित उसे तुरंत अस्पताल लाकर बचाया जा सकता था। गंभीर रूप से घायल रेखलाल नहर पुलिया के नीचे ही पड़ा रहा। जिला अस्पताल पुलिस ने रेखलाल का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है और मर्ग डायरी संबंधित पुलिस थाना हट्टा भिजवा दी है।

मोटरसाइकिल नहर पुलिया के पिल्लर से टकराईत्तीन घायल -एक की मौत

बताया गया भरवेली थानांतर्गत ग्राम रट्टा निवासी संतलाल उइके मजबूरी करता था जिसके परिवार में उइके एक बेटा और एक बेटी है। संतलाल उइके अपने परिवार के साथ हैदराबाद मजदूरी करने जाता था और पिछले माह ही वह परिवार के साथ हैदराबाद मजदूरी करने गया था और होली त्यौहार के 2 दिन पहले ही संतलाल उइके अपने परिवार के साथ घर ग्राम रट्टा आया था। संतलाल उइके के गांव में ही दूसरे मोहल्ले में रिश्तेदार पंचलाल पन्द्रे रहता। है ।5 मार्च की शाम संतलालउइके अपने रिश्तेदार पंचलाल पन्द्रे के घर खाना खाने गया था। रात 10:30 बजे करीब पंचलाल पन्द्रे अपने गांव के अवधेश चौधरी के साथ संतलाल उइके को मोटरसाइकिल से उसके घर छोड़ने के लिए जा रहे थे ।तभी स्कूलटोला और आलीटोला बीच पुलिया के पिल्लर से मोटरसाइकिल टकरा गई जिससे तीनों व्यक्ति मोटरसाइकिल सहित पुलिया के नीचे गिर गए और वे गंभीर रूप से घायल हो गए । मोटरसाइकिल के पिल्लर से टकराने की आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग दौड़े और पुलिया के नीचे देखें, जहां संतलाल उइके अवधेश चौधरी और पंचलाल पन्द्रे तीनों गंभीर रूप से घायल थे तीनों को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया। जिनमे संतलाल उइके को मृत घोषित कर दिया गया। संतलाल उइके की घटना स्थल से जिला अस्पताल लड़ते समय ही रास्ते में मौत हो चुकी थी। अन्य दो घायल पंचलाल पन्द्रे और अवधेश चौधरी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है और उनका इलाज किया जा रहा है।6 मार्च को जिला अस्पताल पुलिस ने संतलाल उइके का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना भरवेली भिजवा दी है।

लालबर्रा थाने के ग्राम बकोड़ा नहर के पास हुई घटना

नहर ठेकेदार द्वारा सही मजदूरी नहीं देने के मानसिक तनाव में मजदूर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

टीकमगढ़ जिले का निवासी है मृतक मजदूर हनुमत सिंह लोधी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नहर में काम करने आए एक मजदूर ने ठेकेदार द्वारा सही मजदूरी नहीं देने पर मानसिक तनाव में आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 6 मार्च को दोपहर में यह घटना लालबर्रा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बकोड़ा नहर के पास में हुई। मृतक हनुमत सिंह पिता स्व. रघुनाथ लोधी 38 वर्ष ग्राम बाबा खेरा थाना बलदेवगढ़ जिला टीकमगढ़ निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस मजदूर का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

धनसुआ (भरवेली) नहर में काम करने परिवार के साथ आया था हनुमतसिंह

प्राप्त जानकारी के अनुसार हनुमतसिंह लोधीअपने परिवार के साथ मजदूरी करता था। जिसके परिवार में पत्नी मनीषा और एक 3 वर्ष की बेटी के अलावा छोटा भाई अमर सिंह लोधी और भाई बहू शिवानी है। 2 जनवरी को ही हनुमतसिंह अपनी पत्नी मनीषा लोधी, छोटे भाई अमर सिंह लोधी और बहू शिवानी लोधी के साथ ग्राम धनसुआ(भरवेली) में नहर में काम करने आए थे।

धनसुआ से ग्राम बकोड़ा (लालबर्रा) नहर में कर रहे थे काम

धनसुआ नहर में काम करने के बाद 27 फरवरी को लालबर्रा क्षेत्र में आने वाले ग्राम बकोड़ा नहर में काम करने आए और बकोड़ा नहर किनारे ही तंबू लगाकर निवास कर रहे थे। इन लोगों को ठेकेदार दिलीप सिंह ने काम करने के लिए लाया था। जिन्होंने 28 फरवरी से 5 मार्च तक सिंचाई विभाग के नहर में मजदूरी से काम किये। यह परिवार ठेकेदार दिलीप सिंह के अंडर में रहकर नहर में मजदूरी से काम कर रहा था। हनुमतसिंह कभी-कभी शराब पीते थे। होली के दिन भी शराब पिए थे।

5 मार्च की शाम रोजी को लेकर ठेकेदार से हुआ था विवाद

5 मार्च की शाम हनुमतसिंह ने ठेकेदार दिलीप सिंह से मजदूरी के हिसाब के संबंध में पूछा की हम जो काम कर रहे हैं वह कितनी मजदूरी से काम कर रहे हैं। ठेकेदार दिलीप सिंह ने रोजी नहीं बताई और उसने हनुमतसिंह और उनकी पत्नी मनीष लोधी की मजदूरी का हिसाब करके डेढ़ माह में खर्च काटने के बाद 10,600 हनुमत सिंह को दिए थे। सही मजदूरी नहीं देने पर हनुमतसिंह एवं ठेकेदार दिलीप सिंह के बीच विवाद लामाझुमी हुई थी।

सही मजदूरी नहीं देने पर मानसिक तनाव में था हनुमत सिंह

ठेकेदार द्वारा सही मजदूरी नहीं देने पर हनुमान जी मानसिक तनाव में था और वह रात्रि में परिवार के साथ खाना खाये बिना ही सो गए थे। 6 मार्च को सुबह हनुमत सिंह का भाई अमर सिंह अपनी पत्नी शिवानी के साथ काम करने चले गए थे। 9 बजे हनुमत सिंह की पत्नी मनीषा ने खाना बनाई और पति हनुमत सिंह को बोली की खाना बन गया है। खाना खाकर टीकमगढ़ अपने घर जाना है। हनुमंत सिंह उस समय कहीं से शराब पीकर आया था और उसने पत्नी मनीषा को ठेकेदार दिलीप सिंह के साथ रात्रि में हुए विवाद के संबंध में बोला और वहा से चला गया था।

मानसिक तनाव में महुआ के पेड़ में लगाई फांसी

तंबू से कुछ दूरी पर मनीषा को हनुमत सिंह महुआ के पेड़ में फांसी पर लटका दिखा। हनुमतसिंह को पेड़ में फांसी पर लटके हुई देख मनीषा तुरंत पहुंची और हनुमत सिंह के गले से रस्सी छोड़ी उसके बाद मनीषा टेंट में आकर रोने लगी थी। तब टेंट में रहने वाले अन्य मजदूरों ने मनीषा से पूछे तब उसने बताई की पति हनुमतसिंह ने महुआ के पेड़ में फांसी लगा ली है। खबर मिलते ही हनुमत सिंह का छोटा भाई अमरसिंह ठेकेदार दिलीपसिंह और अन्य मजदूर काम छोड़कर पहुंचे।

जिला अस्पताल में हनुमतसिह को मृत घोषित किये- जिला अस्पताल में हुआ पोस्टमार्टम

अमरसिंह ने हनुमतसिंह को प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाये। जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिए। ठेकेदार के द्वारा सही मजदूरी नहीं देने के मानसिक तनाव में आकर हनुमत सिंह द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या की जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले आरक्षक विक्रम शर्मा ने हनुमत सिंह का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। और मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना लालबर्रा भिजवा दी है। इस मामले की आगे जांच लालबर्रा पुलिस द्वारा की जाएगी।

अवैध रूप से मरीज भर्ती कर उपचार करने पर शिवशक्ति दवाखाना लालबर्रा की संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने लालबर्रा में अवैध रूप से रोगियों को भर्ती कर उपचार करने के मामले में शिवशक्ति दवाखाना की संचालक डॉ. उमा बिसेन को कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न उनके क्लीनिक को बंद कर दिया जाए और उनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाए। डॉ. उमा बिसेन को 07 दिनों के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गए है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देश पर 27 फरवरी 2026 को जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. रित्विक पटेल द्वारा अपराह्न 3:45 बजे बालाघाट रोड लालबर्रा स्थित शिवशक्ति दवाखाना का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान क्लीनिक में संजय बिसेन उपस्थित पाए गए, जिन्होंने अपनी योग्यता बी.ई.एम.एस. (इलेक्ट्रोहोम्योपैथी) बताई। निरीक्षण के समय भवन का किराया अनुबंध पत्र प्रस्तुत नहीं किया जा सका। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि डॉ. उमा बिसेन द्वारा श्रीमती एस.एम.देव होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज बालाघाट से माह जून 2018 में बी.एच.एम.एस. योग्यता प्राप्त कर रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर से दिनांक 06 फरवरी 2021 को उपाधि प्राप्त की गई है, उक्त बी.एच.एम.एस. योग्यता का राज्य होम्यापैथी परिषद मध्यप्रदेश भोपाल में पंजीयन क्रमांक 25691 दिनांक 13 अक्टूबर 2020 है, जिसकी वैद्यता अवधि दिनांक 22 दिसम्बर 2030 तक है।

जांच के दौरान यह भी पाया गया कि दवाखाना के प्रथम कक्ष में रोगी पंजीयन कक्ष, द्वितीय कक्ष में चिकित्सकीय परामर्श कक्ष तथा तृतीय कक्ष में तीन बिस्तर लगे हुए थे। हालांकि निरीक्षण के समय कोई भी रोगी भर्ती नहीं पाया गया और क्लीनिक में एलोपैथिक दवाइयां भी नहीं मिलीं। साथ ही क्लीनिक परिसर में किसी भी चिकित्सक की शैक्षणिक योग्यता या पंजीयन प्रमाण पत्र प्रदर्शित नहीं पाए गए। जांच दल को दवाखाना में रोगियों के उपचार या भर्ती के लिए किसी प्रकार की वैधानिक अनुमति भी उपलब्ध नहीं कराई गई। नियमों के विरुद्ध क्लीनिक संचालन पाए जाने पर उपस्थित व्यक्ति द्वारा दवाखाना को फिलहाल बंद कर विधिवत अनुमति प्राप्त करने के बाद ही पुनः संचालन शुरू करने का आश्वासन दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग ने इन तथ्यों के आधार पर दवाखाना संचालक डॉ. उमा बिसेन को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए सात दिवस के भीतर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपना लिखित प्रतिवाद प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं होने पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है।

यूजीसी कानून लागू करे सरकार,ओबीसी वर्ग की हो जनगणना

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा और भारत मुक्ति मोर्चा ने शुरू किया राष्ट्व्यापी चरणबद्ध आंदोलन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ओबीसी की जाति आधारित जनगणना कराने, एससी, एसटी एवं ओबीसी के समर्थन में सख्त यूजीसी कानून लागु करने और 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा से मुक्त करने सहित अपनी अन्य मांगों को लेकर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा और भारत मुक्ति मोर्चा द्वारा राष्ट्व्यापी चरणबद्ध आंदोलन की शुरूआत की गई है। जिसके प्रथम चरण में शुक्रवार 6 मार्च को दोनो ही संगठन से जुड़े पदाधिकारियो ने कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुचकर सँयुक्त रूप से एक ज्ञापन सौंपा है। जिंसमे उन्होंने उक्त सभी मांगो को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की गुहार लगाई है ।जिन्होंने मार्च माह में सम्पन्न होने वाले आंदोलन के 3 चरणो के बाद भी मांग पूरी ना होंने पर चौथे चरण के तहत 23 अप्रैल को भारत बंद आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

23 अप्रैल को करेंगे भारत बंद आंदोलन- ठवकर

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान प्रदेश महासचिव रामदास ठवकर ने बताया कि संगठनो ने संयुक्त रूप से 6 मार्च से अपनी मांगो के समर्थन में राष्ट्रव्यापी आंदोलन का शंखनाद किया है। देश की भाजपा सरकार जनगणना में जाति आधारित जनगणना नहीं कर रही है, जिसमें ओबीसी की जाति आधारित जनगणना ना कराकर, भाजपा सरकार, ओबीसी के साथ धोखाधड़ी कर रही है। उन्होंने बताया कि जनगणना के कॉलम में ओबीसी जाति आधारित जनगणना का कालम नहीं है, जिससे देश में ओबीसी की संख्या कितनी है, यह पता नहीं चल पाएगा। जबकि सरकार को चाहिए कि वह ओबीसी की जाति आधारित जनगणना कराए, ताकि देश में निवासरत ओबीसी की वास्तविक संख्या, जनगणना से साफ हो सके। उन्होंने बताया इसके अलावा संगठनो की मांग है कि एससी, एसटी और ओबीसी के समर्थन में सरकार यूजीसी बिल लागु करें और 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षको को शिक्षक पात्रता परीक्षा से मुक्त किया जाए। उन्होंने बताया कि चरणबद्ध आंदोलन के तहत आज 6 मार्च को देश के सभी जिला मुख्यालयो में अपनी मांगो को लेकर संगठन कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंपा है। जिसके बाद 13 मार्च को मुख्यालयो में धरना प्रदर्शन किया जाएगा, 23 मार्च को रैली आंदोलन किया जाएगा।उसपर भी यदि मांग पूरी नही कि जाति तो 23 अप्रैल को भारत बंद आंदोलन किया जाएगा।

अमर शहीद आशीष शर्मा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ, पुलिस लाइन में अमर जवान को दी श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट पुलिस द्वारा पुलिस लाइन मैदान में आयोजित अमर शहीद आशीष शर्मा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पुलिस लाइन स्थित अमर शहीद स्मारक पर शहीद जवान आशीष शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक बालाघाट जोन ललित शाक्यवार, कलेक्टर मृणाल मीना तथा पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने अमर जवान स्मारक पर पुष्प अर्पित कर शहीद के अदम्य साहस और बलिदान को नमन किया। पुलिस महानिरीक्षक ललित शाक्यवार के मार्गदर्शन में आयोजित इस टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में प्रशासन, पुलिस और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने शहीद आशीष शर्मा के साहस और बलिदान को याद करते हुए कहा कि उनकी स्मृति में आयोजित यह टूर्नामेंट युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देने का माध्यम बनेगा। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला व्यापारी इलेवन और आईजी इलेवन के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में व्यापारी इलेवन ने आईजी इलेवन को 3 रन से हराकर जीत हासिल की। पहले बल्लेबाजी करते हुए व्यापारी इलेवन ने 20 ओवर में 163 रन बनाए। जवाब में आईजी इलेवन की टीम 160 रन ही बना सकी। 17 मार्च तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में बैहर, लांजी और परसवाड़ा क्षेत्र के आदिवासी अंचलों की टीमों के साथ-साथ प्रशासन, पुलिस, हॉक फोर्स, अधिवक्ता, डॉक्टर, मंडला जिले और व्यापारी वर्ग सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। टूर्नामेंट को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

एक तरफा प्रेम - छात्रा ने किया कीटनाशक का सेवन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा क्षेत्र के एक गाँव मे एक स्कूली छात्रा ने कथित रूप से एकतरफा प्रेम के चलते जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। छात्रा की तबीयत बिगड़ने पर उसे पहले लालबर्रा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती किया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु जिला अस्पताल रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार छात्रा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 11वीं आर्ट्स की छात्रा है। बताया जा रहा है कि वह अपने ही कक्षा के एक छात्र से एकतरफा भावनात्मक लगाव रखती थी। 6 मार्च को विद्यालय में प्रैक्टिकल परीक्षा समाप्त होने के बाद दोपहर लगभग 2 बजे छात्रा ने अपने साथ लाई डिब्बी में रखा कोई जहरीला पदार्थ का सेवन कर ली ।कुछ ही देर बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी और उसके मुंह से झाग निकलने लगा। यह देखकर उसकी सहेलियां घबरा गईं और उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी एक छात्र को दी। इसके बाद छात्र ने तत्काल मोटरसाइकिल से छात्रा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा पहुंचाया। वहा डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया ।लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उसे जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया। घटना के बाद विद्यालय और आसपास के क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। वहीं मामले की जानकारी मिलने के बाद परिजनों में भी चिंता का माहौल बना हुआ है।

नहर की बदहाली से किसान बेहाल: झाड़ियों और क्षतिग्रस्त होने से खेतों तक नहीं पहुंच रहा पानी

किसानों ने अमोली से आमाटोला ददिया माइनर नहर का सीमेन्टीकरण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत अमोली से होकर गुजरी वैनगंगा बड़ी नहर की अमोली से आमाटोला ददिया माइनर नहर के आसपास बड़ी बड़ी झाड़ियां उग गई है। जिससे किसानों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और इन झाड़ियों के चलते किसानों के खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है और जंगली जानवरों का भी डर बना हुआ है परंतु जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिससे किसानों में शासन प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। आपकों बता दें कि वैनगंगा बड़ी नहर से निकली अमोली से आमाटोला-ददिया माइनर नहर सिंचाई विभाग की अनदेखी के चलते अपनी दुर्दशा पर आंसु बहा रहा है और इस दुर्दशा के चलते ही किसान के खेतों तक पानी नही पहुंच पा रहा है। साथ ही नहर में उगी घनी झाड़ियों और जगह-जगह हुई टूट-फूट (क्षतिग्रस्त होने) ने पानी का रास्ता रोक दिया है, जिससे अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंच पाने के कारण नहर की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि इसके किनारे बने रास्ते अब चलने लायक भी नहीं रहे। पूर्व में जहां किसान इन रास्तों से बैलगाड़ी लेकर आसानी से अपने खेतों तक पहुंच जाते थे, आज वहां पैदल चलना भी दूभर हो गया है। झाड़ियों के कारण न केवल रास्ता अवरूध्द है, बल्कि जंगली जानवरों का खतरा भी बढ़ गया है। किसानों ने बताया कि रबी व खरीफ की फसल के समय पानी की बेहद आवश्यकता होती है और बिना पानी के फसल का उत्पादन संभव नहीं है। जबकि यह कृषि पूरी तरह से बारिश व नहर के पानी पर ही निर्भर है, यदि बारिश नहीं हुई तो किसानों को नहर के पानी से अपनी फसल पकाना पड़ता है परंतु विगत कई वर्षो से नहर की दुर्दशा व बदहाली के कारण किसानों के खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। साथ ही इस संबंध में शासन-प्रशासन से कई बार शिकायत करने के बाद भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिससे किसानो में शासन प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है। किसानों ने शासन प्रशासन से नहर की तत्काल साफ-सफाई करवाने, क्षतिग्रस्त नहर का मरम्मत कार्य या फिर सीमेन्टीकरण नहर का जल्द निर्माण करवाने की मांग की है।

बिना पानी के देना पड़ रहा है टैक्स - जितेंद्र

किसान जितेंद्र पंचेश्वर ने बताया कि वैनगंगा बड़ी नहर अमोली-आमाटोला माइनर नहर की पार से पहले हम अपने पिताजी के समय में बैलगाड़ी लेकर खेतों तक जाते थे, लेकिन आज पैदल चलना भी मुश्किल है। नहर में झाड़ियां उग आई हैं और दो साल पहले जेसीबी से हुई बेतरतीब खुदाई के कारण बड़े-बड़े गड्डे हो गए हैं। इन गड्डों व घनी झाड़ियों में अब जंगली जानवर रहने लगे हैं, जिससे खेतों में जाने में डर लगता है और पूर्व में वन्यप्राणियों को इस क्षेत्र में देखा गया है। श्री पंचेश्वर ने बताया कि नहर की सफाई और मरम्मत न होने के कारण खेतों तक पानी भी नहीं पहुंच रहा है, लेकिन इसके बावजूद किसानों को सिंचाई कर (पानी का पैसा) नियमित रूप से देना पड़ रहा है। इस तरह से किसानों को बिना पानी के ही सिंचाई विभाग को टैक्स देना पड़ रहा है। प्रशासन से मांग है कि माइनर नहर की ओर ध्यान देकर उसका मरम्मत कार्य करवाये। ताकि किसानों को लाभ मिल सके।

सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण करवाये प्रशासन - दिनेश

किसान कांग्रेस कमेटी ब्लाक उपाध्यक्ष दिनेश मरार ने बताया कि ढूटीबांध से निकली वैनगंगा बड़ी नहर की अमोली से आमाटोला ददिया माइनर नहर जगह-जगह से टूट-फुट हो चुकी है एवं नहर के अंदर एवं पार के दोनों साईड में लंबी-लंबी झाड़िया उग चुकी है। जिसके कारण किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंचने से उनकी फसल खराब हो जाती है। साथ ही झाड़ियों के कारण वन्यप्राणियों के छुपे रहने का भी डर बना हुआ है। श्री मरार ने बताया कि लंबे समय से इस माइनर नहर का सीमेन्टीकरण करवाने की मांग शासन-प्रशासन से कर रहे है, लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है। जबकि बारिश नही होने पर नहर के पानी से ही फसल में सिंचाई कर उत्पादन ले सकते है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि अमोली से आमाटोला-ददिया माइनर नहर के अंदर एवं पारों में उगी झाडियों की सफाई कर सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण करवाये ताकि खेतों तक आसानी से वैनगंगा बड़ी नहर का पानी पहुंच सके।

महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के परिपालन में नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में शुक्रवार को विद्यार्थियों एवं स्टाफ हेतु मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम

का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एस.के. खण्डायत ने कहा की मानसिक स्वास्थ्य के लिए सामर्थ अनुसार कार्य करना आवश्यक है ताकि विद्यार्थियों मे तनाव न बना रहे। नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे ने कहा कि विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं अन्य कर्मचारियों को बेहतर जीवन शैली अपनाकर कार्य स्थल में सामंजस स्थापित कर तनाव से दूर रह सकते तथा सकारात्मक सोच एवं धैर्य के साथ जीवन जी कर शांति का अनुभव कर सकते है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उदेश्यो को रेखाकिंत करते हुए कहा कि शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए सदैव अच्छे कार्य करते रहना चाहिए एवं सद्भाव पूर्ण व्यवहार से बेहतर महसूस करते है। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामांक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ प्रभारी नरेश सौलखे के द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. आशिष बागडे, श्रीमती आशा कारे, श्रीमती अनिभा शरणागत, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, यादोराव राजुरकर, व्यकंट नगपुरे, पीतम मुरते, लकेश गेडाम, रामदयाल मथारे, श्रीमती वंदना कुर्वे, श्रीमती सरिता एडे, प्रसिक हुमनेकर, सोनम हरिनखेडे, मिनेश पंचेश्वर, निषांत तलवरे एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

बघोली में धूमधाम से मनाई जायेगी माँ कर्मा जयंती 23 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बघोली में तेली (साहू) समाज के द्वारा आगामी 23 मार्च को साहू समाज की कुलदेवी और भगवान श्री कृष्ण की अनन्य भक्त शिरोमणि माँ कर्मा देवी की जयंती व वार्षिक उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया जायेगा। कार्यक्रम को लेकर ग्राम बघोली सहित संपूर्ण लालबर्रा क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। चर्चा में तेली (साहू) समाज बघोली के सचिव खेमलाल साहू ने बताया कि कार्यक्रम की सफलता के लिए माँ कर्मा मंदिर परिसर में विशेष बैठक आयोजित कर संपूर्ण तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंदिर समिति और समाज के पदाधिकारियों द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर जिम्मेदारियां भी सौंपी गई हैं। श्री साहू ने बताया कि 23 मार्च को कार्यक्रम का शुभारंभ माँ कर्मा एवं भगवान श्री कृष्ण के पूजन-अर्चन के साथ किया जायेगा, जिसमें दोपहर 12 बजे माँ कर्मा के गीतों और डी.जे. की धुन पर भव्य कलश यात्रा निकाली जायेगी। जिसके बाद दोपहर 3 बजे माँ कर्मा देवी की विशेष आरती संपन्न होने के बाद मंचीय कार्यक्रम प्रारंभ होगा एवं रात 8 बजे से भव्य देवी जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें जिला सिवनी के गायक कलाकार उषा एवं निशा साहू (बरघाट वाले) द्वारा माँ कर्मा के जीवन पर आधारित भजनों की प्रस्तुति दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील तेली (साहू) समाज बघोली अध्यक्ष पन्नालाल समरीत, कोषाध्यक्ष गणपत साठोने, सचिव खेमलाल साहू, मंदिर निर्माण समिति अध्यक्ष मनोज समरीत, सचिव ताराचंद पटले, कोषाध्यक्ष शिवराम साहू, आयोजन समिति अध्यक्ष भूपेंद्र सुलाखे, सचिव दीपेंद्र साहू, कोषाध्यक्ष बालकिशन साठोने, , मूलचंद लांजेवार, सुयोगा जी तुलसीकर, तेजराम पटले, डिलेश समरीत, भिवराम समरीत, मुकेश समरीत, रमेश समरीत, शिवलाल लांझेवार, सूबेलाल लांझेवार, रूपलाल लांझेवार, पुन्नीलाल मेहरकर, देवराम महेरकर (उपसरपंच), अरविंद लांजेवार, रूपचंद अगासे, ओमकार पटले, ताराचंद पटले, प्रेमलाल पटले, हेमराज पटले, पतिराम महेरकर, श्री महेरकर, श्रीराम महेरकर, नेवेन्द्र महेरकर, गीरीशंकर समरीत, बसंत समरीत, भागचंद लांझेवार, चमरूलाल अगासे, पूनाराम महेरकर, दीपचंद अगासे सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है।

पनबिहरी के प्रजापिता ब्र. कु. ईश्वरीय विवि. सेवा केन्द्र में होली मिलन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से समीपस्थ ग्राम पंचायत पनबिहारी स्थित प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेवा केंद्र में गुरूवार की रात में होली मिलन समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस आध्यात्मिक परिवेश में मनाये गये इस उत्सव में आश्रम से जुड़े भाई-बहनों ने बड़े उत्साह के साथ सहभागिता की और होली का पर्व मनाया। इस होली मिलन समारोह कार्यक्रम की शुरूआत ईश्वरीय स्मृति और प्रार्थना के साथ हुई। जिसके पश्चात सेवा केन्द्र की उ'जवला दीदी के पावन मार्गदर्शन में सभी उपस्थित भाई-बहनों ने एक-दूसरे को तिलक स्वरूप गुलाल लगाकर होली पर्व की शुभकामनाएं दी। साथ ही मटकी फोड़ सहित अन्य प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें सभी ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिये। इस होली मिलन के दौरान पूरा परिसर ओम शांति के उद्घोष और सौहार्दपूर्ण वातावरण से सराबोर रहा। इस अवसर पर सेवा केन्द्र की उज्जवला दीदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए होली के वास्तविक आध्यात्मिक अर्थ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि होली का पर्व केवल बाहरी रंगों का मेल नहीं है, बल्कि यह स्वयं को परमात्मा के ज्ञान और प्रेम के रंग में रंगने का प्रतीक है। जिस प्रकार हम पुराने गिले-शिकवे जलाकर होली मनाते हैं। उसी प्रकार हमें अपने अंदर की बुराइयों का त्याग कर जीवन में खुशहाली और पवित्रता का संकल्प लेना चाहिए। वहीं कार्यक्रम के अंत में सभी भाई-बहनों ने सामूहिक रूप से ईश्वर से प्रार्थना की कि सभी का जीवन मानवीय मूल्यों और सुख-शांति के रंगों से रंगीन बना रहे। जिसके बाद प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाई-बहन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कक्षा पांचवीं और आठवीं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य शुरू

मार्च के अंतिम सप्ताह में घोषित होगा वार्षिक परीक्षा का परिणाम, 300 शिक्षक कर रहे मूल्यांकन कार्य

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार प्रदेश में कक्षा पांचवी और कक्षा आठवीं की बोर्ड पैटर्न पर वार्षिक परीक्षा गत 28 फरवरी को संपन्न हो चुकी है। जिसके बाद 6 मार्च से उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ कर दिया गया है और 31 मार्च के पहले यानि मार्च माह के अंतिम सप्ताह में कक्षा पांचवी एवं आठवीं का वार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषित किया जायेगा, जिसकी तैयारी में शिक्षा विभाग जुट चुका है। नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल (उत्कृष्ट विद्यालय) लालबर्रा को कक्षा पांचवीं एवं आठवीं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन केन्द्र बनाया गया है। जहां 6 मार्च से उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ हो चुका है और उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य 300 शिक्षकों के द्वारा किया जा रहा है। जिनके द्वारा 14 मार्च तक मूल्यांकन कार्य पूर्ण कर 31 मार्च के पूर्व वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया जायेगा, जिसकी तैयारी शिक्षा विभाग के द्वारा कर ली गई है। आपकों बता दें कि राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार गत 20 फरवरी से कक्षा पांचवीं एवं आठवीं की वार्षिक परीक्षा शुरू हुई थी और 28 फरवरी को संपन्न हो चुकी है। जिसके बाद उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य किया जा रहा है। वहीं राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के द्वारा 31 मार्च के पूर्व वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित करने के निर्देश शिक्षा विभाग को दिये गये है। लालबर्रा विकासखण्ड में 22 परीक्षा केन्द्रों में गत 28 फरवरी को कक्षा पांचवीं एवं आठवीं की वार्षिक परीक्षा संपन्न हो चुकी है। जिनकी उत्तरपुस्तिका दुसरे विकासखण्ड में मूल्यांकन के लिए भेजी गई है और लालबर्रा विकासखण्ड में अन्य विकासखण्ड की उत्तरपुस्तिका आई है। जिनका मूल्यांकन कार्य लालबर्रा स्थित सांदीपनी स्कूल (उत्कृष्ट विद्यालय) लालबर्रा में किया जा रहा है। यह मूल्यांकन का कार्य पुरी पारदर्शिता एवं सांदीपनी स्कूल प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे, बीआरसी श्रीराम तुरकर की निगरानी में की जा रही है और 8 कमरों में यह कार्य प्रात: 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक किया जा रहा है।

उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन का कार्य प्रारंभ - श्रीराम

दूरभाष पर चर्चा में बीआरसी श्रीराम तुरकर ने बताया कि राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार कक्षा पांचवीं एवं आठवीं की वार्षिक परीक्षा गत 28 फरवरी को संपन्न हुई है और 6 मार्च से उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य करने के निर्देश मिले है। जिसका पालन करते हुए नगर मुख्यालय के सांदीपनी स्कूल (उत्कृष्ट विद्यालय) लालबर्रा को मूल्यांकन का केन्द्र बनाया गया है जहां 6 मार्च से उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य प्रारंभ हो चुका है एवं 14 मार्च तक कापियों की जांच पूरी कर ली जायेगी। श्री तुरकर ने बताया कि दुसरे विकासखण्ड से कक्षा 5 वीं और 8 वीं की लगभग 42 हजार उत्तरपुस्तिका आई है, जिनका मूल्यांकन कार्य 8 कमरों में 300 शिक्षको के द्वारा किया जा रहा है एवं मार्च माह के अंतिम सप्ताह में रा'य शिक्षा केन्द्र भोपाल के द्वारा वार्षिक परिणाम घोषित कर सकता है जिसकी तैयारी प्रारंभ कर दी गई है।

रबी उपज के पंजीयन कराने किसान परेशान तारीख बढ़ाने की मांग

पंजीयन पोर्टल का सर्वर डाउन होने से किसान सोसायटी के लगा रहे चक्कर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्य प्रदेश शासन के द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी समर्थन मूल्य पर रबी की फसल खरीदी की जानी है। जिसके लिए वारासिवनी में वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति को रबी की फसल का पंजीयन केंद्र बनाया गया है। परंतु बीते एक सप्ताह से पोर्टल का सर्वर डाउन होने के चलते किसानों का पंजीयन नहीं हो पा रहा हैं। ऐसे में किसानों को रबी का पंजीयन करने के लिए समिति के चक्कर लगाना पड़ रहा है, जहां पूरा दिन व्यतीत करने के बाद भी उन्हें निराशा ही प्राप्त हो रही है। जबकि ७ मार्च को पंजीयन की अंतिम तारीख है किसानो में समर्थन मूल्य में अपनी उपज देने से वंचित होने का डर बना हुआ है। विदित हो कि रबी के पंजीयन के लिए वारासिवनी जनपद क्षेत्र में इकलौता केंद्र वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति को बनाया गया है। जहां पर क्षेत्र के समस्त किसानो का रबी का पंजीयन होना है, वहीं इसी खरीदी केंद्र में उनके द्वारा अपनी उपज देना है। ऐसे में रोजाना सैकड़ो किसान समिति के चक्कर लगा रहे हैं जहां उन्हें निराशा ही मिल रही है। वहीं ७ मार्च को अंतिम पंजीयन दिवस होने से केंद्र में किसानों की भीड़ लग रही हैं। परंतु पंजीयन ना होने से किसानो के द्वारा आक्रोश व्यक्त कर शासन प्रशासन से तारीख बढ़ाने की मांग की जा रही है।

पैदल रैली निकाल किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

वारासिवनी क्षेत्र के किसान वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति पंजीयन करने पहुंच रहे हैं। जहाँ पोर्टल की समस्या को लेकर किसानों के द्वारा पैदल रैली निकालकर अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय पहुंचे। जहां एसडीएम को ज्ञापन देकर रबी पंजीयन की तिथि बढ़ाए जाने और पोर्टल की गति को ठीक करने की मांग की गई। ज्ञापन में किसानों ने बताया कि हम सभी कृषक ग्रामीण क्षेत्र में निवास कर कृषि कार्य करते हैं यह हमारा मुख्य कार्य है। जिससे हम अपने परिवार का लालन पालन करते हैं हम सभी कृषक वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति वारासिवनी में रबी सीजन की फसल गेहूं एवं सरसों का पंजीयन करने के लिए आए हुए थे। वर्तमान में यहां पर कर्मचारियों के द्वारा बताया जा रहा है कि पंजीयन का सर्वर ही डाउन हो गया है इसलिए पंजीयन नहीं हो पाएगा। पंजीयन की अंतिम तिथि ७ मार्च रखी गई है जबकि बड़ी संख्या में किसान आये हुए हैं। हमारी मांग है कि किसानो की समस्या का यथाशीघ्र समाधान किया जाए ताकि कृषकों को उनकी फसल का सही दाम मिल सके। इस अवसर पर ओमकार पटले, नरेंद्र सुलकिया, मिनेंद्र सुलकिया, दिलीप कुमार आहके, खूबचंद आहके, लेखनलाल बिसेन, विनय कुमार पटले, दिनेश पटले, प्रभुलाल पटले, यशवंत पंचेश्वर, ताराचंद बिसेन, रूपेंद्र अटरे, सहसराम गौतम, पूरनलाल चौधरी, भूपेंद्र पटले, सालिकराम चाकोले, डोलेंद्र बिसेन, नेतलाल पारधी, श्रीमती गोदावरी मदनलाल डाहके, चिंतामणि डाहके, जितेंद्र पटले, ऋषभ पटले सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

औने पौने दाम में बिचौलियों को देना पड़ेगा उपज- ओमकार पटले

किसान ओमकार पटले ने बताया कि मैं कृषक हूँ गेहूं, सरसों का पंजीयन करवाने आया हूं अंतिम तारीख ७ मार्च है सर्वर नहीं चल रहा है। सुबह से आकर बैठा हूं दो दिन पहले भी मैं आया था पूरे १ दिन में एक पंजीयन बड़ी मुश्किल से हो रहा है वरना वह भी नहीं होता है। हम सैकड़ो किसान है पोर्टल का सर्वर डाउन है एक भी पंजीयन नहीं हुआ है। तीन दिन हो गए हम चक्कर लगा रहे हैं ऐसा रहा तो सैकड़ो किस छूट जायेंगे। अभी यहां एक एक किसान पांच पांच पावती और आधार कार्ड लेकर पंजीयन करने आया है। यदि हमारा पंजीयन नहीं हुआ तो औने. पौने दाम में बिचौलियों को बेचना पड़ेगा। हम चाहते हैं कि सर्वर चालू हो पंजीयन सभी का हो किसानों को समर्थन मूल्य का लाभ मिले।

पूरे जनपद में एक केंद्र बनाया गया है ४० कि.मी.तक से लोग आ रहे है-नरेंद्र सुलकिया

किसान नरेंद्र सुलकिया ने बताया कि चार दिन से मैं समिति का चक्कर लगा रहा हूं सर्वर डाउन समस्या है। कल रात ९ बजे तक मैं बैठा फिर आज सुबह से आया हूं स्थिति वही है। किसी का पंजीयन नहीं हुआ किसान अभी बहुत परेशान है मेरा ८ एकड़ में गेहूं लगा है। इकलौता जनपद क्षेत्र का यह केंद्र बनाया गया है जहां पंजीयन हो रहा है कोई ऑनलाइन केंद्र या हमारी सोसाइटी को पंजीयन के लिए केंद्र नहीं बनाया गया है। जिससे यह अव्यवस्था हो रही है हमारी इस समस्या का समाधान होना चाहिए। ४० किलोमीटर दूर से लोग पंजीयन करने आ रहे हैं वह समिति के चक्कर लगाकर वापस चले जा रहे हैं। लालबर्रा तक के के लोग आ रहे हैं पर सर्वर ही नहीं चल रहा है।

एक सप्ताह से सर्वर डाउन है किसान आकार बैठते हैं फिर चले जाते हैं- उमाशंकर मिश्रा

किसान उमाशंकर मिश्रा ने बताया कि मैं और मेरे जैसे कई किसान ५ दिनों से पंजीयन करने आ रहे हैं। यह पंजीयन नहीं हुआ तो बिचौलियों को उनके दामों पर देना पड़ेगा हमारी यह मजबूरी है। कुछ किसानों का पहले पंजीयन हुआ है परंतु एक सप्ताह से यह सर्वर डाउन है रोज किसान आकार शाम तक बैठते हैं और फिर चले जाते हैं। सेंटर इन्होंने एक जगह बनाया है इसके अलावा कहीं कोई व्यवस्था नहीं है केवल वृताकार सोसाइटी में है, अब पूरी तहसील का पंजीयन एक केंद्र में कहां तक संभव है। हम सभी बहुत ज्यादा मजबूर है सरकार कहती है कि किसानों को हम यह सुविधा दे रहे हैं वह सुविधा दे रहे हैं परंतु वास्तविकता यह है कि किसान गिरते.पढ़ते सोसाइटी आ रहे हैं और उनका काम भी नहीं हो रहा है। इसके लिए जिला प्रशासन जिम्मेदार है जिनके द्वारा व्यवस्था बनाई जानी थी।

एसएसपी महाविद्यालय में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय एसएसपी महाविद्यालय में मार्च माह की गतिविधि के अंतर्गत ६ मार्च को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस का आयोजन महाविद्यालय के इंदिरा सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर महााविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. हेमन्त कुमार मण्डाले, सायबर सेल बालाघाट से मुख्य वक्ता श्रीमती मेघा तीवारी, शिखा मिसारे उपस्थित रहे। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में साइबर सुरक्षा विषय पर विषय विषेषज्ञ व्याख्या, साइबर सुरक्षा जागरूकता पर केन्द्रित विडियों का प्रदर्शन साथ ही पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साइबर सेल बालाघाट से श्रीमती मेघा तिवारी के द्वारा साइबर जागरूकता विषय पर चर्चा की। साथ ही डिजिटल अरेस्ट विषय पर जागरूक किया गया। शिखा मिसार के द्वारा सोशल मिडिया के प्रति जागरूकता और सुरक्षा विषय पर चर्चा की, साथ ही साइबर फॉड से बचने के लिए स्टेप वेरिफिकेशन पर छात्राओं से संवाद की। प्राध्यापक डॉ. हेमन्त कुमार मण्डाले के द्वारा सामाजिक जागरूकता विषय पर चर्चा की गई। इस अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता संचालन रासेयो अधिकारी कृष्णा पराते के द्वारा किया। कार्यक्रम के अंत में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ प्रभारी के द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा बड़ाने के लिए लोगो को जोड़ना, शिक्षित करना एवं सशक्त बनाने एवं दुर्घटनाओं को रोककर राष्ट्र को सशक्त बनाने की बात की और कार्यक्रम में उपस्थित विषय विषेषज्ञों, प्राध्यापकों एवं समस्त कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन नरेन्द्र कुमार डोंगरे के द्वारा किया गया।

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रथम नियुक्ति से वरिष्ठता गिनकर लाभ देने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय में ६ मार्च को अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा के तत्वाधान में शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा एकत्रित होकर एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल को प्रदेश के मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन के नाम का ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में अध्यापक शिक्षक सयुंक्त मोर्चे के द्वारा राज्य शिक्षा सेवा में नियुक्त हुये नवीन शैक्षणिक संवर्ग के शिक्षकों के समस्त स्वत्वों ग्रेच्युटी, अर्जित अवकाश, पेन्शन आदि के लिये सेवा अवधि की गणना उनकी प्रथम नियुक्ति दिनाँक से की जाने, नवीन शिक्षक संवर्ग को हड़ताल अवधि का कटा हुआ वेतन अतिशीघ्र दिया जाने, शिक्षक एवं नवीन शिक्षक संवर्ग को वरिष्ठता अनुसार पदोन्नती का लाभ दिया जाने। नवीन शिक्षक संवर्ग को नई पेन्शन योजना के स्थान पर पुरानी पेन्शन योजना का लाभ दिया जाने की मांगों का अतिशीघ्र निराकरण करने मांग की गई है।

सरकार ने २०१८ में नया केडर लाकर वरिष्ठता शून्य की- रोशनलाल नगपुरे

शिक्षक रोशनलाल नगपुरे ने बताया कि आज मध्य प्रदेश में आम अध्यापक का गुस्सा फूट रहा है। सन १९९५ से २०१८ तक नियुक्ति हुई अभी यह चालू है परंतु सरकार ने हमें संवर्ग में बाट कर बहुत परेशान किया है। कई प्रकार के संवर्ग बनाएं उसके बाद २०१८ में एक नया केड़र लाकर सभी की वरिष्ठता को शून्य कर दिया। जबकि वर्ष १९९८ से २००४ तक शिक्षा विभाग में लोग लगे और सरकार ने २००४ में पेंशन बंद कर दी। वह पेंशन हमें लागू होती क्योंकि हम पहले के शिक्षक है, अब पेंशन हम लोगों को देना ना पड़े इसलिए यह वरिष्ठता समाप्त की गई है। सभी की २०१८ में नियुक्ति मान रहे हैं हम किसी संगठन में नहीं रहेंगे बल्कि सभी संगठन मिलकर एक होकर आंदोलन करेंगे। पूरे मध्य प्रदेश में यह होगा खैरलाँजी से यह प्रारंभ हुआ है संगठन का गठन भी जगह.जगह हो रहा है। हमने एसडीएम को ज्ञापन दिया है इसके बाद हर विकासखंड में यह ज्ञापन देंगे प्रादेशिक संगठन हम बना रहे हैं। हमारी केवल एक ही मांग है कि प्रथम नियुक्ति दिनांक से शिक्षक शिक्षिकाओं की वरिष्ठता मानी जाए अन्यथा संगठन के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किया जाएगा।

नगर में रामनवमी का उत्सव मनाने बैठक आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में आगामी समय में रामनवमी के पावन पर्व पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे है। इस अवसर पर श्री रामलला सेवा समिति के द्वारा श्री राम मंदिर प्रांगण में बैठक आयोजित की गई। बैठक में रामनवमी की पूर्व संध्या पर होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने नगर वासियों को भक्तिमय उत्सव से जड़ने का संकल्प लिया। समिति अध्यक्ष संजय रूसिया ने बताया कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में इस वर्ष २५ मार्च २२०२६ की शाम को श्री राम मंदिर प्रांगण में एक विशेष आध्यात्मिक संध्या का आयोजन किया जा रहा है। हमारा सौभाग्य है कि राजनांदगांव के सुप्रसिद्ध भजन गायक गणेश मिश्रा अपनी मधुर वाणी से प्रभु के भजनों की प्रस्तुति देंगे। भजनों के साथ.साथ संगीतमय सुंदरकांड का पाठ मुख्य आकर्षण होगा, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि समिति का उद्देश्य इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को प्रभु की भक्ति से जोड़ना है। समिति के उपाध्यक्ष डॉ.रवींद्र ताथौड़ ने समस्त नगरवासियों और धर्मप्रेमियों से अपील की है कि वे इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित होकर प्रभु श्री राम की भक्ति का आनंद लें और पुण्य लाभ अर्जित करें। इस अवसर पर अभिषेक अग्रवाल, राकेश सोनी, प्रदीप श्रीवास्तव, विनय नागेंद्र, बलराम पारधी, विजय पटले, रतन अग्रवाल, श्याम बोकडे, दिलीप शर्मा, मनीषा जायसवाल उपस्थित रहे।

वारंटी अमन ठकरेले गिरफ्तार न्यायालय ने भेजा जेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस के द्वारा ६ मार्च को वारंटी अमन ठकरेले को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जिसे न्यायालय ने जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष २०२१ में वारासिवनी थाना क्षेत्र में चोरी की वारदात हुई थी। जिसमें पुलिस

के द्वारा चोरी की घटना का पर्दाफाश करते हुए अमन पिता किशोर ठकरेले २४ वर्ष वार्ड नं. ६ के खिलाफ भादवि की धारा ४५७,३८०,३४ अपराध क्रमांक २३०/२१ के तहत अपराध दर्ज था। इस मामले में न्यायाधीश न्यायिक मजिस्ट्रेट देवांश यादव की अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। जिसमें वारासिवनी पुलिस के द्वारा अमन ठकरेले को गिरफ्तार कर ६ मार्च को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया।

नपा परिषद ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाई होली मिलन

ढोल,डीजे और पानी की बौछारो के बीच मनाई होली की खुशियां

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नपा परिषद वारासिवनी में भी इस साल परंपरा के अनुसार रंगो का उत्सव सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली मनाई गई। नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे के नेतृत्व में पार्षदो, अधिकारीगणो व स्टाफ ने रंगो के माध्यम से होली खेलकर इसे विकासात्मक होली की संज्ञा देकर नगर में हुये बडे बडे विकासकार्यो की संकेत किया। ढोल नगाडा, डीजे और पानी की बौछारो के बीच खेली गयी होली के बीच नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने नगरवासीयो को होली की शुभकामनायें प्रेषित की। रंग और उमंग से भरा यह त्यौहार सबके लिये खुशियों की बहार लेकर आये। हर किसी के जीवन में सुख समृध्दि और सफलता के रंगो की बौछार होती रहे। इस दौरान संदीप मिश्रा, मोनू लिमजे, मनोज दांदरे ने रंग, उमंग और सामाजिक समरसता के पावन पर्व होली की सभी नगरवासीयो को बधाई प्रेषित करते हुये कहा की प्रभू श्रीराम से प्रार्थना है की यह पावन रंगोत्सव आप सभी के जीवन में सुख, समृध्दि एवं नयी उर्जा का संचार करें। इस अवसर पर श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, मदन धार्मिक, रीतू खरे, ललिता ठाकरे, धर्मू जोशी, प्रवीण डोंगरे, संदीप मिश्रा, मोनू लिमजे, दीपा रूसिया, आशूतोष कोहाड, प्रवीण रूसिया, समीर बिसेन, आलोक खरे, मुख्य अधिकारी सूर्यप्रकाश उके, सुमीत मोटवानी उपस्थित रहे।

धधक रहा पश्चिम एशिया

ईरान के खिलाफ बिना उकसावे वाले अवैध इजराइली-अमेरिकी युद्ध के शुरू होने के छह दिन बाद, समूचा पश्चिम एशिया अराजकता में डूब गया है। जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई, अन्य नेताओं और कम से कम 160 स्कूली बच्चों को मार कर इस जंग का आगाज किया, तो उन्होंने ईरान के लोगों से इस्लामी गणराज्य को उखाड़ फेंकने और तमाम राजकीय संस्थानों पर कब्जा कर लेने का आह्वान किया। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इजराइल के साथ-साथ फारस की खाड़ी इलाके में स्थित अमेरिकी ठिकानों, परिसंपत्तियों और दूतावासों को निशाना बनाया। उपग्रहों से प्राप्त तस्वीरों पर आधारित विश्लेषण से पता चलता है कि ईरान ने सात अमेरिकी सैन्य ठिकानों के संचार और रडार संरचनाओं पर हमला किया है। लेबनानी आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह भी उत्तरी इजराइल पर रॉकेटों से हमले करके इस जंग में कूद गया। इराक में, ईरान समर्थक मिलिशिया ने इरबिल और अन्य इलाकों में अमेरिकी परिसंपत्तियों पर हमले किए हैं। पेंटागन के मुताबिक, अमेरिका ने इस बात की तस्दीक की है कि कुवैती 卐दोस्ताना गोलीबारी卐 में कम से कम छह सैन्यकर्मी मारे गए और तीन लड़ाकू विमान नष्ट हो गए। बीते 4 मार्च को, अमेरिका ने श्रीलंका के तट पर एक ईरानी युद्धपोत, आईआरआईएस देना को टॉरपीडो से निशाना बनाकर इस जंग को हिंद महासागर तक पसार दिया। इस हमले में कम से कम 83 कर्मी मारे गए। यह युद्धपोत पिछले हफ्ते विशाखापत्तनम के तट पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा (इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू) के वास्ते इस इलाके में मौजूद था। अगर ट्रम्प और उनके सहयोगी बेंजामिन नेतन्याहू ने यह सोचा था कि खामेनेई की हत्या से ईरान की सरकार का पतन हो जाएगा, तो इसके बजाय नतीजे में एक पूर्ण क्षेत्रीय युद्ध छिड़ गया है।

दोनों में से किसी भी पक्ष ने पीछे हटने की इच्छा नहीं दिखाई है। अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने बुधवार को कहा कि यह संघर्ष आठ हफ्ते तक खिंच सकता है। ईरान के सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी ने अमेरिका के साथ बातचीत से इनकार कर दिया है और अमेरिकी मीडिया ने बताया है कि वाशिंगटन ईरान के उत्तर-पश्चिम में नस्लीय कुर्द मिलिशिया को हथियार देने पर विचार कर रहा है ताकि आंतरिक अशांति को भड़काया जा सके। यह एक खतरनाक खेल है। ऐसा लगता है कि ट्रम्प ने बिना किसी निकास रणनीति के ही यह जंग छेड़ दिया है। चूंकि ईरानी राज्य और उसकी संस्थाओं के दरकने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं, लिहाजा अमेरिका ने बड़े पैमाने पर बमबारी और उस मुल्क में गृहयुद्ध को भड़काने की संभावनाओं का सहारा लिया है। अमेरिका ने चंद रोज पहले ईरान को धार्मिक शासन से 卐मुक्त卐 करने का वादा किया था। अगर यह जंग लंबी खिंचती है, तो ट्रम्प को घरेलू मोर्चे पर बढ़ते विरोध का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि उनके धुर दक्षिणपंथी समर्थकों का एक वर्ग पहले ही इसे 卐इजराइल की जंग卐 बता रहा है। जहां तक भारत का सवाल है, तेल और गैस की बढ़ती कीमतें उसकी अर्थव्यवस्था पर बोझ बढ़ाएंगी, जबकि एक व्यापक जंग इस इलाके में रहने वाले लाखों भारतीयों की आर्थिक और शारीरिक सुरक्षा को खतरे में डाल सकती है। नई दिल्ली, जिसने शुरू में एक मित्र देश के नेता खामेनेई की हत्या की निंदा नहीं की थी, को इस जंग के खिलाफ ज्यादा दृढ़ रुख अपनाना चाहिए और संघर्ष को खत्म करने के लिए अन्य शक्तियों के साथ मिलकर काम करना चाहिए। भारत को इस जंग को अपने पड़ोस तक फैलाने की अमेरिकी कोशिशों का कड़ा विरोध करना चाहिए।

नीतीश कुमार का राज्यसभा प्रस्थान

बिहार की राजनीति में नई करवट

भारतीय राजनीति में कुछ घटनाएँ केवल सत्ता परिवर्तन की खबर नहीं होतीं,बल्कि वे एक पूरे दौर के अंत और एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत देती हैं।बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करना भी ऐसी ही एक घटनाक्रम:है,जिसने बिहार की राजनीति पर पैनी पकड वालें राजनीतिक पंडितों में हलचल पैदा कर दी है। .लगभग दो दशकों से बिहार की सत्ता के केंद्र में रहे एक नेता का सक्रिय प्रशासनिक राजनीति से संसद भवन की ओर बढ़ना केवल एक व्यक्तिगत राजनीतिक निर्णय नहीं है,बल्कि यह बिहार की राजनीति ,सत्ता संरचना,गठबंधन राजनीति और राष्ट्रीय रणनीति से जुड़ा एक बड़ा राजनीतिक संकेत भी है।

नीतीश कुमार लंबे समय से बिहार की राजनीति का पर्याय रहे हैं। लगभग पाँच दशकों से अधिक का उनका राजनीतिक जीवन भारतीय लोकतंत्र की अनेक परतों को अपने भीतर समेटे हुए है।उनका जन्म 1 मार्च 1951 को बिहार के नालंदा जिले के बख्तियारपुर में हुआ। इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने राजनीति को अपना जीवन मार्ग बनाया।छात्र जीवन से ही वे राजनीति और समाजवादी विचारधारा से प्रेरित होकर उन्होंने लोकनायक जयप्रकाश नारायण के आंदोलन से अपनी सक्रिय राजनीतिक यात्रा शुरू की।1974 के जेपी आंदोलन ने उनके राजनीतिक व्यक्तित्व को दिशा दी और यही आंदोलन आगे चलकर उन्हें बिहार की मुख्यधारा की राजनीति में स्थापित करने का आधार बना। सर्व विदित रहें कि

नीतीश कुमार पहली बार वर्ष 1985 में बिहार विधानसभा के लिए चुने गए।इसके बाद उनका राजनीतिक कद धीरे-धीरे बढ़ता गया।वर्ष 1989 में वे पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए और संसद में उनकी सक्रियता ने उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में पहचान दिलाई। 1990 के दशक में वे केंद्र की राजनीति में एक प्रभावशाली नेता के रूप में उभरे और कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार में उन्होंने रेल मंत्री, कृषि मंत्री और सतही परिवहन मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।रेल मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल विशेष रूप से उल्लेख नीय रहा।वर्ष 1998 और 1999 के बीच तथा बाद में 2001 में उन्होंने रेल मंत्रालय का दायित्व संभाला। इसी दौरान बिहार के गयसाल रेल दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने इस्तीफा देकर भारतीय राजनीति में एक अलग उदाहरण प्रस्तुत किया।यह कदम उनकी राजनीतिक शैली और जवाबदेही की भावना का प्रतीक माना गया।

बिहार की राजनीति में उनका निर्णायक उदय वर्ष 2005 में हुआ जब उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन कर राज्य में सरकार बनाई।उस समय बिहार लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता और प्रशासनिक चुनौतियों से जूझ रहा था।नीतीश कुमार ने 'सुशासन' और विकास के एजेंडे के साथ सत्ता संभाली और राज्य की छवि बदलने का प्रयास किया।सड़कों के निर्माण,विद्यालयों में छात्राओं के लिए साइकिल योजना,महिला सशक्तिकरण और कानून व्यवस्था में सुधार जैसे कदमों ने उन्हें एक विकासवादी नेता की पहचान दी।

नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री के रूप में राजनीतिक सफर भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है।वे बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेताओं में शामिल हैं। वर्ष 2000 में वे पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने, हालांकि उस समय वे बहुमत साबित नहीं कर पाए और उनका कार्यकाल केवल कुछ दिनों का रहा। इसके बाद वर्ष 2005 में वे पुन: मुख्यमंत्री बने और तब से लेकर अब तक वे लगभग लगातार बिहार की सत्ता के केंद्र में बने रहे। 2005, 2010, 2015, 2020 और 2024 के बाद के राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच वे कुल मिलाकर दस बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं।इस प्रकार लगभग बीस वर्षों से

अधिक समय तक उन्होंने बिहार की राजनीति को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है।

उनकी राजनीतिक यात्रा में कई उतार-चढ़ाव भी आए।उन्होंने समय-समय पर गठबंधन बदले और राजनीतिक समीकरणों को नए सिरे से गढ़ा।कभी वे भाजपा के साथ रहे,कभी राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के साथ महागठबंधन में शामिल हुए, और फिर दोबारा एनडीए के साथ लौट आए।यही कारण है कि उन्हें भारतीय राजनीति का एक अत्यंत व्यावहारिक और रणनीतिक नेता माना जाता है।अब जब उन्होंने राज्यसभा जाने का निर्णय लिया है,तो यह बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत माना जा रहा है।दो दशकों से अधिक समय तक राज्य की सत्ता के केंद्र में रहने के बाद उनका संसद की ओर बढ़ना केवल पद परिवर्तन नहीं बल्कि राजनीतिक भूमिका के विस्तार के रूप में भी देखा जा सकता है। उनके अनुसार संसदीय जीवन की शुरुआत से ही उनकी इच्छा थी कि वे संसद के दोनों सदनों के सदस्य बनें। इसी क्रम में अब वे राज्यसभा के माध्यम से राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाना चाहते हैं।इस निर्णय के साथ ही बिहार की राजनीति में कई सवाल खड़े हो गए हैं।सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी अब किसके हाथ में जाएगी। पिछले बीस वर्षों में बिहार की राजनीति का एक स्थायी तथ्य यह रहा है कि गठबंधन चाहे जो भी हो, मुख्यमंत्री की कुर्सी पर अक्सर नीतीश कुमार ही दिखाई देते थे।ऐसे में उनके राज्यसभा जाने से सत्ता का नया समीकरण बनना लगभग तय माना जा रहा है।इस पूरे घटनाक्रम का राष्ट्रीय राजनीति से भी गहरा संबंध है।उनके नामांकन के समय केंद्रीय गृह मंत्री का पटना पहुँचना इस बात का संकेत माना जा रहा है कि यह निर्णय केवल राज्य की राजनीति तक सीमित नहीं है। संभव है कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अधिक सक्रिय भूमिका देने की रणनीति के तहत यह कदम उठाया गया हो। संसद में उनकी उपस्थिति एनडीए के लिए एक अनुभवी और संतुलित नेतृत्व का प्रतीक बन सकती है।

विपक्षी दलों ने इस निर्णय पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल ने इसे जनता के जनादेश के साथ विश्वासघात बताया है।उनका तर्क है कि यदि जनता ने किसी नेता को मुख्यमंत्री के रूप में चुना है और वह अचानक राज्यसभा की ओर चला जाता है तो यह लोकतांत्रिक भावना के विपरीत है।वही दूसरी ओर एनडीए के नेता इसे नीतीश कुमार का व्यक्तिगत और स्वाभाविक निर्णय बता रहे हैं।राजनीतिक विश्लेषण की दृष्टि से देखा जाए तो इस निर्णय के कई संभावित परिणाम हो सकते हैं। यदि बिहार में नया नेतृत्व उभरता है तो राज्य की राजनीति में नई ऊर्जा और नई प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है।भाजपा और जेडीयू के बीच सत्ता संतुलन का नया समीकरण भी बन सकता है। वहीं विपक्ष इस मुद्दे को जनता के बीच एक राजनीतिक अवसर के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास करेगा।

यह भी स्पष्ट है कि नीतीश कुमार का प्रभाव अचानक समाप्त होने वाला नहीं है। उनका अनुभव, उनकी राजनीतिक समझ और प्रशासनिक क्षमता अभी भी बिहार की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। संभव है कि वे राज्यसभा में रहते हुए भी बिहार की राजनीति के मार्गदर्शक बने रहें और राज्य के विकास संबंधी निर्णयों पर उनका प्रभाव बना रहे।

समग्र रूप से देखा जाए तो नीतीश कुमार का राज्यसभा की ओर बढ़ना बिहार की राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। लगभग पाँच दशक की सक्रिय राजनीति और दो दशकों की सत्ता के बाद उनका यह निर्णय एक नए राजनीतिक युग की शुरुआत का संकेत देता है। यह परिवर्तन बिहार की राजनीति को किस दिशा में ले जाएगा, यह आने वाला समय तय करेगा।

इतना निश्चित है कि बिहार की राजनीति अब एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रही है; जहाँ पुराने अनुभव और नए नेतृत्व के बीच संतुलन स्थापित करना सबसे बड़ी चुनौती होगी। नीतीश कुमार का यह कदम आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति की दिशा और बिहार की सत्ता संरचना दोनों को प्रभावित कर सकता है।

- बिनोद कुमार सिंह

विश्व त्रासदी : युद्ध अशांति अराजकता रक्तपात का दौर

विश्व हिंसा और अशांति के दौर से गुजर रहा है। दुनिया के बड़े भूभाग पर अशांति और ताकतवर देशों की अराजकता बढ़ रही है। कहीं सीधी जंग में मिसाइल हमले और एयरस्ट्राइक की जा रही हैं तो कहीं प्रॉक्सीवार के जरिए टकराव हो रहा है।युद्ध मानव सभ्यता के साथ पर्यावरण के लिए भी हानिकारक होता है। विस्फोट, रासायनिक हथियार और भारी सैन्य गतिविधियां प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट कर देती हैं। भूमि बंजर हो जाती है और जल स्रोत प्रदूषित हो जाते हैं।

बता देंकि 24 फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध और इसी साल 7 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच सीमित सैन्य संघर्ष के बाद अब इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में परिस्थितियां गंभीर और जटिल बनी हुई हैं। इस समय दोनों देशों के बीच तनाव चरम सीमा पर है और दोनों देशों की सेनाएं प्रत्यक्ष सैन्य आक्रमणों में उलझी हुई हैं। रूस - यूक्रेन युद्ध, इजराएल - हमास युद्ध और अब अमेरिका - इजराएल बनाम ईरान युद्ध का संघर्ष यह दर्शाते हैं कि युद्ध का दंश सीमाओं से परे जाकर वैश्विक अर्थव्यवस्था और शांति को बुरी तरह प्रभावित करता है।

इसे हाल ही में अमरीका और इसराईल द्वारा ईरान के विरुद्ध शुरू की गई भारी सैन्य कार्रवाई ने और बढ़ा दिया है। अब तक ईरान में ही इस युद्ध के कारण 555 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस जंग में हताहतों की संख्या लगातार बढ़ रही है. ईरानी रेड क्रेसेंट सोसाइटी के मुताबिक, ईरान में 780 से ज़्यादा लोग मारे गए हैं. इनमें कथित तौर पर एक स्कूल पर हुए अमेरिका-इसराइल के हमले में मारी गईं 165 लड़कियां और स्टाफ भी शामिल हैं।

युद्ध के कारण शरणार्थियों की समस्या भी उत्पन्न होती है जो अन्तराष्ट्रिय स्तर पर मानवीय संकट का रूप ले लेती है।

यह भी विडंबना है की युद्ध प्राय: सत्ता, वर्चस्व और वैचारिक मतभेदों के कारण होते हैं जबकि युद्ध का कीमत आम जनता चुकाती है। आज के परमाणु और अत्याधुनिक हथियारों के युग में युद्ध का अर्थ केवल सीमित संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक विनाश हो सकता है।

विश्व भर में जारी कुछ अन्य युद्धों का सिलसिला जारी है

आपको बता दें 2014 से जारी यमन के गृह युद्ध में लाखों लोग प्रभावित और हजारों लोगों की मौतें हो चुकी हैं। यह गृह युद्ध यमन के पूर्व और वर्तमान राष्ट्रपतियों के वफादार गुटों के बीच चल रहा है।

यमन की राजधानी सना स्थित होऊथी योद्धाओं जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह के वफादार योद्धाओं का समर्थन प्राप्त है, और अदन में स्थित मंसूर हादी की सरकार के बीच यह युद्ध चल रहा है।

21 फरवरी, 2026 को होऊथी सेनाओं द्वारा राजधानी सना में हादी को उनके आवास पर नजरबंद करने के एक महीने बाद ही हादी वहां से भाग निकलने में सफल रहे और अदन आ गए और कहा कि होऊथी अधिग्रहण अवैध था और वह अब भी यमन के संवैधानिक राष्ट्रपति हैं।

उधर इथोपिया में 2020 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अबी अहमद द्वारा विपक्षी पार्टी एल.पी.टी.एफ. के विरुद्ध की गई सैन्य कार्रवाई के कारण शुरू हुए गृह युद्ध से लाखों लोग विस्थापित हुए और सैंकड़ों लोग मारे गए। हालांकि नवम्बर, 2022 में हुए शांति समझौते के बाद झगड़े कम हुए हैं परंतु तनाव अभी बना हुआ है।

आपको पता है म्यांमार में 1 फरवरी, 2021 को वहां के मिलिट्री जुंटा ने आंग सान सू की की सरकार का तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा कर लिया था। इसके तुरंत बाद ही जुंटा कहलाने वाले सैन्य शासकों का भी विरोध शुरू हो गया और इसने एक भीषण गृहयुद्ध का रूप ले लिया है। इस खूनी गृहयुद्ध में पिछले 5 वर्षों के दौरान 73,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

24 फरवरी, 2022 से रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध पांचवें वर्ष में दाखिल हो चुका है। इस युद्ध में अंतर्राष्ट्रीय अनुमानों के अनुसार दोनों पक्षों के सैनिकों और नागरिकों को मिलाकर लाखों लोगों की मौत तथा लाखों लोग घायल और विस्थापित हुए हैं।

7 अक्तूबर, 2023 को इसराईल और फिलिस्तीन के बीच जमीन, राजनीतिक स्वामित्व और धार्मिक दावों से सम्बन्धित दशकों पुराना विवाद हमास द्वारा इसराईल पर बड़ा हमला किए जाने के बाद अधिक तेजी से भड़क उठा। दोनों पक्ष एक-दूसरे की भूमि पर कब्जे और एक-दूसरे पर परस्पर सुरक्षा खतरे के आरोप लगाते आ रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार इसराईली हमलों के कारण गाजा का बड़ा हिस्सा बुरी तरह तबाह हो चुका है जिसके पुनर्निर्माण में 20 वर्ष से भी अधिक समय लगने का अनुमान है। इस संघर्ष में हजारों लोग मारे गए हैं।

अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा विवाद तेज हुआ है। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान की जमीन से आतंकी संगठन पाकिस्तान में हमले कर रहे हैं और इन हमलों में कई पाकिस्तानी सैनिक मारे जा चुके हैं।

अफ्रीकी देश सुडान भी सूडानी सशस्त्र सेनाओं (एस.ए.एफ.) तथा अर्द्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आर.एस.एफ.) के बीच 2023 से जारी युद्ध के कारण इतिहास के सर्वाधिक उथल-पुथल भरे दौर से गुजर रहा है।

इस कारण यहां की जनता पूरी तरह तबाह और बर्बाद हो गई है और उसकी मुसीबतों को गरीबी आदि ने और भी बढ़ा दिया है तथा लगभग 2 लाख 80 हजार लोग अपने घर छोड़ कर दूसरे स्थानों को जा चुके हैं।

उक्त सारे संघर्ष वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को प्रभावित कर रहे हैं। कुल मिला कर आज विभिन्न देशों के नेताओं की सत्ता की भूख और निजी स्वार्थों के कारण दुनिया बारूद के ढेर पर बैठी नजर आ रही है।

युद्ध की विभीषिका हमें यह सिखाती है की हिंसा कभी समाधान नहीं हो सकती। मानवता का वास्तविक विकास शांति, सहयोग और पारस्परिक सहयोग में ही निहित है।

यदि विश्व समुदाय ने इतिहास से सबक नहीं लिया, भविष्य और भी भयावह हो सकता है। समय की मांग है की राष्ट्र अपने मतभेदों को संवाद के माध्यम से सुलझाएँ और विश्व शांति को सर्वोपरि रखें। यदि अभी भी उन्होंने सबक न सीखा तो आजकल के हथियार पहले से बेहतर होने के कारण तीसरे विश्व युद्ध की स्थिति में नुक्सान पिछले विश्व युद्धों में हुए नुक्सान से कहीं अधिक होगा और मानवता त्राहि-त्राहि कर उठेगी।

- मनोज कुमार अग्रवाल

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

(7 मार्च दिवस विशेष आलेख)

अन्न से आत्मनिर्भरता तक : विश्व अनाज दिवस का संदेश

अनाजों के महत्व, पोषण और खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 7 मार्च को विश्व अनाज दिवस (वर्ल्ड सीरियल डे) मनाया जाता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि 'सीरियल' शब्द की उत्पत्ति प्राचीन रोमन देवी सेरेस के नाम से हुई है। दरअसल, रोमन पौराणिक कथाओं में सेरेस को खेती, फसल और मातृत्व की देवी माना जाता था और उन्हीं के सम्मान में अनाज को 'सीरियल' कहा जाने लगा। वैसे, गेहूं, चावल, मक्का, जौ और जई जैसे खाद्यान्न सीरियल्स की श्रेणी में आते हैं। विश्व अनाज दिवस वस्तुत: खाद्य सुरक्षा की नींव को रेखांकित करता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि गेहूं, चावल, मक्का, जौ और बाजरा जैसे अनाज केवल भोजन नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के आधार स्तंभ हैं। उल्लेखनीय है कि आज विश्व की आधी से अधिक आबादी की दैनिक ऊर्जा आवश्यकताएँ मुख्यत: तीन अनाजों-गेहूं, चावल और मक्का से ही पूरी होती हैं। यदि अनाज न हों, तो वैश्विक खाद्य सुरक्षा की कल्पना भी संभव नहीं। आज जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, जनसंख्या वृद्धि और भूख जैसी चुनौतियों का लगातार सामना कर रही है, तब अनाजों का महत्व और बढ़ जाता है। आज तापमान में वृद्धि, अनियमित वर्षा और सूखा जैसी परिस्थितियाँ विशेषकर गेहूं और चावल की पैदावार को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में टिकाऊ कृषि पद्धतियाँ अपनाना समय की आवश्यकता है। भारत के संदर्भ में देखें तो हमारा देश विश्व के प्रमुख गेहूं और चावल उत्पादक देशों में शामिल है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से करोड़ों लोगों तक सस्ती दरों पर अनाज पहुँचाया जाता है। हाल के वर्षों में मोटे अनाज-जैसे बाजरा, ज्वार और रागी आदि को पुन: प्रोत्साहित किया जा रहा है, क्योंकि ये पोषक तत्वों से भरपूर होने के साथ-साथ कम पानी में भी उगाए जा सकते हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2023 को 'अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष' घोषित किया, जिससे वैश्विक स्तर पर मोटे अनाजों के महत्व को नई पहचान मिली। विश्व अनाज दिवस का उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि अनाजों के पोषण मूल्य, खाद्य अपव्यय रोकने, संतुलित आहार अपनाने और किसानों के परिश्रम के सम्मान के प्रति जागरूकता फैलाना भी है। वास्तव में यह दिवस कुपोषण और भूख की समस्या को कम करने, टिकाऊ कृषि (सस्टेनेबल एग्रीकल्चर) को बढ़ावा देने तथा खाद्य सुरक्षा में किसानों की भूमिका को रेखांकित करता है। इतिहास की दृष्टि से जौ को दुनिया के सबसे प्राचीन खेती किए गए अनाजों में से एक माना जाता है, जिसके प्रमाण लगभग 10,000 वर्ष पुराने मिलते हैं। इतिहासकारों का मत है कि मिस्र, मेसोपोटामिया और सिंधु घाटी जैसी प्राचीन सभ्यताओं का विकास कृषि, विशेष रूप से अनाज उत्पादन, के कारण ही संभव हुआ। आज बाजरा, ज्वार और रागी जैसे मोटे अनाजों को 'फ्यूचर फूड' कहा जा रहा है। ये प्राय: ग्लूटेन-रहित होते हैं और आयरन व कैल्शियम जैसे पोषक तत्वों से समृद्ध होते हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी कुछ अनाज अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, 'पेरेनियल ग्रेन्स' (बारहमासी अनाज) ऐसी फसलें हैं जिन्हें हर वर्ष दोबारा बोने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इनकी गहरी जड़ें मिट्टी के कटाव को रोकती हैं और कार्बन अवशोषण में सहायक होती हैं। पाठक जानते होंगे कि मक्का विश्व में सर्वाधिक उगाई जाने वाली फसल है, किंतु इसका बड़ा हिस्सा प्रत्यक्ष भोजन के बजाय एथेनॉल (ईंधन) और पशु आहार के रूप में प्रयुक्त होता है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्व में उत्पादित अनाज का बड़ा भाग भंडारण और परिवहन के दौरान नष्ट हो जाता है। यदि इस अपव्यय को रोका जाए तो करोड़ों लोगों की भूख मिटाई जा सकती है। 19वीं सदी के अंत में डॉ. जॉन हार्वे केलॉग ने कॉर्नफ्लेक्स जैसे ब्रेकफास्ट सीरियल का आविष्कार किया था। उनका उद्देश्य इसे सादा और स्वास्थ्यवर्धक भोजन के रूप में प्रस्तुत करना था, ताकि लोग अत्यधिक मसालेदार और गरिष्ठ भोजन से बच सकें। अनाज ऊर्जा, फाइबर, विटामिन और खनिजों का महत्वपूर्ण स्रोत हैं। विश्व की बड़ी आबादी का मुख्य भोजन अनाज ही है, जिनमें गेहूं और चावल का उपभोग सर्वाधिक होता है। जलवायु परिवर्तन का अनाज उत्पादन पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है, जिससे खाद्य सुरक्षा की चुनौतियाँ और गंभीर हो सकती हैं। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि 'विश्व खाद्य दिवस' प्रतिवर्ष 16 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस 16 अक्टूबर 1945 को स्थापित खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) की स्थापना की स्मृति में मनाया जाता है, जो संयुक्त राष्ट्र की एक विशेषीकृत एजेंसी है। भोजन का अधिकार 1948 की सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा-पत्र द्वारा मान्यता प्राप्त है। वर्ष 2025 में विश्व खाद्य दिवस की थीम थी-बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य साथ-साथ। भारत में अन्न उत्पादन की स्थिति सुदृढ़ हुई है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले दशक में देश का अन्न उत्पादन लगभग 90 मिलियन मीट्रिक टन बढ़ा है। इतना ही नहीं, फल और सब्ज़ियों का उत्पादन भी 64 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक बढ़ा है। भारत दूध और बाजरा (मिलेट्स) के उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान पर है, जबकि मछली, फल और सब्ज़ियों के उत्पादन में दूसरा स्थान रखता है। वर्ष 2014 के बाद से शहद और अंडे का उत्पादन दोगुना हो चुका है। भारत सरकार की प्रमुख पहलों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013; प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना; पीएम पोषण योजना; अंत्योदय अन्न योजना; राइस फोर्टिफिकेशन तथा प्राइस स्टेबिलाइज़ेशन फंड (पीएसएफ) शामिल हैं, जो खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती हैं। इसी क्रम में 'विश्व दलहन दिवस' (वर्ल्ड पल्सेस डे) प्रतिवर्ष 10 फरवरी को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2016 को 'अंतरराष्ट्रीय दलहन वर्ष' घोषित किया था। दालें न केवल पोषण का केंद्र हैं, बल्कि 'क्लाइमेट-स्मार्ट' फसलें भी मानी जाती हैं, क्योंकि इनमें नाइट्रोजन फिक्सेशन की क्षमता होती है। इनके पौधों की जड़ों में उपस्थित बैक्टीरिया वायुमंडलीय नाइट्रोजन को अवशोषित कर मिट्टी की उर्वरता बढ़ाते हैं, जिससे कृत्रिम उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है। पर्यावरणीय दृष्टि से दालों का जल पदचिह्न(वाटर फुटप्रिंट) अत्यंत कम है।एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार जहाँ एक किलोग्राम बीफ उत्पादन में लगभग 15,000 लीटर पानी की आवश्यकता होती है, वहीं उतनी ही मात्रा में दाल उगाने के लिए केवल 50 से 200 लीटर पानी पर्याप्त होता है। पोषण के स्तर पर दालें प्रोटीन का सस्ता और प्रभावी स्रोत हैं। इनमें अनाज की तुलना में दो से तीन गुना अधिक प्रोटीन तथा आयरन, जिंक और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। शून्य कोलेस्ट्रॉल और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के कारण ये हृदय रोग और मधुमेह प्रबंधन में सहायक हैं। वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका विशिष्ट है। भारत विश्व की लगभग 25त्न दालों का उत्पादक और 27त्न उपभोक्ता है। वर्ष 2026 के हालिया आँकड़ों के अनुसार, भारत चना और मूंग जैसी प्रमुख दालों में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेज़ी से अग्रसर है। कभी 'गरीबों का प्रोटीन' कही जाने वाली दालें आज 'भविष्य का भोजन' मानी जा रही हैं।

- सुनील कुमार महला

ईरान-इज़राइल युद्ध से भारत में रोजमर्रा की चीज़ों की कीमतों में आने लगी तेजी

नई दिल्ली। एजेंसी। ईरान-इज़राइल युद्ध के बीच भारत में रोजमर्रा की चीज़ों की कीमतों में तेजी आने लगी है। कच्चे तेल के सह-उत्पाद प्लास्टिक दाने की कीमतों में केवल दो दिनों में 12 फीसदी की वृद्धि हुई है। चूंकि प्लास्टिक का इस्तेमाल पैकेजिंग और घरेलू सामान में व्यापक रूप से होता है, इसका असर रोजमर्रा के उत्पादों पर पड़ेगा। साथ ही, खाद्य तेल की कीमतों में भी बढ़ोतरी के संकेत मिल रहे हैं। निर्यातकों के लिए समुद्र पार माल भेजना चुनौतीपूर्ण हो गया है। कंटेनर कंपनियों ने वार सरचार्ज के तहत किरायों में 150 फीसदी तक बढ़ोतरी की है। 20 टन का कंटेनर पहले 1100 डॉलर में उपलब्ध था, अब यह 3500-3700 डॉलर तक पहुंच गया है। कई कंपनियां समुद्र में फंसे माल को वापस बुला रही हैं, जिससे व्यापारियों की लागत बढ़ेगी। बासमती चावल निर्यात पर भी युद्ध का असर दिख रहा है। करीब 1.5 लाख टन चावल रास्ते में फंसा है। अगर इसे वापस बुलाया गया तो भारी आर्थिक नुकसान होगा। यूरोप और अमेरिका तक माल पहुंचाने के लिए अब लंबा केप ऑफ गुड होप मार्ग अपनाना पड़ेगा, जिससे 15 दिन अधिक समय और 30-40 फीसदी अतिरिक्त खर्च आएगा। भारत दवा निर्माण और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए कच्चा माल आयात करता है। युद्ध लंबा खिंचने पर दवाओं और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कीमतें बढ़ने की संभावना है।

पश्चिम एशिया तनाव से भारत के ऊर्जा आयात पर दबाव

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता का असर भारत के कई उद्योगों पर पड़ने की आशंका है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल के अनुसार यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो सेरामिक्स और उर्वरक जैसे उद्योगों का उत्पादन प्रभावित हो सकता है। ये क्षेत्र आयातित तरलीकृत प्राकृतिक गैस पर काफी हद तक निर्भर हैं। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। देश अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की करीब आधी मात्रा आयात करता है। इसमें से लगभग 40 से 50 प्रतिशत कच्चा तेल और 50 से 60 प्रतिशत एलएनजी स्ट्रेट आफ होमुर्ज के रास्ते भारत तक पहुंचता है। 1 मार्च 2026 से इस समुद्री मार्ग से अधिकांश जहाजों की आवाजाही बाधित होने की खबरें हैं। यदि यह व्यवधान लंबा चलता है तो वैश्विक बाजार में कच्चे तेल और एलएनजी की उपलब्धता तथा कीमतों पर असर पड़ सकता है। इसका असर कीमतों में तेजी के रूप में दिखाई देने लगा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर 82 से 84 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है, जबकि जनवरी-फरवरी 2026 के दौरान यह औसतन 66 से 67 डॉलर प्रति बैरल थी। इसी तरह एशियाई स्पॉट बाजार में लिक्विफाइड नेचुरल गैस की कीमत 10 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू से बढ़कर 24-25 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू हो गई है। क्रिसिल का कहना है कि यदि ऊर्जा कीमतों में और बढ़ोतरी होती है तो भारत का चालू खाते का घाटा बढ़ सकता है और महंगाई पर भी दबाव आएगा। इसके अलावा तेल से जुड़े उद्योग जैसे रिफाइनिंग, टायर, पेंट, केमिकल्स, फ्लेक्सिबल पैकेजिंग और सिंथेटिक टेक्सटाइल भी लागत बढ़ने से प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि एलपीजी का औद्योगिक उपयोग सीमित होने के कारण इसका असर उद्योगों पर अपेक्षाकृत कम रहने की संभावना है।

कतर से एलएनजी आपूर्ति रुकी, भारत में औद्योगिक गैस पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कतर से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति रुकने का असर भारत पर पड़ने लगा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार यदि यह व्यवधान लंबे समय तक जारी रहता है तो गैस कंपनियां औद्योगिक उपभोक्ताओं को गैस आपूर्ति की समीक्षा कर सकती हैं। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि घरेलू पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) और वाहनों के लिए कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में आपूर्ति में कटौती नहीं की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक भारत प्रतिदिन लगभग 19.5 करोड़ मानक घन मीटर प्राकृतिक गैस की खपत करता है। इसमें से करीब 6 करोड़ मानक घन मीटर गैस फिलहाल उपलब्ध नहीं है क्योंकि कतर की सरकारी कंपनी कतर एनर्जी ने अपने संयंत्र में एनएनजी उत्पादन अस्थायी रूप से रोक दिया है। कतर भारत का सबसे बड़ा एनएनजी आपूर्तिकर्ता है, इसलिए इसका सीधा प्रभाव भारतीय ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ सकता है। गैस कंपनियों ने औद्योगिक इकाइयों को संभावित कटौती के बारे में पहले ही सूचित कर दिया है। उन्हें आवश्यकता पड़ने पर एलपीजी, तेल या अन्य वैकल्पिक ईंधन का उपयोग करने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। इस बीच गैल (इंडिया) लिमिटेड ने बताया कि वह संभावित आपूर्ति कटौती का आकलन कर रही है। वहीं पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड के साथ कतर एनर्जी के अनुबंध के तहत 4 मार्च से एनएनजी आवंटन शून्य कर दिया गया है। यह संकट पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव के बाद उत्पन्न हुआ है, जहां इरान की जवाबी कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ गई है। एनएनजी कार्गो की आवाजाही मुख्य रूप से स्ट्रेट आफ होमुर्ज से होती है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का अहम मार्ग है। भारतीय अधिकारी इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा और बीमा कवर को लेकर अमेरिकी अधिकारियों से भी बातचीत कर रहे हैं, ताकि ऊर्जा आपूर्ति में किसी बड़े व्यवधान से बचा जा सके।

मध्य पूर्व तनाव के बीच क्रिप्टो बाजार में उतार-चढ़ाव

मुंबई।एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और ईरान-इज़राइल-संयुक्त राज्य संघर्ष के असर से क्रिप्टोकरेंसी बाजार में गिरावट देखी जा रही है। शुक्रवार सुबह तक वैश्विक क्रिप्टोकरेंसी बाजार का कुल मूल्य 2.40 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया, जो एक दिन पहले 2.46 ट्रिलियन डॉलर था। 24 घंटे में लगभग 2.46 फीसदी की गिरावट से कुल बाजार मूल्य में 0.06 ट्रिलियन डॉलर (5.50 लाख करोड़ रुपए) की कमी हुई। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में 3 फीसदी से अधिक की गिरावट आई और यह लगभग 70,500 डॉलर पर कारोबार कर रही है। दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथेरियम भी लगभग 3 फीसदी फिसल गई।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट खाड़ी में जारी संघर्ष को देखते हुए दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,097 अंक टूटकर 78,918.90 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 315.45 अंक नीचे आकर 24,450.45 पर बंद हुआ। आज बैंकिंग शेयरों में भी गिरावट रही। निफ्टी बैंक 2.15 फीसदी नीचे आकर 57,783.25 पर बंद हुआ। इसके अलावा, निफ्टी रियल्टी 2.09 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 2.01 फीसदी, निफ्टी सर्विसेज 1.81 फीसदी, निफ्टी ऑटो 1.06 फीसदीगिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर दूसरी तरफ निफ्टी इंडिया डिफेंस 2.77 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.13 फीसदी, निफ्टी पीएसई 0.12 फीसदी बढ़त के साथ बंद हुआ। आज लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप में कम बिकवाली रही। निफ्टी

मिडकैप 100 इंडेक्स 0.69 प्रतिशत या 399.20 अंक की कमजोरी के साथ 57,393.35 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 39.90 अंक की गिरावट के साथ 16,498.90 पर था। वहीं सेंसेक्स पैक में बीईएल, सनफार्मा, एनटीपीसी, इन्फोसिस और एचसीएल टेक लाभ में रही जबकि आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, इंडिगो, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस और एचयूएल के शेयर गिरे। जानकारों के अनुसार बाजार में आई गिरावट का कारण मध्यपूर्व में जारी संघर्ष है। इससे निवेशकों पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इसके अलावा, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली भी जारी है। एफआईआई ने गुरुवार को 3,752.52 करोड़ रुपए के इक्विटी की बिकवाली की थी। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार हल्की गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स सुबह गिरावट के साथ 79,658 अंक पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी कमजोरी के साथ 24,656 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में निफ्टी पर भी दबाव बना रहा।

भारत में महिला श्रम भागीदारी में सुधार लेकिन चुनौतियां बरकरार

नई दिल्ली। एजेंसी। पूरी दुनिया 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मना रही है, लेकिन भारत में महिला श्रम बल की स्थिति अभी भी कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कमज़ोर है। वर्ष 2024 में भारत की महिला श्रम बल भागीदारी दर केवल 32 प्रतिशत रही, जबकि वियतनाम में यह 69 प्रतिशत, थाईलैंड में 60 प्रतिशत और चीन में 59 प्रतिशत दर्ज की गई। पुरुषों की तुलना में महिलाओं की भागीदारी लगभग आधी है, जो स्पष्ट रूप से लैंगिक असमानता को दर्शाता है। कामकाजी महिलाओं में अधिकांश असुरक्षित रोजगार में हैं। भारत में श्रमबल में काम करने वाली लगभग 78 प्रतिशत महिलाएं असुरक्षित रोजगार में हैं, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 69 प्रतिशत है। यह चीन (33 फीसदी) और ब्राजील (22 फीसदी) की तुलना में बहुत अधिक है। इससे यह संकेत मिलता है कि महिलाओं के लिए नौकरी की सुरक्षा और औपचारिक रोजगार के अवसर सीमित हैं। महिलाओं की श्रम भागीदारी अवैतनिक देखभाल जिम्मेदारियों और असुरक्षित रोजगार के कारण प्रभावित होती है। घर और परिवार की जिम्मेदारियां, साथ ही सुरक्षित और स्थायी नौकरी की कमी, महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्रिय होने से रोकती हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए नीति बदलाव जरूरी हैं। इसमें सुरक्षित और औपचारिक रोजगार के अवसर बढ़ाना, बाल और वृद्ध देखभाल सुविधाएं सुनिश्चित करना, और लैंगिक समानता के साथ प्रशिक्षण और करियर विकास की योजनाएँ शामिल हैं।

अमेरिका से व्यापार करार में एशियाई प्रतिद्वंद्वियों से कम शुल्क दर पर भारत का जोर

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत अमेरिका के साथ प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देते समय यह सुनिश्चित करना चाहता है कि उसे एशियाई प्रतिस्पर्धियों की तुलना में शुल्क के मामले में बेहतर स्थिति मिलती रहे। भारत का मानना है कि अमेरिकी बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने और निर्यात को मजबूत करने के लिए यह प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनाए रखना जरूरी है। सूत्रों के अनुसार, पहले की बातचीत में भारत अमेरिकी प्रशासन को भारतीय उत्पादों पर अपेक्षाकृत कम शुल्क रखने के लिए राजी करने में सफल रहा था। उस समय भारत के उत्पादों पर लगभग 18 प्रतिशत शुल्क तय हुआ था, जबकि इंडोनेशिया, बांग्लादेश और पाकिस्तान पर 19 प्रतिशत, वियतनाम पर 20 प्रतिशत और चीन पर 34 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जा रहा था। इस व्यवस्था से भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में अन्य एशियाई देशों की तुलना में अधिक अवसर मिलने की संभावना बनी थी। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि भारत की कोशिश यही रहेगी कि व्यापार समझौते को अंतिम रूप देते समय यह लाभ बरकरार रखा जाए। उनके अनुसार, समझौता इसी उद्देश्य से तैयार किया गया था कि भारत को प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले अधिक फायदा मिल सके। हालांकि, अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसले के बाद टैरिफ व्यवस्था को लेकर अनिश्चितता पैदा हो गई है। इसी कारण भारत के मुख्य व्यापार वार्ताकार दर्पण जैन के नेतृत्व में प्रस्तावित प्रतिनिधिमंडल की 22 फरवरी की अमेरिका यात्रा स्थगित करनी पड़ी। इस बीच अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हावर्ड लटनिक ने हाल ही में निजी यात्रा के दौरान नई दिल्ली में वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने वार्ता को सार्थक बताया। गोयल ने कहा कि भारत अमेरिकी अदालत के फैसले के बाद की परिस्थितियों पर नजर रखे हुए है और बेहतर संभावनाओं के साथ अंतरिम व्यापार समझौते के लिए बातचीत जारी रखेगा।

मेष- आज का दिन आपके लिए चुनौतियों और अवसरों का संगम लेकर आया है। काम का दबाव बढ़ सकता है और ऐसा लगेगा जैसे हर जिम्मेदारी आज ही पूरी करनी है। इतना ही नहीं, कुछ लोग जो आपके विरोधी हैं, वे भी आपके काम में अड़चन डालने की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन घबराइए मत आपकी लगन और योजना ही आपकी ढाल बनेगी। यदि आप अपने कार्यों को सुव्यवस्थित ढंग से करेंगे तो सफलता निश्चित है।

वृषभ- आज का दिन आपके जीवन में खुशियों की हल्की-हल्की दस्तक देगा। परिवार में किसी नए मेहमान के आने की खबर वातावरण को आनंदमय बना सकती है। समाज में आपके अच्छे कार्यों की चर्चा होगी और आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। हालांकि, अतीत की कोई गलती आपको याद दिलाएगी कि अनुभव ही सबसे बड़ा शिक्षक है। आप अपने अधूरे कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए विशेष प्रयास करेंगे। वाहन चलाते समय सावधानी रखें और किसी का वाहन मांगकर न चलाएं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। उच्च अधिकारियों की कृपा आप पर बनी रहेगी और नौकरी में बदलाव की सोच रहे लोगों को अच्छा अवसर मिल सकता है। यदि कोई प्रिय वस्तु खो गई थी, तो उसके मिलने की संभावना है। आप काम में व्यस्त रहेंगे, लेकिन परिवार के लिए समय निकालकर उनके मन की बात समझने की कोशिश करेंगे। यही संतुलन आपको सच्ची सफलता की ओर ले जाएगा।

कर्क- आज आपका व्यक्तित्व और पद-प्रतिष्ठा दोनों मजबूत होंगे। समाज में आपकी छवि बेहतर होगी, लेकिन साझेदारी में नया व्यवसाय शुरू करने से अभी बचें। यदि किसी सरकारी योजना में निवेश का विचार है, तो वह लाभकारी हो सकता है। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय भविष्य में पछतावा दे सकता है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर रखें।

सिंह- आज का दिन मिश्रित फल देने वाला है। मित्रों के साथ समय बिताने और अच्छे खान-पान का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। राजनीति या किसी सामाजिक मामले में उलझा विषय सुलझ सकता है। धैर्य और संयम से काम करना आज बेहद जरूरी है। परिवार के साथ किसी मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होकर आप प्रसन्नता अनुभव करेंगे। अपनी जरूरतों को पूरा करने में खर्च बढ़ सकता है, लेकिन यह खर्च आपको संतोष भी देगा।

कन्या- आज आपके लिए अचानक लाभ के योग बन रहे हैं। लंबे समय से चली आ रही परेशानी समाप्त हो सकती है। बस अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें और यदि किसी से वादा किया है, तो उसे समय पर पूरा करें। आपकी उन्नति की राह में जो बाधाएं थीं, वे हटने लगेंगी। संतान शिक्षा के क्षेत्र में नया कदम उठा सकती है। माता-पिता की सेवा और आशीर्वाद से मन को गहरी शांति मिलेगी।

तुला- आज आय में वृद्धि के संकेत हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। विद्यार्थी किसी प्रतियोगिता में भाग लेकर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। मौसम का असर स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, इसलिए सावधानी रखें। नए लोगों से परिचय बढ़ेगा, जो भविष्य में लाभकारी साबित हो सकता है। ससुराल पक्ष से आर्थिक सहयोग मिलने की संभावना है। परिवार में विवाह से जुड़ी खुशखबरी माहौल को और भी खुशनुमा बना देगी।

वृश्चिक- आज स्वास्थ्य थोड़ा कमजोर रह सकता है, इसलिए खुद का ध्यान रखें। यदि किसी समस्या को लेकर मन में चिंता थी, तो वह धीरे-धीरे समाप्त होगी। मन की उलझन को सुलझाने के लिए आत्मचिंतन आवश्यक है। किसी मनोरंजन कार्यक्रम में शामिल होकर आप परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। हालांकि किसी बात पर हल्की कहासुनी हो सकती है, लेकिन प्रेम से स्थिति संभल जाएगी।

धनु- आज लेन-देन में विशेष सावधानी बरतें। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी, लेकिन जोखिम उठाने से बचें। विपरीत परिस्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। नई नौकरी का अवसर मिल सकता है। बॉस के साथ महत्वपूर्ण चर्चा संभव है। यात्रा के दौरान कोई खास जानकारी मिल सकती है, जो भविष्य में लाभ देगी। माता-पिता के आशीर्वाद से आपकी रुकी हुई डील पूरी हो सकती है।

मकर- आज पारिवारिक जीवन में संतुलन और सफलता मिलेगी। पुराने मित्र से मुलाकात मन को प्रसन्न करेगी। आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। विद्यार्थी यदि पूरा ध्यान पढ़ाई में लगाएंगे तो परीक्षा में सफलता निश्चित है। सामाजिक आयोजन में शामिल होने का अवसर मिलेगा। विदेश जाने की योजना बना रहे विद्यार्थियों के लिए शुभ समाचार मिल सकता है।

कुंभ- आज खर्च सोच-समझकर करें और दिखावे से दूर रहें। संतान के करियर को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया जा सकता है। ससुराल पक्ष से धन लाभ संभव है। पारिवारिक मामलों को मिल-बैठकर सुलझाने की आवश्यकता है। पैतृक संपत्ति को लेकर नया विवाद खड़ा हो सकता है, इसलिए संयम रखें। मित्रों के साथ समय बिताकर मन हल्का होगा। परिवार में विवाह से जुड़ी चर्चा पक्की हो सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए लाभ और खुशियों का संदेश लेकर आया है। वैवाहिक जीवन में प्रेम और सामंजस्य बना रहेगा। एक के बाद एक शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। किसी कानूनी मामले में जीत संभव है।

शब्दजाल - 8190

शब्द जाल में सर्वाधिक थिएटरों वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए, नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

प्र	अ	मे	क	ए	का	धि	का	र	क	गो
न	का	मे	म	इं	भा	र	त	ति	ना	ला
अ	दा	र	रि	मा	ग	अं	द	ह	ब्र	का
फ्रां	स	ल	का	का	न	स	ध	ह	लि	र
त	अ	अ	र	न	न	मे	इ	ट	ली	दे
अ	ना	का	इं	व	प	का	त	ह	र	बा
ग	मा	ल	मा	ड्रे	अ	ला	र	ची	न	ज
इं	न	भा	र	न	ने	स	रा	न	वि	र्म
क	ग्लें	बा	अ	लं	का	शि	ह	न	जू	नी
र	का	ड	मा	न	सिं	ब्रा	या	का	प	श
बां	र	ल	प	स्पे	न	स	त्ता	प	र	र

चीन, अमेरिका, भारत, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, ईंग्लैंड, इटली, कनाडा, इंडोनेशिया

शब्दजाल - 8189 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7134

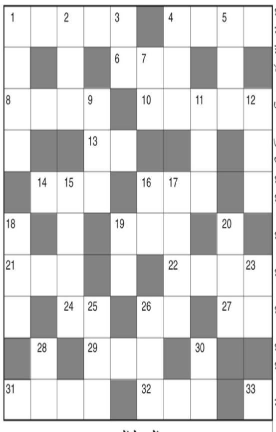

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

फिल्म वर्ग पहेली- 7133

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

7 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कुंभ में
चंद्र	तुला में
मंगल	कुंभ में
बुध	कुंभ में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मीन में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ	समय
मीन	06.44 बजे से
मेष	08.14 बजे से
वृष	09.54 बजे से
मिथुन	11.52 बजे से
कर्क	14.06 बजे से
सिंह	16.22 बजे से
कन्या	18.34 बजे से
तुला	20.45 बजे से
वृश्चिक	22.59 ब.से
धनु	01.15 बजे से
मकर	03.20 बजे से
कुंभ	05.07 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 66 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि चतुर्थी 19.18 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 11.16 बजे को समाप्त।
योग वृद्धि 06.53 बजे को समाप्त।
करण बव 06.32 बजे तदनन्तर बालव 19.18 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 17.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 05° 22'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872641
जूलियन दिन 2461106.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान
तारीख 17

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: रेत का पुल

भारद्वाज ऋषि के पुत्र यवक्रीत को विद्यार्जन में रुचि नहीं थी। इसलिए वह अध्ययन से दूर रहे पर बाद में उन्हें अहसास हुआ कि अशिक्षित होने और शास्त्रों का ज्ञान नहीं होने के कारण समाज में उनका सम्मान नहीं होता। लेकिन चूंकि उनकी उम्र ज्यादा हो चुकी थी, विधिवत शिक्षा ग्रहण करने का समय निकल चुका था, इसलिए उन्होंने सोचा कि क्यों न देवताओं की तपस्या करके उन्हें प्रसन्न किया जाए और वरदान मांग कर सारी विद्याएं प्राप्त कर ली जाएं। वह गंगा किनारे भगवान को खुश करने के लिए ध्यानमग्न हो गए। भगवान इंद्र उनके मन की बात समझ गए। एक दिन वह साधु का वेश धारण करके वहां आए और दोनों हाथों से रेत उठा कर पानी में डालने लगे। थोड़ी देर में यवक्रीत की आंखें खुलीं। उन्होंने साधु को पानी में बालू डालते देख कर पूछा, 'आप यह क्या कर रहे हैं?' साधु ने कहा, 'गंगा के ऊपर पुल बना रहा हूं।' यवक्रीत ने कहा, 'आप तो बड़े ज्ञानी लगते हैं लेकिन यह मूर्खता वाला काम क्यों कर रहे हैं। कहीं बालू से पुल बनता है। बालू तो पानी में गिरते ही उसमें घुल जाता है।' यह सुन कर साधु ने कहा, 'यदि बिना पढ़े-लिखे ज्ञान मिल सकता है तो बालू से पुल क्यों नहीं बन सकता। अगर तपस्या करने से ही ज्ञान मिलता तो फिर पढ़ने- लिखने का कष्ट कौन उठाता। सभी आप की तरह तपस्या करके भगवान को खुश करके ज्ञान का वर मांग लेते।' यह सुन कर यवक्रीत सोच में पड़ गए। उन्होंने कहा, 'पर इतनी ज्यादा उम्र में पढ़ाई कौन करता है।' साधु ने कहा, 'वत्स, ज्ञान प्राप्त करने की कोई उम्र सीमा नहीं होती। यदि आप संकल्प कर लोगे तो अब भी अपने पिता के समान महान ज्ञानी बन सकते हो।' यवक्रीत ने कहा, 'आप ठीक कह रहे हैं। अब मैं अध्ययन करूंगा।' बाद में यवक्रीत महान विद्वान बने और तपोदत्त के नाम से जाने गए।

सूडोकु नवताल- 7443

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7442 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

शब्द पहेली - 8658

बाएँ से दाएँ

1. रोशनी-3
4. आशा, उम्मीद-2
5. एक प्रकार की बंगाली मिठाई-2,3
7. भ्रमण, घूमना-3
9. फिजूल, व्यर्थ ही-3
11. गुनाह, जुर्म-4
12. स्नान करवाना-4
14. डग, पांव, पैर-3
16. मक्खन(अंग्रेजी-3)
18. रावण, दशानन-5
19. टेलीफोन, दूरभाष-2
20. असली, शुद्ध-3

ऊपर से नीचे

1. वार, घात-3
2. आश्रय, पनाह-3
3. पायल की आवाज-4
4. दर्पण, शीशा-3
6. चिपकू, जलौका-2
8. स्वयं की पसंद का, स्वरुचिकर-2,3
10. हकलाना, अटक-अटक कर बोलना-5
13. पशु, जन्तु-4
14. मजार, मकबरा-2
15. कामदेव-3
16. बारिश, बरसात-3
17. धनवान, संपन्न-3

शब्द पहेली -8657 का हल

जा	न	प	ह	चा	न		बा	त
न		ल		ल	ल	क		न
की	ल		बा	बा		क्ष	त्रि	य
ना		श		ज			का	
थ	का	व	ट		म	स	ल	न
	ज			स		त्य		क
फ	ल	क		ह	द		ऐ	ब
रे		म	स	ला		रो		ज
ब	ल		ब	ना	व	टी	प	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

अफवाहों के चलते पेट्रोल पंपों पर वाहनों की लगी लम्बी कतारें

प्रशासन ने जारी किया बयान-अफवाहों पर न दें ध्यान, देश में पेट्रोल डीजल की नहीं होगी कमी

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में पेट्रोल डीजल को लेकर चली अफवाहों के चलते डीजल पेट्रोल पंप में उपभोक्ताओं की कतारे देखने को मिली, वहीं नगर के कुछ पेट्रोल पंप बंद होने के चलते भी मात्र एक ही खोंगल पेट्रोल पंप पर भार नजर आया और दिन भर इस पंप के द्वारा लोगों के वाहनों में डीजल पेट्रोल की आपूर्ति की गई। बतादे कि वर्तमान में ईरान, ईराक, इजरायल, अमेरिका युद्ध प्रारंभ है जैसे जैसे युद्ध आगे बढते जा रहा वैसे ही कवायदे लगाई जा रही है तेलो की कीमतों में ईजाफा होगा साथ ही पर्याप्त मात्रा में एवं समय पर तेल की उपलब्धता नही होगी। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुये क्षेत्र के लोगो को लगा की वाकई में डीजल पेट्रोल एवं तेल पदार्थ के नही मिलने से परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में लांजी क्षेत्र के उपभोक्ता बडी संख्या में अपने अपने वाहनों को लेकर डीजल पेट्रोल पंपों का रूख करते नजर आये और अपने अपने वाहनों में फुल टैंक पेट्रोल डीजल भरवाते नजर आये।

सिर्फ खोंगल पेट्रोल पंप ने की डीजल पेट्रोल की आपूर्ति

लांजी नगर में 6 मार्च को अफवाहों का दौर ऐसा चला की लोगो को लगा अब कई दिनों तक डीजल पेट्रोल के मिलने में परेशानी होगी दुसरी ओर नगर के आमगांव मार्ग स्थित मेसर्स यशवंतराव खोंगल फ्यूल्स में ही पर्याप्त मात्रा में डीजल पेट्रोल का स्टॉक था तथा नगर के अन्य पेट्रोल पंप ड्राई होने की जानकारी प्राप्त हुई थी जिसके चलते भी सारा भार खोंगल पेट्रोल पंप पर नजर आया, इनके पास पर्याप्त मात्रा में स्टॉक होने चलते इन्होने सभी उपभोक्ताओं को उनके वाहन में बारी बारी से डीजल पेट्रोल की आपूर्ति की। लेकिन एक ही पेट्रोल पंप संचालित होने के चलते सुबह से शाम तक इस खोंगल फ्यूल्स में बडी मात्रा में वाहनों की भीड़ नजर आई।

उक्त अफवाहों को लेकर लांजी एसडीएम कमलचंद सिंहसार के द्वारा अपने बयान उपभोक्ताओं के लिये जारी किये गये है लांजी में किसी भी प्रकार से डीजल, पेट्रोल या एलपीजी की कमी नही है। आम नागरिकों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) सहित अन्य तेल कंपनियों ने भी स्पष्ट किया है कि देश में ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद है और आपूर्ति श्रृंखला पूरी तरह सामान्य रूप से संचालित हो रही है। तेल कंपनियां निर्बाध रूप से ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर नियमित रूप से सप्लाई भेजी जा रही है। इस संबध में जिला आपूर्ति अधिकारी के द्वारा भी अपने बयान जारी किये गये हैजिला आपूर्ति अधिकारी श्री ठाकुर ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि डीजल, पेट्रोल या एलपीजी की कमी से संबंधित किसी भी प्रकार की अफवाहों पर विश्वास न करें। नागरिक अपनी दैनिक आवश्यकता के अनुसार ही ईंधन का क्रय करें और पेट्रोल पंपों पर अनावश्यक भीड़ लगाकर पैनिक की स्थिति उत्पन्न न करें। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में ईंधन की कोई कमी नहीं है और प्रशासन द्वारा तेल कंपनियों के साथ लगातार समन्वय बनाकर ईंधन की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। आम नागरिकों से अनुरोध है कि केवल आधिकारिक स्त्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही भरोसा करें और अफवाहों से दूर रहें। जो कोई भी व्यक्ति डीजल पेट्रोल एवं एलपीजी का भंडार खत्म होने के संबंध में अफवाह या गलत जानकारी फैलाएगा या प्रसारित करेगा उसके विरूद्ध कडी वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

किसानों ने 10 घंटे नियमित बिजली आपूर्ति की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। वर्तमान समय में खेतो में रबी की फसलें लगी हुई लेकिन फसलों के लिये बिजली की आपूर्ति नही होने से किसानों को अपने खेतो के लिये पर्याप्त पानी नही मिल पा रहा है जिसको लेकर क्षेत्र के किसानों में आक्रोश व्याप्त है। इन्ही समस्याओं को देखते हुये 6 मार्च को जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे के नेतृत्व में भानेगांव उपकेन्द्र के अन्तर्गत आने वाले किसानों के द्वारा विद्युत वितरण कंपनी कार्यालय उपकेन्द्र भानेगांव पहुंचकर पर्याप्त मात्रा में बिजली आपूर्ति को लेकर ज्ञापन सौंपा। किसानों ने ज्ञापन में कहा कि वर्तमान में किसानों को पर्याप्त मात्रा में बिजली आपूर्ति नहीं मिल पा रही है, जिससे खेती कार्य प्रभावित हो रहे हैं। किसानों ने मांग करते हुए कहा कि उन्हें प्रतिदिन कम से कम 10 घंटे नियमित बिजली प्रदाय किया जाए, ताकि सिंचाई कार्य सुचारु रूप से हो सके। इस दौरान जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे ने अधिकारियों से कहा कि यदि 7 दिवस के भीतर बिजली आपूर्ति की समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो किसानों के साथ मिलकर जन आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी। ज्ञापन सौंपते समय अजय अवसरे जनपद उपाध्यक्ष लांजी, श्यामलाल बेदरे जनपद सदस्य, श्यामलाल करहाटकरे, श्यामजी पिल्लारे, प्रेमलाल करहाटकरे, दानेश्वर करहाटकरे, राधेलाल करहाटकरे, गिरीश करहाटकरे, राजेंद्र करहाटकरे, गोरेलाल करहाटकरे, दुर्गालाल करहाटकरे, सुरजीत बनाफरे, तेजलाल करहाटकरे, शिवराम करहाटकरे, सुरेन्द्र नाकतोड़े, नीलकंठ नाकतोड़े, गुड्डू अतकरे, भूमेश्वर पिल्लारे, संतोष पिल्लारे, भूरेलाल करहाटकरे, छोटेलाल करहाटकरे, महेंद्र बनाफरे, भैयालाल नगफासे, महेश नाकतोड़े, मदन बाघमारे, चंदनसिंह जचपेले आदि किसान शामिल रहे।

पेंशनर्स एसोसिएशन का तहसील शाखा की बैठक 9 को

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी की मासिक बैठक 9 मार्च दिन सोमवार को 11 बजे से मां गायत्री शक्तिपीठ लांजी के सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी की नई कार्यकारिणी की घोषणा की जावेगी। साथ ही तहसील शाखा के सभी सेक्टरों में होली मिलन समारोह आयोजित किया जाना है जिसके लिए बैठक में तिथियों का निर्धारण किया जाएगा। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के अध्यक्ष सेवकराम ठाकरे एवं सचिव आई एस चौहान ने सभी सेक्टर प्रभारियों एवं सदस्यों से उपस्थित होने की अपील की है।

कारंजा में 15 को परमात्मा एक सेवक सम्मेलन

पद्मेश न्यूज। लांजी। विकासखंड के ग्राम पंचायत कारंजा स्थित बाजार चौक में 15 मार्च 2026 को एक भव्य सेवक सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। यह कार्यक्रम परमात्मा एक सेवक मंडल के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें क्षेत्र के सेवक-सेविकाएं बड़ी संख्या में भाग लेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे रहेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सरपंच श्रीमती स्नेहा बागड़े, उपसरपंच निलेश शिवणकर, जपस श्रीमती भारती सुरेश चुटे, पूर्व सरपंच धर्मेंद्र चुटे उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मयाराम पांचे करेंगे, जबकि उपाध्यक्ष सुखदेव शिवणकर, संचालक यशवंत जगने और मुख्य मार्गदर्शक सीताराम शिवणकर के मार्गदर्शन में यह आयोजन संपन्न होगा। कार्यक्रम के तहत सुबह 7 बजे अशोक मेश्राम के निवास पर बाबा की भव्य रैली। सुबह 9 से 11 बजे कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन, दीप प्रज्वलन, स्वागत समारोह, भगवान बाबा हनुमान एवं महान त्यागी बाबा जुमदेव जी की प्रतिमा पूजन, तथा मातोश्री वाराणसी माता जी का स्वागत-वंदन। दोपहर 12 से 1 बजे भगवत कार्य की चर्चा बैठक।दोपहर 1 से 5 बजे महाप्रसादी का आयोजन। संध्या बेला परमात्मा एक सेवक मंडली केरेगांव द्वारा भजनों की संगीतमय प्रस्तुति होगी। यह भव्य आयोजन रामपुर कारंजा परिसर एवं उगम स्थान संस्थान टिमकी (नागपुर) के सेवक-सेविकाओं के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। आयोजकों ने सभी भक्तों, सेवकों और क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक मनाया होली मिलन

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने होली के पावन अवसर पर 6 मार्च को नगर के सिद्धेश्वर मंगल भवन में एक भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया। संध्या के समय एकत्रित हुए स्वयंसेवकों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर तथा गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवक होली गीतों पर झूमते नजर आए, जिससे माहौल में उल्लास और भाईचारे की भावना छाई रही। यह मिलन न केवल त्योहार की खुशियां मनाने का माध्यम बना, बल्कि आपसी प्रेम, एकता और सामाजिक समरसता का भी संदेश देने वाला रहा। समारोह में स्वल्पाहार का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने मिल-जुलकर भोजन ग्रहण किया। आरएसएस के इस कार्यक्रम से स्थानीय स्तर पर समाज में सौहार्द और सद्भाव की भावना मजबूत हुई। इस दौरान विक्रांत साकरे विभाग सहकारवाहा, सुरेन्द्र जी विभाग प्रचारक, अभय कोचर, संतोष मोरघड़े जिला सह प्रचार प्रमुख, रमेश आसटकर जिला सह प्रर्यावरण प्रमुख, अजय खरगाल कुटुंब प्रबोधन जिला संयोजक, विजय रामटेककर खंड संघचालक, योगेन्द्र दहीकर खंड कारवाहा, मनोज किरनापुरे नगर कारवाहा, सहित नगर के स्वयं सेवक, गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। होली मिलन के इस अवसर पर उपस्थित स्वयंसेवकों ने कहा कि होली का त्योहार रंगों के साथ-साथ मन के रंगों को भी एक करने का प्रतीक है, और संघ ऐसे अवसरों पर सदैव समाज को जोड़ने का कार्य करता रहा है।

हिन्दु नव-वर्ष पर गणेशी तालाब में किया जाएगा दीपदान

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी लांजी नगर के सनातनी महिलाऐं एवं राष्ट्र सेविका समिति की समस्त सदस्य गणों के द्वारा हिन्दु नववर्ष, गुड़ी पाड़वा एवं चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर नगर के धार्मिक आस्था केन्द्र गणेशी तालाब में दीपदान किया जाएगा। राष्ट्र सेविका समिति लांजी की प्रमुख श्रीमती नीलम भर्रे द्वारा 6 मार्च को दोपहर 2 बजे से मां गायत्री शक्तिपीठ के सभागार में महिलाओं की बैठक लेकर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। कार्यक्रम के तहत चैत्र प्रतिपदा गुड़ी पाड़वा हिन्दु नववर्ष 19 मार्च को मनाया जाएगा। जिसके तहत राष्ट्र सेविका समिति के तत्वावधान में नगर की सभी सनातनी महिलाऐं शाम 5.30 बजे नगर परिषद प्रांगण में एकत्रित होकर पूजा-अर्चना के साथ ही भारत माता की आरती कर गणेशी तालाब में दीपदान किया जाएगा। इसके लिए महिलाएं आरती एवं कम से कम पांच दीपक साथ लेकर आए।

उर्मिला कुशराम को 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता तहसील के ग्राम ढूटी निवासी नरेंद्र कुशराम की 24 दिसंबर 2025 को बाँध के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6/4 के प्रावधानों के तहत मृतक की वारिस पत्नि श्रीमति उर्मिला कुशराम को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। लामता तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि वे कोषालय में देयक प्रस्तुत कर उर्मिला कुशराम के खातें में ई-पेमेंट से शीघ्र 04 लाख रुपए की राशि जमा कराए।

लांजी में ''पद्मेश''

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

जिला शिक्षा अधिकारी के उड़नदस्ता दल ने किया मोहनपुर, बिठली, सोनगुड्डा, डाबरी एवं पाथरी के बोर्ड परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्तमान में माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाएं जिले में संचालित हो रही हैं। परीक्षाओं के सुचारू एवं निष्पक्ष संचालन के लिए कलेक्टर मृणाल मीना के मार्गदर्शन तथा माध्यमिक शिक्षा मंडल के निर्देशानुसार जिले के सभी 10 विकासखंडों में विभिन्न अधिकारियों को निरीक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अंतर्गत जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, जनपद सीईओ (बीडीओ), एसडीएम एवं तहसीलदार को बोर्ड परीक्षा केंद्रों के नियमित निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में 06 मार्च को जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्यााय के उड़नदस्ता दल द्वारा जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मोहनपुर, बिठली, सोनगुड्डा, डाबरी एवं पाथरी स्थित बोर्ड परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया गया। उड़नदस्ता दल ने परीक्षा केंद्रों में पहुंचकर परीक्षा व्यवस्था, कक्ष निरीक्षण, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, परीक्षार्थियों की उपस्थिति तथा परीक्षा संचालन की समुचित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी केंद्रों पर परीक्षाएं शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित पाई गईं। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्री उपाध्याय ने परीक्षा केंद्रों के केंद्राध्यक्षों एवं कक्ष निरीक्षकों को माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग द्वारा लगातार निरीक्षण की कार्रवाई जारी रहेगी। जिला प्रशासन ने सभी परीक्षा केंद्राध्यक्षों को निर्देशित किया है कि परीक्षाओं के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता न हो तथा विद्यार्थियों को शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में परीक्षा देने की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

मप्र में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की तैयारी

एसीएस, पीएस के साथ बदलेंगे एक दर्जन से अधिक कलेक्टर

भोपाल। विधानसभा के बजट सत्र की समाप्ति के बाद अब सरकार का फोकस प्रशासनिक जमावट पर है। सरकार अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव से लेकर कलेक्टरों के तबादले की तैयारी कर रही है। सूत्रों का कहना है की प्रदेश में सरकार ने बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की तैयारी पूरी कर ली है। मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के बीच अंतिम दौर की चर्चा के बाद कभी भी आईएएस अफसरों की तबादला सूची जारी हो सकती है। सूत्रों का कहना है कि आगामी प्रशासनिक फेरबदल में एक दर्जन से ज्यादा जिलों के कलेक्टर की नई पदस्थापना की जा सकती है। अपर मुख्य सचिव व प्रमुख सचिव स्तर के भी कुछ अधिकारियों के तबादले किए जा सकते हैं।

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन के बीच कलेक्टरों की नई पदस्थापना को लेकर प्रारंभिक दौर की चर्चा हो चुकी है। तबादला सूची तैयार हो चुकी है। मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के बीच अंतिम दौर की चर्चा के बाद जल्द तबादला आदेश जारी किए जा सकते हैं। सत्रों का कहना है कि मुख्य सचिव के दिल्ली से लौटने के बाद तबादला सूची जारी होने के आसार हैं। दरअसल, गत अक्टूबर से शुरू हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के दौरान कलेक्टरों के तबादलों पर अघोषित प्रतिबंध लगा था। अब चूंकि एसआईआर का काम पूरा हो चुका है, इसलिए सरकार ने कलेक्टरों को बदलने की तैयारी पूरी कर ली है।

खराब परफॉरमेंस वाले कलेक्टर बदलेंगे

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक ऐसे जिलों के कलेक्टर बदले जाएंगे, जिनकी परफॉरमेंस रिपोर्ट अच्छी नहीं है। इसका आंकलन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस करके दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन के आधार पर किया गया है। कई कलेक्टरों द्वारा भ्रष्टाचार की शिकायतें शासन के पास पहुंची हैं। वहीं राज्य सरकार ने एक जनवरी, 2026 से 71 आईएएस अफसरों को सीनियर पदों पर प्रमोट किया है। इसमें सचिव पद पर प्रमोट हो चुके भोपाल कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के अलावा अपर सचिव पद पर प्रमोट हो चुके 11 जिलों के कलेक्टर भी शामिल हैं। इनमें धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, नरसिंहपुर कलेक्टर रजनी सिंह, नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना, सतना कलेक्टर सतीश कुमार एस., मंडला कलेक्टर सोमेश मिश्रा, सागर कलेक्टर संदीप जीआर, राजगढ़ कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा, इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा, जबलपुर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, अपर आयुक्त राजस्व जबलपुर संभाग अमर बहादुर सिंह, पांढुर्णा कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ और गुना कलेक्टर किशोर कुमार कान्याल के नाम शामिल हैं।

डॉ. राजौरा को सीएस का प्रभार

मुख्य सचिव अनुराग जैन पांच दिन के अवकाश पर हैं। इस कारण अपर मुख्य सचिव जल संसाधन डॉ. राजेश राजौरा को मुख्य सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इस संबंध में गुरुवार को आदेश जारी कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक मुख्य सचिव जैन के ससुर का निधन हो जाने के कारण वे पांच दिन के अवकाश पर हैं। जैन के अवकाश पर जाने के कारण मप्र आईएएस कैडर के दूसरे सबसे वरिष्ठ अधिकारी डॉ. राजौरा को मुख्य सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

निजी स्कूलों की मनमानी फीस पर की जमकर नारेबाजी

-पालक महासंघ का हल्ला बोल...शिक्षा माफिया के खिलाफ डीईओ ऑफिस का घेराव,

भोपाल । राजधानी भोपाल में निजी स्कूलों द्वारा मनमाने ढंग से फीस, बस फीस, किताबों और अन्य शुल्क वसूलने के खिलाफ अभिभावकों का गुस्सा फूट पड़ा। पालक महासंघ ने आज जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया और शिक्षा माफिया के खिलाफ हल्ला बोल दिया।

प्रदर्शनकारियों ने डीईओ ऑफिस का घेराव करते हुए जमकर नारेबाजी की। पालक महासंघ के पदाधिकारियों का आरोप है कि शिक्षा माफियाओं और निजी स्कूल संचालकों के दबाव में जिला शिक्षा अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। अभिभावक लगातार परेशान हैं क्योंकि स्कूल बस फीस, किताबों की कीमत और अन्य मदों में बिना किसी नियम के मनमानी वसूली कर रहे हैं। पालक महासंघ के प्रतिनिधियों ने डीईओ को ज्ञापन सौंपने का प्रयास किया, लेकिन अधिकारी ने ज्ञापन लेने से इनकार कर दिया और उल्टे दफ्तर छोडक़र चले गए। इससे अभिभावकों में और आक्रोश फैल गया। प्रदर्शन में शामिल अभिभावकों ने कहा कि निजी स्कूलों की मनमानी के कारण गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों की कमर टूट रही है, लेकिन विभाग की ओर से कोई सख्त कदम नहीं उठाया जा रहा। पालक महासंघ की मांगें हैं कि निजी स्कूलों की फीस वृद्धि पर तत्काल रोक लगाई जाए। फीस, बस चार्ज और किताबों की कीमतों का पारदर्शी ढांचा लागू हो। शिक्षा माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो और दोषी स्कूलों पर जुर्माना लगाया जाए। डीईओ और संबंधित अधिकारियों पर दबाव बनाने वालों की जांच हो।

मध्य प्रदेश की जेलों में कैदियों की मौत?

भोपाल। पिछले 6 साल में मध्य प्रदेश की जेलों में 45. 31 फ़ीसदी कैदियों ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। यह जानकारी विधानसभा में सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई है। पुरुष कैदियों ने फांसी लगाने के लिए जूते की लेस से लेकर चादर और कपड़ों का उपयोग किया है। वहीं महिला कैदियों ने फांसी लगाने के लिए साड़ी और शौचालय का सबसे ज्यादा उपयोग किया है।

जेल में बंद कैदी न्यायिक हिरासत में होते हैं। जेल के अंदर इतने बड़े पैमाने पर कैदियों की आत्महत्या न्यायिक व्यवस्था पर भी प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है।

मध्य प्रदेश की जेलों में विचाराधीन कैदियों की संख्या जेल की कुल केदी क्षमता से लगभग 36 फ़ीसदी ज़्यादा है। विधानसभा में दी गई जानकारी के अनुसार इस समय मध्य प्रदेश की जेलों में 42147 कैदी हैं। इनमें से लगभग 52 फ़ीसदी कैदी अंडर ट्रायल हैं।

मध्य प्रदेश की उप जेल लखनादौन, जिला जेल धार, केंद्रीय जेल ग्वालियर, केंद्रीय जेल रीवा, जिला जेल कटनी, जिला जेल छतरपुर, सर्किल जेल शिवपुरी तथा केंद्रीय जेल सागर सतना और इंदौर की जेल में क्षमता से अधिक कैदी बंद करके रखे गए हैं। यह स्थिति तब है, जब सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट कई बार निर्देश दे चुके हैं। अंडर ट्रायल कैदियों के बारे में हर महीने समीक्षा की जाए। इसके बाद भी स्थिति दिन प्रतिदिन बद से बदतर होती चली जा रही है। सबसे बड़ी बात यह है, जेल में जो भी कैदी हैं,वह सब न्यायिक हिरासत में होते हैं। इसमें न्यायपालिका की जिम्मेदारी सबसे ज्यादा है।

सिवनी के कई पदाधिकारी 6 साल के लिए निष्कासित

मप्र में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का बड़ा एक्शन

भोपाल । मध्यप्रदेश में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के भीतर चल रहे विवाद के बीच प्रदेश नेतृत्व ने सख्त कार्रवाई की है। पार्टी विरोधी गतिविधियों और अनुशासनहीनता के आरोप में छिंदवाड़ा और सिवनी जिले के कई पदाधिकारियों को 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है। पार्टी के इस फैसले से पार्टी कार्यकर्ता भी हैरान हैं। अचानक की गई इस कार्रवाई को एक बड़े विवाद से भी जोडक़र देखा जा रहा है।

मंडला में आयोजित गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष कमलेश टेकाम के नेतृत्व में यह निर्णय लिया गया है। जानकारी के अनुसार सिवनी जिले के छपारा-बंजारी क्षेत्र में कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ नारेबाजी की गई थी और सोशल मीडिया पर बयान व वीडियो प्रसारित किए गए थे, जिससे पार्टी की छवि प्रभावित हुई। जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर छिंदवाड़ा के पूर्व जिला अध्यक्ष देवीराम उर्फ देवरावन भलावी, युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रवीण धुर्वे, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष संदीप इनवाती और सिवनी के रावेनशाह उइके को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। इसके अलावा पूर्व विधायक रामगुलाम उइके और प्रदेश पदाधिकारी एडवोकेट महेश वटटी सहित कुछ अन्य नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी कर 15 दिनों में जवाब मांगा गया है।

अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं करेंगे

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश टेकाम ने बताया कि पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता खुलकर मेरा और पार्टी का विरोध कर रहे हैं। इसे लेकर गोंड़वाना गणतंत्र पार्टी ने ऐसे नेता और कार्यकर्ताओं पर अनुशासनहीनता का डंडा चला दिया है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी संगठन की मजबूती, अनुशासन और पार्टी की छवि को बनाए रखने को लेकर गंभीर है। कोई भी कार्यकर्ता पार्टी की छवि खराब करने का प्रयास करता है, तो उसपर इसी तरह की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। हाल ही में सिवनी और छिंदवाड़ा जिले के कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा की गई पार्टी विरोधी गतिविधियों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गया है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी इन दिनों अंदरूनी विवादों का शिकार है, पार्टी में कई गुट बन चुके हैं, जो अपने-अपने तरीके से क्षेत्रों में राजनीति कर रहे हैं और शायद यही बात पार्टी नेतृत्व को खटक रही है।

ई-चेक पोस्ट पर अब होगी लोड खनिज की पहचान भी

गड़बड़ी मिली तो वाहन मालिक को भेजा जाएगा मोबाइल पर ई-चालन

भोपाल। मप्र में अब हाईटेक तरीके से अवैध खनिज परिवहन और खनन को रोका रोकने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए राज्य सरकार ने 40 ई-चेक पोस्ट स्थापित किए है, जहां से फिलहाल केवल वाहनों की आवाजाही पर नजर रखी जा रही है। लेकिन अब ये ई-चेक पोस्ट वाहन में लोड खनिज की पहचान भी करेंगे और गड़बड़ी मिलने पर वाहन मालिक को ऑनलाइन मोबाइल पर ई-चालान भेजेंगे। गौरतलब है कि मप्र में खनिक संपदा का अवैध खनन और परिवहन लगातार हो रहा है। सरकार इनको रोकने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में अब प्रदेश में अवैध परिवहन पर ई-चेक पोस्ट नजर रखेंगे, गड़बड़ी पाई जाने पर आनलाइन चालान भी होगा। अवैध परिवहन की निगरानी के लिए राज्य स्तर पर भोपाल में कमांड एवं कंट्रोल सेंटर और भोपाल एवं रायसेन में जिला कमांड सेंटर स्थापित किए गए हैं। बता दें कि मप्र में 728 रेत खदानें वैध हैं, तो 200 से अधिक अवैध रेत खदानें भी संचालित हो रही हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने जून 2024 में कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद अभियान चलाकर देवास, सीहोर, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, खरगोन, हरदा एवं शहडोल सहित प्रदेशभर में अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण तथा ओवरलोडिंग के कुल लगभग 200 प्रकरण दर्ज कर डंपर, पोकलेन मशीन, पनडुब्बी इत्यादि जब्त करने के साथ 1.25 करोड़ रुपये का अर्थदंड लगाया गया।

जानकारी के अनुसार, ई-चालान के नियम बनाकर शासन को स्वीकृति के लिए भेजा है। नियम लागू होते ही ई-चेक पोस्ट से अवैध परिवहन पर संबंधित वाहन मालिक को मोबाइल पर ई-चालन भेजे जाएंगे। ई-चेक पोस्ट पर लगे आधुनिक कैमरे वाहन में लोड खनिज की पहचान भी करेंगे कि कौन सा खनिज परिवहन किया जा रहा है। इसके लिए साफ्टवेयर बनाया गया है, जिससे आधुनिक कैमरों को जोड़ा गया है। प्रदेश में अवैध परिवहन रोकने के लिए एआई आधारित इन ई-चेकपोस्ट पर वेरीफोकल कैमरा, आरएफआइडी लीडर, आटोमेटिक नंबर प्लेट रीडर की सहायता से खनिज परिवहन में संलग्न वाहनों की जांच की जाएगी। प्रदेश में वर्ष 2024-2025 में अवैध उत्खनन व परिवहन के 10,956 मामले दर्ज किए गए थे। इन पर केवल जुर्माने की ही कार्रवाई की गई, जबकि अवैध उत्खनन के गंभीर मामलों में सजा का भी प्रविधान है। कई बार उत्खननकर्ता खनिज अधिकारियों या उत्खनन रोकने आए अमले पर जानलेवा हमला करते हैं। गत वर्ष में भिंड में उत्खनन रोकने गए प्रशिक्षु पुलिस अधिकारी की मौत तक हो चुकी है। मध्य प्रदेश में 2025 में अवैध उत्खनन के 1565, अवैध परिवहन के 8540 और अवैध भंडारण के 851 मामले दर्ज किए गए।

गेहूं खरीदी का कोटा तय नहीं किया केंद्र ने

भोपाल। गेहूं खरीदी के लिए किसानों के लिए पंजीयन की अंतिम तारीख 7 मार्च है। इसके बाद भी केंद्र सरकार ने अभी तक मध्यप्रदेश में गेहूं खरीदी का कोटा तय नहीं किया है। पिछले वर्ष केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश का कोटा 100 लाख मैट्रिक टन से घटाकर 80 लाख मैट्रिक टन कर दिया था। पिछले साल मध्य प्रदेश सरकार ने 79 लाख मैट्रिक टन गेहूं की खरीद की थी। इस वर्ष मध्य प्रदेश में 365 लाख मैट्रिक टन गेहूं का उत्पादन होने का अनुमान है। केंद्र सरकार द्वारा अभी तक मध्य प्रदेश का कोटा तय नहीं किया है। मध्य प्रदेश सरकार ने खरीदी के लिए इसके लिए कोई पर्याप्त व्यवस्था नहीं की है। जिसके कारण किसान संगठनों एवं किसानों में घबराहट देखने को मिल रही है।

मध्य प्रदेश में 16 मार्च से गेहूं की खरीदी शुरू होने जा रही है। कुछ संभागों में 23 मार्च से शुरू होगी। अभी तक केंद्र सरकार द्वारा कोटे की स्थिति स्पष्ट नहीं की है। जिसके कारण किसानों में चिंता देखी जा रही है। पिछले साल जिस तरह की परेशानी किसानों को हुई थी। यदि उस तरह की परेशानी इस साल भी हुई। तो किसान संगठन विरोध करने सड़कों पर उतर सकते हैं।

90 प्रतिशत किसान कर्ज में डूबे, सरकार ने वादा पूरा नहीं किया

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शुक्रवार को भोपाल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य सरकार की कृषि नीतियों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार बार-बार कृषि को लाभ का धंधा बनाने का दावा करती है, लेकिन प्रदेश के किसानों की वास्तविक स्थिति बेहद चिंताजनक है। पटवारी ने कहा कि विपक्ष का काम केवल कमियां निकालना नहीं है, बल्कि प्रदेश के किसानों के हालात पर गंभीर चर्चा होना भी जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि पिछले दो दशकों में किसानों की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ और प्रदेश के लगभग 90 प्रतिशत किसान कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के लंबे कार्यकाल में कृषि को फायदे का धंधा बनाने की बात कही गई थी, लेकिन किसानों को इसका लाभ नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि सोयाबीन को 6 हजार रुपए प्रति क्विंटल और धान को 3100 रुपए प्रति क्विंटल खरीदने का वादा किया गया था, लेकिन सरकार ने अब तक यह वादा पूरा नहीं किया। जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री खुद को पहलवान बताते हैं, लेकिन कई बार अधिकारी ही उन्हें चित कर देते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार से 20 साल का नहीं, बल्कि सिर्फ पिछले एक साल का हिसाब मांग रही है।

पटवारी ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर प्रदेश में किसानों की स्थिति और केंद्र से मिलने वाली राशि को लेकर सवाल उठाए हैं। उनके मुताबिक केंद्र सरकार से प्रदेश को लगभग 24 हजार करोड़ रुपए मिलना था, लेकिन अब तक करीब 9 हजार करोड़ रुपए ही मिले हैं, जो कुल राशि का लगभग 21 प्रतिशत है।

आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों को होली पर भी नहीं मिला वेतन

- हजारों कर्मियों के घर फीका रहा त्योहार

भोपाल। मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य विभाग और एनएचएम के तहत काम कर रहे हजारों आउटसोर्स कर्मचारियों को होली जैसे बड़े त्योहार पर भी वेतन नहीं मिल पाया। महीनों से भुगतान न होने के कारण कर्मचारियों के परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, जिससे इस बार कई घरों में होली का त्योहार फीका रह गया।मध्यप्रदेश संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के अनुसार प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में करीब 30 हजार से अधिक आउटसोर्स कर्मचारी विभिन्न इकाइयों में सेवाएं दे रहे हैं। इनमें करीब 70 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं, जो वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं की जिम्मेदारी निभा रही हैं। इसके बावजूद कई कर्मचारियों को 4 से 8 महीने तक वेतन नहीं मिला है।

निजी एजेंसियों और ठेकेदारों की मनमानी

संघ ने आरोप लगाया कि निजी एजेंसियों और ठेकेदारों की मनमानी के कारण कर्मचारियों का शोषण हो रहा है। कई मामलों में कर्मचारियों को पूरा वेतन भी नहीं दिया जाता और कमीशनखोरी के चलते उनकी आय का बड़ा हिस्सा कट जाता है। संघ के मुताबिक कई जिलों में स्थिति बेहद गंभीर है। उज्जैन में 8 महीने, बैतूल में 4 महीने, सागर में 5 महीने, जबलपुर और ग्वालियर में करीब 2 महीने से कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है। ऐसे में कई परिवार उधार लेकर घर चला रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि बच्चों की स्कूल फीस तक नहीं भर पा रहे, जिससे पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह ने कहा कि अस्पतालों में आउटसोर्स कर्मचारी रीढ़ की हड्डी की तरह काम कर रहे हैं और रोजाना 8 से 10 घंटे ड्यूटी दे रहे हैं। बावजूद इसके उनके अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। लगातार बढ़ती महंगाई के बीच वेतन न मिलने से कर्मचारियों की हालत और खराब हो गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही वेतन भुगतान और शोषण की इस व्यवस्था पर सख्त कदम नहीं उठाए, तो प्रदेशभर के आउटसोर्स कर्मचारी राजधानी भोपाल में बड़ी संख्या में प्रदर्शन करेंगे और मजबूरी में सडक़ों पर उतरने को बाध्य होंगे।

प्राइवेट स्कूलों के लिए मान्यता का आखिरी मौका

भोपाल। लोक शिक्षण विभाग यानि डीपीआई हाईस्कूल व हायरसेकेण्डरी स्कूलों की नवीन मान्यता व नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू कर चुका है। बिना विलंब शुल्क के ऑनलाइन आवेदन के करने की तिथि निकल चुकी है। लेकिन विभाग ने 20 हजार विलंब शुल्क के साथ मान्यता के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीक्ष 10 मार्च रखी है।

आवेदन के बाद 25 मार्च तक संयुक्त संचालक शिक्षा के नेतृत्व में गठित टीम आवेदन वाले स्कूलों की छानबीन करेगा। इसके बाद जिन स्कूलों के आवेदन को समिति निरस्त करेगी, उसके लिए 25 अप्रैल तक अपील की जा सकती है। इन अपीलों का निराकरण डीपीआई 25 मई को करेगा। इसके बाद स्कूलों की मान्यता जारी कर दी जाएगी।

डीपीआई ने मान्यता की पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया है। सीबीएसई, आईसीएसई और अन्य बोर्डों से संबद्ध स्कूलों को भी इसी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है। सामान्य शुल्क के साथ आवेदन की समय-सीमा 15 फरवरी को समाप्त हो चुकी है, लेकिन स्कूलों को डीपीआई ने विलंब शुल्क के साथ 10 मार्च तक का आवेदन करने का समय दिया है।

वन रक्षक भर्ती परीक्षा पर लगेगी रोक!

भोपाल। मध्य प्रदेश में वन रक्षकों की भर्ती परीक्षा सवालों के घेरे में है। दरअसल, इस भर्ती में अनुसूचित जाति यानी एससी वर्ग के लिए पद आरक्षित नहीं किए गए है। वन रक्षकों के लिए निकली 728 पदों पर एससी के लिए एक भी पोस्ट नहीं है। ईएसबी के विज्ञापन में आरक्षण रोस्टर का पालन नहीं किया गया है। जिससे भर्ती परीक्षा अटक सकती है।

दरअसल, मध्य प्रदेश स्टाफ सिलेक्शन बोर्ड ने 1500 से ज्यादा पदों पर सीधी भर्ती निकाली हैं। जिनमें वनरक्षक के 728, जेल प्रहरी के 757 और असिस्टेंट जेल सुपरिटेंडेंट के लिए 25 पद शामिल है। इन पदों पर सीधी भर्ती होगी। इन पदों पर आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी हैं। वनरक्षक के लिए 728 पदों में अनारक्षित वर्ग के लिए 185, एसटी के लिए 84, ओबीसी के लिए 117 और ईडब्ल्यूएस के लिए 48 पद आरक्षित है। एससी वर्ग के लिए एक भी पद आरक्षित नहीं किया गया है। ईएसबी के विज्ञापन में आरक्षण रोस्टर का पालन नहीं है।

आरक्षण रोस्टर का पालन न होने पर भर्ती परीक्षा अटक सकती है। आपको बता दें कि इन पदों पर आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी हैं। 28 फरवरी से फॉर्म भरें जा रहे है। 14 मार्च तक एप्लीकेशन लिया जाएगा। 19 मार्च 2026 तक फॉर्म में सुधार करने की आखिरी तारीख तय की गई है। वहीं 7 अप्रैल को वन रक्षकों की भर्ती परीक्षा होनी है।

अब एफडीआर तकनीक से बनेंगी सडक़ें

आधी लागत में सडक़ की मजबूती हो जाती है दोगुनी

भोपाल । मप्र में अब सडक़ निर्माण में हाईटेक सिस्टम का उपयोग शुरू किया जाएगा। यह तकनीक है फुल डेप्थ रिक्लेमिनेशन (एफडीआर)। एफडीआर पद्धति से प्रदेश की पहली सडक़ सीहोर में बनी थी। इस पद्धति से सडक़ निर्माण में आने वाली लागत आधी रह जाती है, जबकि इससे बनी सडक़ की मजबूती भी अन्य सडक़ की तुलना में दोगुना होती है। इससे अब प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में सडक़ों का निर्माण एफडीआर तकनीक की मदद से किया जाएगा। इस तकनीक से सडक़ों का निर्माण करने से यह फायदा होगा कि सडक़ बनाने में पुराने मटेरियल का उपयोग हो जाएगा, निर्माण लागत कम आएगी और समय की बचत होगी।

फुल डेप्थ रिक्लेमेशन एक टिकाऊ और लागत प्रभावी सडक़ पुनर्निर्माण तकनीक है। इसमें मौजूदा डामर और उसके नीचे के बेस/सब-बेस को पूरी गहराई तक पीसकर, सीमेंट या बिटुमिनस इमल्शन जैसे स्टेबलाइजर्स के साथ मिलाया जाता है, जिससे एक मजबूत बेस तैयार होता है। यह 90 प्रतिशत तक नई सामग्री की जरूरत को कम करता है। इसमें एक ही मशीन के जरिए पुरानी सडक़ की सतह (150-300+ एमएम गहराई) को पीसकर उसमें योजक (चूना, सीमेंट, या बिटुमिनस इमल्शन) मिलाकर और फिर उसे कॉम्पैक्ट करके सडक़ को नया आधार दिया जाता है। इसमें पुरानी सामग्रियों का उपयोग होता है, जिससे मलबे को फेंकने और नई सामग्री लाने की जरूरत 90 प्रतिशत तक कम हो जाती है, जो पर्यावरण के लिए बेहतर है। इस तकनीक से निर्माण लागत कम आती है और सडक़ अधिक मजबूत होती है। सडक़ निर्माण में समय कम लगता है।

विभाग ने तैयार किया प्लान

जानकारी के अनुसार, नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने इसका प्लान तैयार कर लिया है। प्रदेश में 16 नगर निगम, 99 नगर पालिका और 298 नगर परिषद यानी कुल 413 नगरीय निकाय हैं। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक प्रदेश के नगर निगमों से लेकर अन्य नगरीय निकाय भारी-भरकम कर्ज तले दबे हैं। यही वजह है कि नगरीय विकास एवं आवास विभाग स्थानीय निकायों में कम से कम खर्च में विकास कार्य करने के उपाय ढूंढने पर काम करता रहता है। इसी कड़ी में शहरी क्षेत्रों में सडक़ों के निर्माण पर खर्च होने वाली राशि में कटौती के लिए फुल डेप्थ रिक्लेमिनेशन तकनीक से सडक़ें बनाने का प्लान बनाया गया है। एफडीआर तकनीक एक रिसाइकिलिंग पद्धति है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कई नगरीय निकायों से ये शिकायतें आती हैं कि सीमेंट-कांक्रीट की सडक़ों की ऊंचाई ज्यादा होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। मकानों और दुकानों में बारिश का पानी भरने लगता है। वाहन चलाने में मुश्किल होती है। एफडीआर तकनीक से सडक़ों की ऊंचाई नहीं बढने से ये समस्याएं सामने नहीं आएंगी।

कुछ सडक़ों का निर्माण सफल

जानकारी के मुताबिक इससे पूर्व प्रदेश में एफडीआर तकनीक से कुछ सडक़ों का निर्माण किया जा चुका है। एफडीआर तकनीक से पहली सडक़ सीहोर से श्यामपुर तक बनाई गई थी। इस सडक़ की लंबाई करीब 24 किलोमीटर है। इसके निर्माण पर करीब 30 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। सडक़ बनने के सालभर के अंदर पहली ही बारिश में यह सडक़ उखड़ गई थी। भोपाल में एफडीआर तकनीक से पहली सडक़ 11 मील से बंगरसिया (भोजपुर रोड) तक बनाई जा रही है। इस तकनीक से 11 मील से बंगरसिया तक 6 किलोमीटर लंबी सडक़ के निर्माण पर 50 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इस टू-लेन सडक़ को फोरलेन में बदला जा रहा है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का कहना है कि अब हम प्रदेश के नगरीय निकाय क्षेत्रों में एफडीआर तकनीक के माध्यम से सडक़ें बनाएंगे। इस तकनीक में पहले से बनी हुई सडक़ों को उखाडक़र उसी मटेरियल का रीयूज किया जाएगा। इससे सडक़ निर्माण की लागत कम आएगी। निर्माण कार्य जल्दी होगा। सडक़ की ऊंचाई भी नहीं बढ़ेगी।

सैमसन ने जीत का श्रेय बुमराह को दिया

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज संजू सैमसन को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में उनकी 89 रनों की शानदार पारी के लिए मैन ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। अवार्ड लेने के बाद सैमसन ने टीम की जीत का श्रेय जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी को देते हुए कहा कि उनके जैसे गेंदबाज पीढ़ी में एक बार ही आते हैं ऐसे में इस अवार्ड पर उनका अधिकार है। सैमसन ने कहा कि अगर बुमराह ने डेथ ओवर्स में कसी हुई गेंदबाजी नहीं की होती तो आजा परिणाम कुछ और होता। बुमराह ने 15 वें से लेकर 19 वें ओवर के बीच बुमराह ने 2 ओवरों में एक भी बाउंड्री नहीं जाने दी। उनका साथ हार्दिक ने दिया। इससे मैच भारतीय टीम की पकड़ में आ गया।

इंग्लैंड को जीत के लिए अंतिम 5 ओवर में 69 रन चाहिए थे और जैकब बेथेल काफी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। ऐसे में मैच बराबरी पर था पर इसके बाद गेंदबाजी के लिए आये बुमराह ने अपने अगले ओवर में केवल 8 रन दिये। इससे इंग्लैंड पर दबाव बढ़ा जिस कारण दूसरे बल्लेबाजी सैम करन बड़ शॉट लगाने के फेर में आउट हो गये। इसके बाद बुमराह ने 18 वे ओवर में भी केवल 6 रन देकर विरोधी टीम के लिए लक्ष्य का पीछा असंभवी सा बना दिया। बुमराह के इन दो ओवरों से ही मैच में अंतर आया। सैमसन ने कहा कि पांड्या ने भी 19वां ओवर काफी अच्छा किया। हार्दिक ने 19वें ओवर में मात्र 9 रन दिए थे। हार्दिक के इस ओवर की वजह से इंग्लैंड को आखिरी ओवर में 30 रन बनाने थे, जो एक बेहद कठिन लक्ष्य था जिसका पीछा करते हुए इंग्लैंड 22 रन बना सकी और 7 रन से मैच हार गयी।

बुमराह ने 4 ओवर में 33 रन देकर 1 जबकि हार्दिक पांड्या ने 4 ओवर में 38 रन देकर 2 विकेट लिए।

वहीं सैमसन ने 42 गेंदों पर 7 छक्कों और 8 चौकों की सहायता से 89 रन बनाये जबकि शिवम दुबे ने 25 गेंदों पर 43 व ईशान किशन के 18 गेंदों पर 39 रन बनाये। इंग्लैंड की ओर से जैकब बेथेल ने 48 गेंदों पर 7 छक्कों और 8 चौकों की सहायता से 105 रन बनाये।

सिद्धू ने पाक क्रिकेटर आमिर पर कसा तंज, झूठी भविष्यवाणियों से कुछ नहीं होता

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने भारतीय टीम के टी20 विश्वकप फाइनल में पहुंचने के बाद पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर पर निशाना साधते हुए उन्हें ढोंगी बाबा कहा है। सिद्धू ने आमिर की भविष्यवाणियों का मजाक उड़ाते हुए कहा है कि भीख में सिंहासन नहीं मिलता इसके लिए मैदान में प्रदर्शन करना पड़ता है। इससे पहले आमिर ने एक टीवी शो में कहा था कि भारतीय टीम सेमीफाइनल हार जाएगी क्योंकि उसके खेल में कई जगह पर कमियां हैं पर वह गलत निकली हैं। भारतीय टीम इंग्लैंड को रोमांचक मुकाबले में हराकर फाइनल में पहुंची है।

सिद्धू ने वीडियो में सिद्धू आमिर की बार-बार की गई भविष्यवाणियों की आलोचना करते हुए कहा है कि उनकी सभी बातें गलत रही हैं। आमिर ने कहा था कि भारत टूर्नामेंट में आगे नहीं बढ़ पाएगा। साथ ही कहा कि हमारे आसपास के लोगों को झूठी भविष्यवाणी करने की बहुत आदत है। अगर सही हो जाए तो ठीक, नहीं तो उसे नजरअंदाज कर देते हैं। अगर सही हो जाए तो कहते हैं तीर चल गया, नहीं तो कहते हैं अंदाजा था और फिर अपने को ज्ञानी समझते हैं। हाथ ही कहा कि ऐसे लोग सिर्फ ढोंगी बाबा हैं। पहले कहा कि भारत क्वालीफाई नहीं करेगा, सेमीफाइनल में नहीं पहुंचेगा और वेस्टइंडीज व दक्षिण् अफ्रीका जीतेंगे पर दोनो ही टीमें हार गयीं। इसके बाद इंग्लैंड भी बाहर हो गयी। उन्होंने आमिर पर तंज कसा कि खाली बर्तन सबसे ज्यादा आवाज करते हैं। यही बात है।

शास्त्री ने बताया सैमसन की सफलता का राज

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने संजू सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके प्रदर्शन में ये अंतर मानसिक मजबूती के कारण आया है। शास्त्री ने कहा कि संजू को अहसास हो गया है कि टीम में बने रहने के लिए निरंतरता की जरुरत है। सैमसन ने विश्व कप में प्रदर्शन में निरंतरता और बेहतर शॉट चयन के सहारे अपने प्रदर्शन में बदलाव किया है।

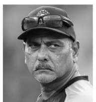

शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि उन्हें यह अहसास हो रहा है और वह इस बात को स्वीकार कर रहे हैं कि उन्हें अपने प्रदर्शन में अधिक निरंतरता की जरूरत है। उन्हें अपने शॉट चयन में अधिक समझदारी दिखानी होगी और अपने मजबूत पक्षों पर भरोसा करना होगा। संजू के साथ दिक्कत यह है कि उनके पास हर तरह के शॉट हैं, लेकिन एकाग्रता में कमी है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह मानसिक रूप से मजबूत हो गया है। जब से वह टीम में आया है तब से किसी ने भी उसकी योग्यता पर संदेह नहीं किया। लोग इस बात से निराश हैं कि उनके प्रदर्शन में अब तक जो निरंतरता दिखनी चाहिए थी वह नहीं दिख रही है। लेकिन अब वह परिपक्क हो गया है।

सैमसन के सलामी जोड़ीदार अभिषेक शर्मा की फॉर्म फाइनल से पहले भारत के लिए चिंता का विषय है। अभिषेक टी20 विश्व कप में सात पारियों में केवल 89 रन ही बना पाए हैं, लेकिन शास्त्री का मानना ??है कि भारत को टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज को ही मौका देना चाहिए। शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि उन्हें टीम में बनाए रखना चाहिए। टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है और उसमें किसी तरह के बदलाव की जरूरत नहीं है।

अभिषेक को फाइनल के लिए टीम से बाहर किये जाने संभावना नहीं

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा जिस प्रकार से विश्वकप क्रिकेट के अब तक के मैचों में असफल रहे है उसके बाद से ही उनके फाइनल के लिए टीम में रहने को लेकर संशय पैदा हो गया है हालांकि उन्हें टीम से बाहर किये जाने की संभावनाएं नहीं हैं। माना जा है कि खिताबी मुकाबले के लिए टीम में बदलाव का जोखिम प्रबंधन नहीं लेगा। इस टूर्नामेंट में भारत के दो सलामी बल्लेबाजों की किस्मत एकदम से विपरीत रही। अब सभी की नजरें इस बात पर रहेंगी कि अभिषेक इस मुकाबले में कैसा प्रदर्शन करते हैं। वह अपने पिछले छह मैचों में 0, 0, 0, 15, 10 और 9 रन ही बना पाये हैं।

वे केवल एक ही मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ 50 से अधिक रन बना पाये थे। माना जा रहा है कि टीम प्रबंधन फाइनल मुकाबले के लिए शीर्ष क्रम में कोई बदलाव नहीं करेगा। इंग्लैंड के खिलाफ मैच के बाद अभिषेक के सलामी जोड़ीदार संजू सैमसन ने कहा, हम अपने सभी खिलाड़ियों का ध्यान रख रहे हैं। साथ ही कहा कि कोच और कप्तान को को अभिषेक पर पूरा भरोसा है।

गौरतलब है कि मुंबई में पहले लीग मैच के बाद अभिषेक के पेट में संक्रमण हो गया था जिसके लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। इससे उनका वजन कम हो गया और प्रतियोगिता के महत्वपूर्ण चरण के दौरान उनकी लय बिगड़ गई। यही नहीं विरोधी टीमों ने उनपर अंकुश लगाने के लिए शुरुआती ओवरों में धीमी गति के गेंदबाजों का इस्तेमाल किया है, विशेषकर ऑफ स्पिनरों और बाएं हाथ के स्पिनरों का। इससे उन्हें पारी की शुरुआत में वह गति नहीं मिल पाती जिसके साथ वे खेलना पसंद करते हैं। इस कारण वह शुरुआत में ही अपने विकेट गंवा रहे हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ पावरप्ले में उन्होंने ऑफ स्पिनर पर आक्रामक शॉट खेलने के प्रयास में कैच दे दिया था। वहीं नीदरलैंड के खिलाफ ऑफ स्पिनर ने उन्हें कोण लेती गेंद पर आउट किया। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में भी धीमी गेंद पर शॉट खेलने की कोशिश में वह फिर से जल्दबाजी कर बैठे और मनचाहा शॉट नहीं लगा पाए। एक और तकनीकी पहलू उनके बल्ले के डाउनस्विंग की गति है। जब गेंद तेजी ये आती है तो तेज डाउनस्विंग के कारण उन्हें धीमी गेंदों से तालमेल बिठाने में मुश्किल हो सकती है। भारत के पास अंतिम मैच में रिंकू सिंह को टीम में शामिल करने का विकल्प है पर इससे बल्लेबाजी संयोजन पर असर पड़ सकता है जो टीम नहीं चाहेगी।

ब्रूक की गलतियां इंग्लैंड टीम को भारी पड़ीं

मुम्बई । टी20 विश्वकप से इंग्लैंड टीम के बाहर होते ही उसके कप्तान हैरी ब्रूक की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। भारत के साथ महत्वपूर्ण सेमीफाइनल मुकाबले में ब्रुके की गलतियां टीम को भारी पड़ी हैं। पहली गलती ये थी कि मैच में टॉस जीतने के बाद भी उन्होंने पहले गेंदबाजी का फैसला किया थ। शुरु में जब भारतीय टीम के बल्लेबाज .अभिषेक शर्मा आउट हुए तो लगा कि फैसला सही था पर इसके बाद जिस प्रकार से भारतीय बल्लेबाजों ने खेला उससे हैरी गलत साबित हुए। भारतीय बल्लेबाजों ने आसानी से रन बनाये। वहीं हेरी से तब दूसरी बड़ी गलती हुई जब उन्होंने जोफ्रा आर्चर की गेंद पर भारतीय बल्लेबाज संजू सैमसन का हाथ में आया कैच गिरा दिया। उस समय सैमसन केवल 15 रनों पर खेल रहे थे। इसके बाद उन्होंने इस अवसर का लाभ उठाते हुए 89 रन बनाकर भारतीय टीम को काफी अच्छी में पहुंचा दिया।

ब्रूक की इस गलती के कारण ही भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 253 रन बना दिये। आईसीसी टी20 विश्व कप के नॉकआउट में ये सबसे बड़ा स्कोर है। सैमसन के अलावा भारततीय टीम की ओर से शिवम दुबे और ईशान किशन ने भी तेज पारियां खेलीं। वहीं ही इंग्लैंड की टीम जैकब बेथल के शतक बाद भी 7 रन से हार गयी। इस मैच में अगर ब्रूक ने सैमसन को वह कैच पकड़ लिया होता तो भारतीय टीम शायद ही 200 से ऊपर बना पाती।

वहीं इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की ओर से जैकब बेथल ने शतक लगाया पर वह इसके बाद भी 246 रन ही बना पायी और 7 रनों से हार गयी। ब्रूक बल्लेबाजी के दौरान शुरुआत में ही आउट हो गये और दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। ऐसे में इस मैच में अपने गलत फैसलों का पछताव उन्हें ताउम्र रहेगा।

8 से 14 मार्च तक खेले जाएंगे एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर

हैदराबाद। एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर 8 से 14 मार्च तक खेले जाएंगे। इसके लिए टीमों का भारत आने का सिलसिला शुरु हो गया है। इसी के तहत ही सबसे पहले इटली की टीम हैदराबाद, तेलंगाना पहुंच गयी है। आठ से 14 मार्च तक होने वाले इस टूर्नामेंट में आठ देश मुकाबला करेंगे। इस टूर्नामेंट में आठ देशों शामिल रहेंगे। इसमें इटली को पूल ए में जगह मिली है। इसमें उसका सामना इंग्लैंड, कोरिया और ऑस्ट्रिया से होगा। इटली ने पहले दो बार एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था। उसने पहली बार 1976 में और 2018 में क्वालीफाई किया था। तब वह नौवें स्थान पर रही थी। इस बार इटली अपना पहला मुकाबला 8 मार्च को इंग्लैंड से खेलेगी।

आईपीएल की तैयारियों के लिए 15 मार्च को अपने घरेलू मैदान पर उतरेगी आरसीबी - प्रसाद

मुम्बई। गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीलएल की तैयारियों के लिए 15 मार्च को अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में उतरेगी। अभी राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) इस स्टेडियम में सभी तैयारियों को पूरा करने के इंतजाम कर रहा है। केएससीए के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद को उम्मीद है कि 15 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम के एकत्रित होने से पहले एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सभी जरुरी इंतजाम पूरे कर लिए जाएंगे। आरसीबी ने इससे पहले कहा था कि वह आईपीए 2026 के शुरुआती मैच सहित पांच लीग मैच इस स्टेडियम में खेलेगी जिसके साथ ही घरेलू मैदानों को लेकर जारी संदेश दूर हो गया था। प्रसाद ने कहा, ''हां, अब भी स्टेडियम में कुछ काम बचा हैं और जहां तक हमारा सवाल है यह तय समय सीमा के अंदर पूरा हो जाएगा जो हमने महेश्वर राव की अध्यक्षता वाली (राज्य द्वारा नियुक्त) विशेषज्ञ समिति को दी है।

सैमसन,बुमराह सहित इन खिलाड़ियों की भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका रही

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ मिली 7 रनों की जीत के साथ ही टी20 विश्वकप के फाइनल में प्रवेश किया है। भारतीय टीम को ये जीत आसानी से नहीं मिली और इंग्लैंड टीम ने अंत तक संघर्ष किया। इस मैच में भारतीय टीम की जीत में बल्लेबाज संजू सैमसन की 89 रनों की आक्रामक पारी के अलावा जसप्रीत बुमराह की सधी हुई गेंदबाजी की भी अहम भूमिका रही। मैच में अक्षर पटेल के लिए उसे कठिन कैच को कौन भूल सकता है जो उन्होंने पकड़कर मैच का रुख पलट दिया। भारतीय टीम की जीत में इन खिलाड़ियों की अहम भूमिका रही।

शिवम दुबे

शिवम ने बल्लेबाजी में 25 गेंदों पर 43 रनों की आक्रामक पारी खेलने के बाद अंतिम ओवर भी फेंका

हार्दिक पांड्या

हार्दिक ने भारतीय टीम की ओर से 19 वें ओवर में केवल 9 रन देकर सैम कुरेन का विकेट लेने के साथ ही अंतिम ओवर में बाउंड्री से सीधा थ्रो फेंककर जैकब बेथल को रन-आउट कर भारतीय टीम की जीत तय कर दी।

जसप्रीत बुमराह

बुमराह ने इस मैच में 8.2 की इकोनॉमी से गेंदबाजी की। उन्होंने अंतिम ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी कर इंग्लैंड के बल्लेबाजों का रन बनाने का कोई अवसर नहीं दिया। इससे भारतीय टीम मैच में बनी रही।

अक्षर पटेल

अक्षर ने विल जैक्स का बाउंड्री पर एक मुश्किल कैच पकड़क मैच में भारत को हावी कर दिया। दौड़ते हुए संतुलन बनाना और फिर कैच को शिवम दुबे की ओर उछाल देना मैच का सबसे महत्वपूर्ण क्षण रहा।

संजू सैमसन

सैमसन ने अपनी 42 गेंदों में 89 रनों की पारी से भारतीय टीम को एक बड़े स्कोर तक पहुंचाया। पारी की शुरुआत में ही अभिषेक शर्मा का विकेट निकल जाने के बाद भी सैमसन एक छोर पर टिके रहे।

पिछले दौर को याद कर भावुक हो गये सैमसन

मुंबई। टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में 89 रनों की आक्रामक पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले बल्लेबाज संजू सैमसन आज प्रशंसकों के दिलों में छाये हुए हैं। सैमसन ने इससे पहले सुपर-8 के मैच में भी काफी अच्छी पारी खेली थी पर इससे पहले का उनका समय खराब रहा था। इसी कारण वह विश्वकप के शुरुआती मैचों में भी शामिल नहीं किये गये थे, उस दौर को याद कर वह भावुक हो गये। इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के पांच मैचों में वह रन नहीं बना पाये थे। इस बल्लेबाज ने भी कहा है कि पिछले नौ महीने उनके लिए बेहद निराशाजनक रहे और उस दौर से बाहर आना उनके लिए काफी मुश्किल रहा है।

इसी कारण विश्वकप के शुरुआती मुकाबलों में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल पाई थी और वह ज्यादातर समय बेंच पर बैठे रहे पर सुपर-8 के अंतिम मैच के बाद सेमीफाइनल में अवसर मिलने पर उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को बेहतर हालात में पहुंचा दिया। सुपर-आठ में उन्होंनें वेस्टइंडीज के खिलाफ 97 रन बनाये थे।

मैच के बाद सैमसन ने कहा कि पिछला दौर उनके करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण दौरों में से एक रहा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि पिछले नौ महीने मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण थे। मैं हमेशा टीम के लिए योगदान देना चाहता था और विश्व कप जीतने में सहायता करना चाहता था।

सैमसन ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान वह बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आए थे पर उस दौरान वह रन नहीं बना पाए। इसी कारण से वह थोड़ा अधिक दबाव में थे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उस समय मैं थोड़ा ज्यादा प्रयास कर रहा था। मैं बेहतर प्रदर्शन कर विश्व कप की अंतिम ग्यारह में जगह बनाना चाहता थ, मुझे लगा कि मुझे खेल का सम्मान करते हुए इसकी मूल बातों पर वापस जाना होगा।

इस मुश्किल दौर से बाहर निकलने के लिए उन्होंने अपना फोन तक बंद रख दिया था। . उन्होंने कहा कि उन्होंने अपना फोन तक बंद कर दिया था और सोशल मीडिया से भी दूरी बना ली थी। सैमसन ने मैच के बाद कहा, उस समय मेरे करीबी लोग मेरे साथ थे। मैंने बाहरी आवाजें सुनना बंद कर दिया था। मैंने अपना फोन बंद कर दिया और सोशल मीडिया पर भी नहीं था। बहुत कम लोगों से बात करता था। इससे मुझे सही दिशा में ध्यान देने में सहायता मिली। उन्हें हालांकि इसका लाभ मिला जब दायें और बाएं संयोजन के लिए शीर्ष पर मांग उठी तो उनकी वापसी हुई।

बॉलीवुड सितारों ने भारतीय टीम को बधाई दी, बोले अब विश्वकप फाइनल भी जीतेंगे

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के इंग्लैंड को हराकर टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंचने से उत्साहित बॉलीवुड सितारों ने टीम को उसके जबरदस्त प्रदर्शन पर बधाई देते हुए उम्मीद जतायी है कि अब वह खिताब जीतेगी। अभिनेता अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर डांस करने वाला एक वीडियो भी जारी किया है। उन्होंने साथ ही लिखा, इस तरह से आप शानदार तरीके से फाइनल की ओर बढ़ते हैं। शानदार जीत के लिए टीम को बधाई। वहीं अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने भी शानदार जीत पर टीम को बधाई दी। उन्होंने लिखा, नीली जर्सी पहने भारतीय टीम को बधाई। शानदार मुकाबले में भारतीय टीम भारी पड़ी। टी20 का फाइनल में प्रवेश काफी अच्छा रहा।

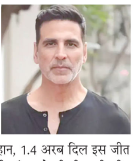

वहीं अभिनेता सोनू सूद ने भी भारतीय टीम की तस्वीर साझा कर लिखा, मेरा भारत महान, 1.4 अरब दिल इस जीत की खुशी मना रहे हैं। वहीं सांसद और अभिनेत्री कंगना ने भी टीम की जीत पर खुशी जाहिर की है और उम्मीद जताई है कि फाइनल में भी भारतीय टीम जीतेगी। उन्होंने सोशल मीडिया में टीम की तस्वीर साझा कर लिखा कि अब फाइनल में तिरंगा लहरायें।वहींअंगद बेदी ने टीम के नाम बहुत प्यारा पोस्ट लिखा है, जिसमें उन्होंने जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल की प्रशंसा की है। उन्होंने लिखा, फाइनल में जाने के रास्ते साफ हो चुके हैं, और इससे पूरी भारतीय टीम का हौसला बुलंद है। बुमराह की शानदार गेंदबाजी और अक्षर के पकड़े गए दो कैच से मैच का रुख बदला।वहीं, सुनील शेट्टी ने पूरी टीम को बधाई देते हुए अक्षर पटेल की प्रशंसा की है। उन्होंने लिखा, पूरी टीम ने मैच में शानदार प्रदर्शन किया पर अक्षर के दो शानदार कैच से मैच का रुख बदल गया।

ईरान के फीफा विश्वकप में भाग लेने की संभावना नहीं

इराक या यूएई को मिल सकता है अवसर

लास एंजिल्स । अमेरिका और इजरायल से जारी संघर्ष को देखते ईरान का आगामी फीफा विश्व कप फुटबॉल से हटना तय है। ईरान को विश्व कप के ग्रुप जी चरण में रखा गया है और उसके तीनों ही मैच अमेरिका में होने हैं और अभी के हालातों कों देखते हुए ये संभव नहीं है कि ईरान अपनी टीम भेजे। उसके मैच कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ रखे गये हैं। इसके बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्त्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मुकाबला खेलना है। विश्व कप का कार्यक्रम जब बना था तब हालात अलग थे पर जिस प्रकार से अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले किये है और जवाबी कार्रवाई में ईरान ने भी इजरायल और खाड़ी में अमेरिकी ठिकाने को निशाना बनाया है उससे हालात काफी खराब हो गये हैं। एशियाई फुटबॉल महासंघ के उपाध्यक्ष और ईरान के शीर्ष फुटबॉल अधिकारी मेहदी ताज ने कहा, ''निश्चित रूप से इस हमले के बाद हम विश्व कप में भाग लेने की उम्मीद नहीं कर सकते।''

अभी यह तय नहीं है कि ईरान 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप के लिए अपनी टीम भेजेगा या नहीं या अमेरिका की सरकार उसकी टीम को अपने यहां आने की अनुमति देती है या नहीं। फीफा ने अभी तक मामले पर कोई बयन नहीं दिया है। ईरान ने पिछले आठ विश्व कप में से छह के लिए क्वालीफाई किया है। वह 211 टीमों की फीफा विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर है। अगर ईरान विश्व कप से हट जाता है तो उसके फुटबॉल महासंघ को कम से कम 10.5 मिलियन डॉलर का नुकसान होगा। इसके अलावा उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। यदि ईरान विश्व कप से हटता है तो एशिया से उसके संभावित विकल्प इराक या यूएई को शामिल कर सकता है। इराक और यूएई एशियाई क्वालीफाइंग में नौवें और दसवें स्थान पर रहे थे इराक ने प्लेऑफ में यूएई को हरा दिया था और अब विश्व कप में जगह बनाने के लिए उसे 31 मार्च को बोलीविया या सूरीनाम के खिलाफ मैच में खेलना है। इस मैच में जीत से वह विश्व कप में खेल सकेगा।

फॉर्मूला वन ऑस्ट्रेलियाई ग्रैंड प्रिक्स के कार्यक्रम में बदलाव नहीं - औल्ड

मेलबर्न। खाड़ी में जारी संघर्ष के बाद भी फॉर्मूला वन ऑस्ट्रेलियन ग्रैंड प्रिक्स का आयोजन तय समय पर ही किया जाएगा। इसकी अभ्यास रेस 6 मार्च से शुरु होगी। वहीं मुख्य रेस 8 मार्च को होगी। ऑस्ट्रेलियाई ग्रैंड प्रिक्स कॉर्पोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ट्रैविस औल्ड ने कहा है कि अधिकारियों, टीम सदस्यों और ड्राइवरों पर इस संघर्ष का कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा है। ऐसे में सत्र की इस पहली रेस के कार्यक्र में बदलाव नहीं होगा। औल्ड ने माना है कि ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के करण बड़े स्तर पर उड़ानों के रद्द होने से कुछ टीमों को अपनी यात्रा योजनाएं बदलनी पड़ी हैं। इसी को देखते हुए कि फॉर्मूला वन टीम के अधिकारी इस प्रयास में लगे हैं कि ड्राइवर और टीम के लोग वैकल्पिक रास्तों से सुरक्षित रुप से मेलबर्न पहुंच सकें। औल्ड ने कहा, हर कोई रेस के लिए यहां आने तैयार है , इससे प्रशंसकों को तय कार्यक्रम के अनुसार ही रेस देखने को मिलेगी जो उनके लिए भी राहत की बात है । उन्होंने कहा, कुछ ड्राइवर और कुछ टीम सदस्य पहले से ही ऑस्ट्रेलिया में हैं पर ब्रिटेन और यूरोप से कई सदस्यों को आना है जिसमें रेसर भी शामिल हैं। ऐसे में इन्हें कोई अन्य वैकल्पिक रास्ता देखना होगा। मुझे भरोसा है कि वे लोग भी इस बारे में विचार कर रहे होंगे। वहीं स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दो हजार एफ वन कर्मचारियों को पश्चिम एशिया में फंसने से बचने के लिए यूरोप से मेलबर्न के लिए अपनी उड़ानों को फिर से पुर्नप्रबंधित करना होगा। फार्मुला वन करीब 500 स्टाफर्स को तीन विशेष उड़ानो से लाने का प्रयास कर रहा है।

भारत-इंग्लैंड मैच में धोनी रहे आकर्षण का केन्द्र

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां हुए दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर टी20 विश्वकप के फाइनल में पहुंच गयी है। जहां अब उसका मुकाबला रविवार को न्यूजीलैंड से होगा। भारतीय टीम का गत दिवस इंग्लैंड से हुआ सेमीफाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और इसमें भारतीय टीम 7 रनों से जीत हासिल करने में सफल रही। सेमीफाइनल मुकाबले में पूर्व भारतीय कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी स्टेडियम में उपस्थित थे और ऐसे में वह सभी के आकर्षण का केन्द्र रहे। भारतीय टीम की जीत के साथ ही सोशल मीडिया पर थाला फॉर अ रीजन की वायरल फ्रेज सोशल मीडिया में आने लगी।

गौरततब है कि धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में थाला के नाम से जाना जाता है। उनकी जर्सी सात भी इसके बाद प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय रही। ऐसे में भारतीय टीम की जीत के साथ ही सोशल मीडिया पर धोनी की मौजूदगी को जीत का कारण बताते हुए पोस्ट की बाढ़ आ गई। कई यूजर्स ने थाला फॉर अ रीजन फ्रेज को बार-बार दोहराया, जो रातभर ट्रेंड करता रहा।

भारतीय टीम की इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में जो जीत के दौरान नंबर 7 का संयोग सुखद रहा। भारतीय टीम ने 7 विकेट खोकर 253 रन बनाए। इंग्लैंड की टीम भी 7 विकेट पर 246 रन बनाने में सफल रही। भारतीय टीम 7 रन से जीती। इस मैच में भारतीय टीम की ओर से संजू सैमसन ने 7 छक्के लगाये। इंग्लैंड के लिए शतक लगाने वाले जैकब बेथल ने भी 7 छक्के लगाये।

धोनी की जर्सी नंबर और इस फ्रेज को लेकर पिछले कुछ सालों में कई मीम्स वायरल हुए हैं, जो आम तौर पर क्रिकेट या अन्य संदर्भों में नंबर सात के दिखने पर सामने आते हैं। धोनी ने स्वयं साल 2024 में एक वीडियो में इस ट्रेंड पर बात करते हुए माना था कि उन्हें इसके बारे में पता है, लेकिन इसकी शुरुआत का कारण पूरी तरह नहीं समझते। उन्होंने कहा मुझे पता है, लेकिन मुझे इसके पीछे की वजह नहीं पता।

जिले में 19 मार्च से प्रारंभ होगा जल गंगा संवर्धन अभियान

कलेक्टर ने अधिकारियों की बैठक लेकर अभियान की तैयारियों के लिए दिये निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन तथा जल संरक्षण के लिए आगामी 19 मार्च से प्रदेश के सभी जिलों के साथ ही बालाघाट जिले में भी जल गंगा संवर्धन अभियान प्रारंभ किया जाएगा। जिले में इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर मृणाल मीना ने 06 मार्च को अधिकारियों की बैठक लेकर इस अभियान के लिए सभी आवश्यक तैयारियॉ करने के निर्देश दिये।

नगरीय क्षेत्रों में सभी शासकीय भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कार्य किये जाएंगे

बैठक में बताया गया कि 19 मार्च से प्रारंभ होने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में जल संरक्षण के कार्य कराये जाने है। इसके साथ ही जल स्त्रोतों, कुओं एवं पुरानी बावडियों के संरक्षण के लिए कार्य करना है। जल संरक्षण के लिए तालाब, स्टॉप डेम, चेकडेम, कंटूर ट्रेंच एवं अन्य संरचनाओं का निर्माण करना है। नगरीय क्षेत्रों में नालों एवं नालियों का सौंदर्यीकरण किया जाना है। नगरीय क्षेत्रों में इस कार्य को स्वच्छता सर्वेक्षण के साथ जोडकर करने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीना ने नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि नगरीय क्षेत्रों में स्थित सभी शासकीय भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य करना है। इसके साथ ही नगरीय क्षेत्रों में ग्रीन एरिया डेवलपमेंट के कार्य करना है और अमृत योजना के कार्यों को पूर्ण करना है।

आंगनवाडी केंद्रो में पोषण वाटिका एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कार्य होंगे

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जिले में जिन आंगनवाडी केंद्रो के शासकीय भवन है उनमें रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं पोषण वाटिका अनिवार्य रूप से तैयार की जाए। प्रत्येक आंगनवाडी में पोषण वाटिका के लिए 10 हजार एवं रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए 16 हजार रुपए की राशि व्यय करना है। इस प्रकार 26 हजार रुपए से सभी भवनो वाले आंगनवाडी केंद्रो में यह कार्य व्यवस्थित रूप से किये जाए। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि इस अभियान के अंतर्गत बांधों एवं नहरों को अतिक्रमण से मुक्त कराने के साथ ही उनकी सफाई एवं गहरीकरण का कार्य किया जाए। वन विभाग के अधिकारियों से कहा गया कि इस अभियान के अंतर्गत वन क्षेत्र में वन्य प्राणियों के लिए तालाब आदि का निर्माण किया जाए।

फेंसिंग के साथ करना है वृक्षारोपण के कार्य

बैठक में जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत में इस अभियान के अंतर्गत तालाब गहरीकरण, जल स्त्रोतों की सफाई एवं वृक्षारोपण के कार्य किये जाए। वृक्षारोपण के कार्यों को फेंसिंग के साथ करना है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया गया कि सभी हैण्डपंप एवं जल जीवन मिशन की योजनाओं के जल स्त्रोतों की सफाई व स्वच्छता का कार्य कराए। इसके साथ ही सभी हैंडपम्प एवं अन्य जल स्त्रोतों में वाटर रिचार्ज की व्यवस्था की जाए।

अभियान के कार्यों को माय भारत पोर्टल पर अपलोड किया जाए

कलेक्टर श्री मीना ने सभी अधिकारियों से कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान का जिले में प्रभावी रूप से क्रियान्वयन करना है। इस अभियान में स्थानीय जन प्रतिनिधियों को शामिल करने के साथ ही जनभागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 01 मई 2025 से 01 जून 2026 तक कराये जाने वाले कार्यों को माय भारत पोर्टल पर अपलोड अनिवार्य रूप से करना है। पोर्टल पर जल संरक्षण संबंधी कार्यों के फोटोग्राफ्स एवं जानकारियॉ सावधानी के साथ अपलोड की जाए इसमें किसी भी तरह की त्रूटि नही होना चाहिए। जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत निर्मित होने वाली जल संरचनाओं को राजस्व अभिलेखों में अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिये गए।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, एसडीएम गोपाल सोनी, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बीएल उइके, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला सोलंकी, उपसंचालक कृषि फूलसिंह मालवीय, सहायक संचालक उद्यानिकी श्री क्षितिज कराडे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप, सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री जीपी बर्मन, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक श्रीमती प्रीति मर्सकोले, जिले के सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जल संसाधन व वन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

एक बार फिर दिल्ली समेत उत्तर भारत में बदलेगा मौसम, 9 राज्यों में आंधी-पानी का अलर्ट जारी

नई दिल्ली। उत्तर भारत में एक बार फिर मौसम बदलने के मूड में दिखाई दे रहा है। दिल्ली और आसपास के इलाकों की बात करें तो यहां फिलहाल बारिश नहीं होने वाली है। वहीं अगले दो दिनों में 2 से 3 डिग्री पारा बढ़ सकता है।ऐसे में दिल्ली वासियों को एडवांस वाली गर्मी परेशान करने लगी है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले तीन दिन सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा तापमान रह सकता है। इसके अलावा हवा की गति कम होने के कारण हवा की गुणवत्ता खराब हो सकती है। इसी बीच मौसम विभाग ने 9 राज्यों में आंधी और पानी की चेतावनी जारी कर दी है। इसके अलावा पहाड़ों में भी अभी बर्फबारी का दौर खत्म होने वाला नहीं है। पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग की मानें तो उत्तर प्रदेशमें भी बारिश का अनुमान नहीं है।अगले पांच दिनों तक मौसम साफ रहेगा। वहीं धूप और गर्मी लोगों की परेशानी बढ़ा सकती है। फिरोजाबाद, मैनपुरी, मथुरा, अलीगढ़. अयोध्या, लखनऊ, देवरिया, गोरखपुर में तापमान में बढ़ने की पूरी उम्मीद है।मौसम विभाग के मुताबिक बिहार में बादल छाए रहेंगे। कुछ इलाकों में बूंदाबांदी भी हो सकती है। 11 मार्च को पूर्णिया, कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज और खगड़िया में बारिश हो सकती है। इसके अलावा मौसम साफ रहेगा। मध्य प्रदेश के ज्यादातर हिस्से में मौसम शुष्क रहेगा। वहीं राजस्थान में कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसकी वजह से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल के उपहिमालयी क्षेत्र, सिककिम, ओडिशा, झारखंड. बिहार और पूर्वोत्तर भारत के अन्य राज्यों में बारिश की संभावना जताई है। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में भी मौसम बिगड़ कता है। कांगड़ा. चंबा, शिमला और मानली में 7 मार्च तक बारिश हो सकती है।

पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का अलर्ट

मौसम विभाग का कहना है कि पहाड़ी इलाकों में मौसम एक बार फिर बदलने वाला है। उत्तराखंड, हिमाचल और जमम्‌-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है। रूद्र प्रयाग, चमोली, नैनीताल औरउत्तरकाशी में बादल छाए रहने की संभावना है। हालांकि बारिश का अनुमान नहीं लगाया गया है।

कलेक्टर ने ली शहरी विकास की समीक्षा बैठक

लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में 06 मार्च को शहरी विकास अभिकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर एवं जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी राहुल नायक सहित सभी नगरीय निकायों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री मीना ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मिशन के अंतर्गत लंबित सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पेयजल की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। यदि पेयजल में गंदगी पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही कलेक्टर श्री मीना ने सभी नगर पालिका अधिकारियों को स्मार्ट फिश पार्लर की स्थापना शीघ्र कराने के निर्देश दिए। बैठक में की स्थापना को लेकर भी विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति गीता भवन की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी नगरीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जो आवास अभी तक पूर्ण नहीं हुए हैं, उन्हें बारिश के मौसम से पहले हर हाल में पूर्ण कराया जाए। ऐसा न करने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और समय पर कार्य पूर्ण करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

परसवाड़ा के कुरेंडा में होली पर होता है अनूठा आयोजन

यहां 25 फीट लकड़ी के खंबे पर नारियल तोड़ने की निभाई जाती है परंपरा, 65 वर्षो से हो रहे आयोजन को लेकर लोगो मे उत्साह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पिछले 65 वर्षो से परसवाड़ा के कुरेंडा में आज भी होली के तीसरे दिन एक अनूठी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, जो अब उस गांव की परंपरा बन गई है। जिसे देखने लोग अन्य गांव से भी ग्राम कुरेंडा पहुंचते हैं। जिसका निर्वहन ग्राम कुरेंडा में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ किया गया। जहां तीसरे दिन प्रतियोगिता पूर्ण न होने के चलते चौथे दिन भी यह प्रतियोगिता कराई गई। बताया गया कि इस प्रतियोगिता को निभाने के लिए गांव के खेल मैदान में लगभग 25 फीट के लकड़ी के खंबे को गाढ़ा जाता है और उसके शीर्ष पर लाल कपड़े में नारियल बांधा जाता है, जिसे तोड़कर लाने वाले को पुरस्कृत किया जाता है। जिसमें आसपास के लोगों को इस अनूठे आयोजन से जोड़ने के लिए मेला भी आयोजित किया जाता है, जिसमें प्रतिवर्ष, क्षेत्र सहित आसपास के लोग बड़ी संख्या में पहुंचते है।

विभिन्न मान्यताओ को लेकर होता है आयोजन

बताया गया कि लोग, इस प्रतियोगिता को मलखम से भी जोड़कर देखते है। इसमें खास यह है कि इस खंबे पर ग्रीस और आईल लगा होता है और जो भी इस खंबे पर चढ़ता है, उस पर महिलाएं लाठी बरसाती है।इस प्रतियोगिता को ग्राम के बुजुर्ग युवराज राहंगडाले, प्रहलाद के जीवन चरित्र और लट्ठमार होली से जोड़कर बताते है।वह बताते है कि जिस तरह से खंब से भगवान नरसिंह ने अवतरित होकर हिरण्यकश्यप का वद्य किया था। उसी तरह इस खंब को उसी का स्वरूप समझा जाता है और बरसाणा की लट्ठमार होली की तरह महिलाएं, यहां खंब पर चढ़ने वाले को लट्ठ मारती है।

65 वर्षो से हो रहा आयोजन- युवराज राहंगडाले

आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्रामीण बुजुर्ग युवराज राहंगडाले ने बताया कि गांव में यह प्रतियोगिता प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है,जो पिछले 65 सालों से लगातार जारी है, हमारे पूर्वज वृंदावन से लट्ठमार होली का स्वरूप यहां लेकर आए थे और उसी की तर्ज पर यहां यह आयोजन शुरू किया जो, तब से लगातार यह आयोजन जारी है।इस तरह के आयोजन, से आपसी प्रेम भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश देते है। आगामी समय में इसके स्वरूप को और भव्य रूप प्रदान किया जाएगा।

एसआईआर के विरोध में ममता का धरना.....

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कोलकाता में वोटर रोल से नाम हटाने के खिलाफ धरना देना शुरु किया। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची से मनमाने तरीके से नाम हटाए जा रहे हैं।

इस विरोध के दौरान ममता ने कहा कि बीजेपी और चुनाव आयोग बंगाली मतदाताओं को वोट देने से रोकने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे इस साजिश को बेनकाब करेंगी। टीएमसी प्रमुख और राज्य की मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि संशोधित वोटर सूची में कई मतदाताओं को गलत तरीके से मृत घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि इसतरह के लोगों को वे धरना स्थल पर लाकर दिखाएगी, जिन्हें चुनाव आयोग ने मृतक के रूप में दर्ज किया है।

सर्व राजस्थानी समाज का गणगौर महोत्सव 17 को

महिला मंडल द्वारा विभिन्न कार्य के किए जाएंगे आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल बालाघाट द्वारा पारंपरिक गणगौर पर्व के उपलक्ष्य में गुड़ला कार्यक्रम का आयोजन 17 मार्च, मंगलवार को गुजरी चौक, वार्ड नंबर 9, बालाघाट में किया जाएगा।इस अवसर पर समाज की महिलाओं एवं युवतियों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिनमें गणगौर प्रतियोगिता, जेगड़ सजाने की प्रतियोगिता तथा पारंपरिक घूमर प्रतियोगिता प्रमुख रूप से आयोजित होंगी। कार्यक्रम में महिलाएं पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा में भाग लेकर अपनी संस्कृति और परंपराओं की झलक प्रस्तुत करेंगी।महिला मंडल जिला अध्यक्ष श्रीमती ज्योति शर्मा ने बताया कि गणगौर पर्व राजस्थानी समाज की आस्था और संस्कृति का प्रमुख उत्सव है। इस आयोजन का उद्देश्य समाज की परंपराओं को आगे बढ़ाना एवं नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ना है।सर्व राजस्थानी समाज महिला मंडल की सचिव श्रीमती पूजा शर्मा, सहसचिव श्रीमती पूनम शर्मा, कोषाध्यक्ष श्रीमती किरण सोनी, सह कोषाध्यक्ष श्रीमती रीना शर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती मनोरमा महेश्वरी, श्रीमती मालती पुरोहित,

श्रीमती किरण शर्मा,श्रीमती तृप्ति शर्मा, श्रीमती आरती शर्मा, सांस्कृतिक प्रभारी श्रीमती शिल्पा पुरोहित, श्रीमती रिया शर्मा, ब्राह्मण समाज प्रभारी श्रीमती आशा शर्मा, माहेश्वरी समाज प्रभारी श्रीमती रत्ना माहेश्वरी, सोनी समाज प्रभारी श्रीमती सरिता वर्मा, राजपुरोहित समाज प्रभारी श्रीमती भावना राजपुरोहित, खाती समाज प्रभारी श्रीमती मंजू शर्मा, जैन समाज प्रभारी श्रीमती प्रीति सेठिया, प्रवक्ता श्रीमती पायल चौरडिया, सह प्रवक्ता श्रीमती शारदा शर्मा, मीडिया प्रभारी श्रीमती श्वेता शर्मा सहित महिला मंडल की सलाहकार समिति सदस्य श्रीमती राधा शर्मा, श्रीमती सविता शर्मा, श्रीमती दुर्गा राठी, श्रीमती राधिका सोनी, श्रीमती अरुणा शर्मा, श्रीमती अंजलि पालीवाल, श्रीमती विनीता शर्मा, श्रीमती माधवी शर्मा, श्रीमती शोभा शर्मा, श्रीमती दुर्गा जैन तथा कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती मोना शर्मा, श्रीमती अनुराधा शर्मा, श्रीमती रेखा शर्मा, श्रीमती चंचल शर्मा, श्रीमती कंचन शर्मा, श्रीमती ज्योति सोनी, श्रीमती पायल शर्मा पंचारिया, श्रीमती रूपा माहेश्वरी, श्रीमती कविता सोनी, श्रीमती उमा शर्मा, श्रीमती रश्मि शर्मा ने समाज की सभी महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर गणगौर महोत्सव में भाग लेने का आग्रह किया है।

देश के सभी बंदरगाहों की सुरक्षा सीआईएसएफ को सौंपकर हम निश्चिंत होना चाहते - शाह

सीआईएसएफ के 57वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए

कटक । केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को ओडिशा के कटक में आयोजित सीआईएसएफ के 57वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज 56 वर्ष पूरे करने के बाद सीआईएसएफ ने यह मुकाम हासिल किया है। 57 मात्र एक संख्या नहीं है, बल्कि यह समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की एक मजबूत यात्रा का प्रतीक है, जो औद्योगिक सुरक्षा के क्षेत्र में शून्य से शिखर तक के दृढ़ प्रयास को दिखाती है। देश के अर्थतंत्र की मजबूती की कल्पना और देश को दुनिया का सबसे बड़ा अर्थतंत्र बनाने की संपल्पना औद्योगिक विकास के बिना नहीं होगी। औद्योगिक विकास को सुरक्षित वातावरण देने के लिए जरूरी है, राष्ट्रीय स्तर पर एक इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स की और मुझे खुशी है कि इन 56 सालों में सीआईएसएफ ने अपनी स्थापना के उद्देश्यों को सिद्ध किया है। साथ ही, हर प्रकार की चुनौतियों से सीखते हुए समय के साथ अपने को बदलने पर काम किया है। उन्होंने आधुनिकता को अपनाया है और अपनी परंपराओं को जीवित रखा है। उन्होंने कहा कि मुझे बेहद खुशी है कि सुरक्षा बलों का अपना सम्मेलन आयोजित किया जाता है। देश की सीमाओं की रक्षा करने वालों को ऐसा मौका मिलना चाहिए और देश के भीतर नागरिक क्षेत्रों में विभिन्न सुरक्षा भूमिकाओं में कार्यरत लोगों को भी ऐसा मंच मिलना चाहिए। मैं सीआईएसएफ की इस पहल को बधाई देना चाहता हूं। भारत के औद्योगिक विकास की संपल्पना सीआईएसएफ के बिना नहीं हो सकती। चाहे हवाई अड्डे हों, चाहे बंदरगाह हों या फिर बड़ी औद्योगिक इकाइयां हों, सीआईएसएफ हमेशा राष्ट्र की ढाल बनकर मजबूती से खड़ा है।

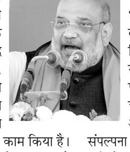

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने एक निर्णय किया है कि सभी बंदरगाहों की सुरक्षा भी सीआईएसएफ को सौंपकर हम इस मामले में भी निश्चिंत होना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश की जनता के सामने दो महत्वपूर्ण संकल्प रखे हैं। 2047 तक पूर्ण विकसित राष्ट्र बनना, दुनिया में नंबर एक पर पहुंचना और 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना।

रैपर बादशाह को महिला आयोग ने किया तलब

पंचकूला। बॉलीवुड रैपर-सिंगर बादशाह हरियाणवी फोक सॉन्ग टटीरी को लेकर विवाद में फंस गए हैं। हरियाणा राज्य महिला आयोग ने सिंगर को समन जारी किया है। जिसमें पक्ष रखने के लिए 13 मार्च को आयोग के समक्ष पेश होने को कहा है। पानीपत की नारी तू नारायणी संस्था की अध्यक्ष सविता आर्य और शिव आरती फाउंडेशन के प्रमुख शिव कुमार की शिकायत पर महिला आयोग ने यह नोटिस जारी किया है। इसके अलावा रोहतक के एडवोकेट राजनारायण पंघाल ने भी राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को शिकायत भेजी है। शिकायत में बादशाह के रैप की लाइन 'आया बादशाह डोली चढ़ाने, इन सबकी घोड़ी बनाने' पर आपत्ति उठाई है। उन्होंने कहा कि इस गाने में गंदी शब्दावली का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही स्कूल ड्रेस में नाबालिग बच्चियों को स्कूल बैग फेंकते हुए दिखाया गया। यह सॉन्ग 1 मार्च को रिलीज हुआ था। इस गाने में कैथल की रहने वाली बॉक्सर सिमरन जागलान की भी आवाज है। वह हरियाणवी सिंगर कर्मबीर फौजी की बेटी हैं। टटीरी गाने को अभी तक यूट्यूब पर 2 मिलियन से ज्यादा लोग सुन चुके हैं।

रसोई गैस के लिए सरकार की इमरजेंसी

-कंपनियों को घरेलू एलपीजी का प्रोडक्शन बढ़ाने का आदेश, ईरान-इजराइल जंग बढ़ी तो हो सकती है किल्लत

नई दिल्ली। भारत सरकार ने देश में रसोई गैस (एलपीजी) की संभावित कमी को देखते हुए इमरजेंसी पावर्स लागू की हैं। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और सप्लाई चेन में आई रुकावट के बीच सरकार ने इमरजेंसी पावर्स का इस्तेमाल करते हुए सभी ऑयल रिफाइनर्स को निर्देश दिया है कि वे घरेलू एलपीजी का प्रोडक्शन बढ़ाएं। जारी सरकारी आदेश के अनुसार, रिफाइनर्स को अब अपने पास अवेलेबल प्रोपेन और ब्यूटेन का इस्तेमाल सिर्फ रसोई गैस बनाने के लिए ही करना होगा।

सप्लाई चेन में रुकावट से निपटने की तैयारी

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी इम्पोर्टर देश है। पिछले साल देश में लगभग 33.15 मिलियन यानी 3.31 करोड़ मीट्रिक टन कुकिंग गैस की खपत हुई थी। भारत अपनी जरूरत का लगभग दो-तिहाई हिस्सा विदेशों से मंगवाता है, जिसमें से 85 प्रतिशत से 90 प्रतिशत सप्लाई अकेले मिडिल ईस्ट के देशों से होती है। मिडिल ईस्ट में चल रहे संकट के कारण सप्लाई पर असर पडने् की आशंका है, जिससे निपटने के लिए सरकार ने घरेलू प्रोडक्शन को बढ़ाने का फैसला किया है।

सरकारी कंपनियों को मिलेगी प्राथमिकता

आदेश के मुताबिक, सभी कंपनियों को प्रोपेन और ब्यूटेन की सप्लाई सरकारी तेल कंपनियों- इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम को करनी होगी। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि देश के लगभग 33.2 करोड़ एक्टिव एलपीजी कंज्यूमर्स यानी उपभोक्ताओं को बिना किसी रुकावट के गैस सिलेंडर मिलते रहें।

रिलायंस के एक्सपोर्ट और पेट्रोकेमिकल प्रोडक्शन पर पड़ेगा असर

सरकार के इस फैसले का सीधा असर प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों, खासकर रिलायंस इंडस्ट्रीज पर पड़ सकता है। प्रोपेन और ब्यूटेन का डायवर्जन होने से अल्काइलेट्स के प्रोडक्शन में कमी आएगी, जिसका इस्तेमाल पेट्रोल की ग्रेडिंग सुधारने में किया जाता है। पिछले साल रिलायंस ने हर महीने एवरेज चार अल्काइलेट्स कार्गो एक्सपोर्ट किए थे। इसके अलावा सरकार ने रिफाइनर्स को यह भी साफ कर दिया है कि वे फिलहाल पेट्रोकेमिकल प्रोडक्शन के लिए इन गैसों का इस्तेमाल न करें।

इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और ट्रेड सोर्सेज का कहना है कि प्रोपेन और ब्यूटेन को पेट्रोकेमिकल के बजाय एलपीजी बनाने में इस्तेमाल करने से कंपनियों के मार्जिन पर असर पड़ेगा। दरअसल, पॉलीप्रोपाइलीन और अल्काइलेट्स जैसे पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स बाजार में एलपीजी के मुकाबले बेहतर कीमत पर बिकते हैं।

न्यूज गैलरी

तिरोड़ी में चार असामाजिक तत्वों की करतूत

तिरोड़ी शासकीय अस्पताल में डॉक्टर व महिला कर्मचारी से की बदसलूकी

अस्पताल जलाने की धमकी देकर असामाजिक तत्व फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी स्थित शासकीय अस्पताल में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा अस्पताल परिसर में घुसकर डॉक्टर और महिला कर्मचारी के साथ अभद्रता करने तथा अस्पताल को पेट्रोल डालकर जलाने की धमकी देने का मामला सामने आया है। घटना के बाद अस्पताल स्टाफ में हड़कंप मच गया। तिरोड़ी पुलिस ने चार असामाजिक तत्व कुणाल निखारे, रोहित सहारे ,गौरव नेवारे और आशीष निखारे सभी तिरोड़ी निवासी के विरुद्ध मामला कायम कर लिया है घटना के बाद से फरार इन तत्वों की तलाश की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 5 मार्च की शाम 4 बजे शासकीय अस्पताल तिरोड़ी में डॉक्टर बनवारी लाल मीणा, महिला कर्मचारी रामेश्वरी मासुलकर सहित अन्य कर्मचारी ड्यूटी पर मौजूद थे। इसी दौरान कुणाल निखारे, रोहित सहारे, गौरव नेवारे और आशीष निखारे सहित कुछ अन्य युवक अस्पताल परिसर में अनावश्यक रूप से घुस आए।बताया जाता है कि इन लोगों ने डॉक्टर बनवारी लाल मीणा और महिला कर्मचारी रामेश्वरी मासुलकर के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए अश्लील गालियां दीं और डॉक्टर बनवारी लाल मीणा का कॉलर पकड़कर खींचतान करने के बाद, ओपीडी की पर्चियों को भी फाड़ दिया। इसके बाद इन तत्वों ने अस्पताल को पेट्रोल डालकर जलाने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। इस घटना से अस्पताल के कर्मचारियों में दहशत का माहौल बन गया। असामाजिक तत्वों की इस हरकत से शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न हुई।घटना के बाद डॉक्टर बनवारी लाल मीणा अपने अन्य कर्मचारियों के साथ तिरोड़ी थाना पहुंचे और पूरे मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। तिरोड़ी पुलिस ने शिकायत के आधार पर इन असामाजिक तत्वों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार घटना के बाद से सभी आरोपी फरार हैं।जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक उमेश दियेवार द्वारा की जा रही है।

मोहगांव पंचायत की वित्तीय अनियमितता का मामला फिर चर्चा में
2008-09 में दो लाख की गड़बड़ी की शिकायत

वर्षों बाद भी जांच रिपोर्ट पर बनी असमंजस की स्थिति, शिकायतकर्ता ने लीपापोती के लगाए आरोप

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

ग्राम पंचायत मोहगांव में वित्तीय अनियमितता से जुड़ा एक पुराना मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। शिकायतकर्ता द्वारा इस मामले की शिकायत वर्ष 2008-09 में की गई थी, लेकिन इतने वर्षों बाद भी जांच पूरी तरह से निष्पक्ष और बिंदुवार नहीं हो सकी है। हालांकि कुछ बार जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, लेकिन उसमें सभी तथ्यों को स्पष्ट रूप से शामिल नहीं किया गया। जानकारी के अनुसार इस दौरान कई प्रशासनिक अधिकारी आए और गए, लेकिन किसी के द्वारा भी मामले की अंतिम और स्पष्ट जांच रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई। हाल ही में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ ने भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए अपने अधीनस्थ अधिकारियों को कई बार जांच पूरी करने के निर्देश दिए हैं। बताया जाता है कि पिछले कुछ महीनों में सीईओ द्वारा करीब आठ बार जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद जांच समिति के सदस्यों द्वारा अभी तक सही तथ्यों और बिंदुओं के आधार पर जांच कर रिपोर्ट जिला पंचायत सीईओ को प्रस्तुत नहीं की गई है।

लालबर्रा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मोहगांव से जुड़ा वित्तीय अनियमितता का एक पुराना मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। शिकायतकर्ता लोचनसिंह देशमुख ने वर्ष 2008-09 में तत्कालीन सरपंच वीरेंद्र बिसेन और सचिव भगतराम तुलसीकर पर शासकीय कार्यों में लगभग दो लाख रुपये की अनियमितता करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। बताया जाता है कि यह

शिकायत वर्ष 2008-09 में तहसीलदार से लेकर एसडीएम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और कलेक्टर तक पहुंचाई गई थी। वर्षों के दौरान इस मामले की जांच कई प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा की गई, जिसमें कुछ अधिकारियों ने शिकायत को सही पाया तो कुछ ने इसे निराधार बताया। बाद में यह मामला जबलपुर संभाग के कमिश्नर तक पहुंचा, जहां से भी मामले की सत्यता की जांच कर बिंदुवार रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। इसके बावजूद लंबे समय तक मामले में स्पष्ट स्थिति सामने नहीं आ सकी। वर्ष 2022 में तत्कालीन कमिश्नर बी. चंद्रशेखर ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ को शिकायत की बिंदुवार जांच कराने के निर्देश दिए। इसके बाद सीईओ द्वारा विभागीय अधिकारियों की एक जांच समिति गठित कर जांच के निर्देश दिए गए। हालांकि शिकायतकर्ता का आरोप है कि वर्ष 2024 के बाद भी जांच समिति द्वारा अब तक बिंदुवार जांच कर रिपोर्ट जिला पंचायत सीईओ को प्रस्तुत नहीं की गई है। उनका कहना है कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा कई बार जांच समिति को जांच पूरी करने के निर्देश दिए गए। शिकायतकर्ता के अनुसार सीईओ द्वारा करीब सात से आठ बार जांच समिति को बिंदुवार जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए जा चुके हैं, लेकिन अभी तक तथ्यों के आधार पर स्पष्ट रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है। बताया जाता है कि जांच रिपोर्ट स्पष्ट न होने के कारण न तो शिकायतकर्ता लोचनसिंह देशमुख संतुष्ट हैं और न ही जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ इस जांच से संतुष्ट बताए जा रहे हैं। इसी कारण उन्होंने जांच समिति को बार-बार सभी तथ्यों और निर्धारित बिंदुओं के आधार पर पुनः जांच करने के निर्देश दिए हैं। जांच समिति के कुछ सदस्यों का कहना है कि उनके द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है, लेकिन मुख्य कार्यपालन अधिकारी का कहना है कि जिन बिंदुओं के आधार पर जांच होनी थी, उन सभी बिंदुओं पर स्पष्ट जांच नहीं की गई है। इधर शिकायतकर्ता लोचनसिंह देशमुख ने जांच समिति के कुछ सदस्यों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि मामले की जांच में अनावश्यक देरी की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि इस मामले में जल्द निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई नहीं की गई तो वे इस मुद्दे को और उच्च स्तर के अधिकारियों तक ले जाएंगे। उन्होंने जाँच समिति के सदस्यों पर यह भी आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में कई बार मामले को दबाने के लिए कथित रूप से लेनदेन और लीपापोती करने का भी प्रयास किया गया है लेकिन मामला वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाने के कारण इसे दबाया नहीं जा सका है।

रिपोर्ट सीईओ को प्रेषित कर दी गई है - विकास रघुवंशी

जांच समिति के सदस्य एवं जिला पंचायत बालाघाट के परियोजना अधिकारी विकास रघुवंशी ने दूरभाष पर जानकारी देते हुए बताया कि इस मामले की जांच रिपोर्ट वे पूर्व में दो बार जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ को सौंप चुके हैं। उनके अनुसार लगभग दो माह पहले पहली जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी, जबकि एक सप्ताह पूर्व भी पुनः जांच कर रिपोर्ट सीईओ को प्रेषित कर दी गई है। हालांकि उन्होंने जांच के बिंदुओं को मीडिया के साथ साझा नहीं किया, लेकिन उनका कहना है कि पूरी जांच रिपोर्ट जिला पंचायत सीईओ को भेजी जा चुकी है।

जांच समिति द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है - अभिषेक सराफ

जब इस पूरे मामले को लेकर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि मामले में वे शीघ्र संज्ञान लेंगे। उनका कहना था कि यदि जांच समिति द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है तो संबंधित अधिकारियों को रिमाइंडर भेजा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि रिमाइंडर भेजने और रिपोर्ट प्राप्त होने से पहले वे इस विषय में अभी कोई टिप्पणी करना उचित नहीं समझते। एक बार वह इस पूरे मामले को पता कर लेते हैं और आखिर क्यों रिपोर्ट नहीं दी गई इसकी जानकारी लेकर ही इस मामले में जानकारी दे पाएंगे, कि आखिर क्यों जाँच समिति ने अपनी रिपोर्ट पेश नहीं की है ।

शहर में फिर सक्रिय हुए अज्ञात चोर

मोक्षधाम मंदिर में चोरी का प्रयास

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में एक बार फिर अज्ञात चोर सक्रिय होते नजर आ रहे हैं। बीते दिनों शहर के हृदय स्थल कालीपुतली चौक स्थित एक रेस्टोरेंट में चोरी की घटना सामने आई थी और अब चोरों ने सीधे धार्मिक स्थल को निशाना बनाने का प्रयास किया है। जानकारी के अनुसार जागपुरघाट स्थित मोक्षधाम मंदिर में अज्ञात चोरों ने मंदिर परिसर में रखी दानपेटी का ताला तोड़कर चोरी करने का प्रयास किया। हालांकि घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों में चिंता का माहौल बन गया। शहर में लगातार सामने आ रही चोरी की घटनाओं को लेकर लोगों में नाराजगी भी देखने को मिल रही है। एक ओर जहां पुलिस हेलमेट और यातायात नियमों को लेकर सख्ती बरतते हुए नजर आ रही है, वहीं दूसरी ओर अज्ञात चोर चोरी की वारदातों को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती देते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में रात्रि गश्त को और अधिक सख्त करने की आवश्यकता है, ताकि इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

जिले में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं और अब चोरों के निशाने पर धार्मिक स्थल भी आने लगे हैं। होली पर्व के दौरान जहां धुरेड़ी के दिन पुलिस की मुस्तैदी से नगर में शांति और सौहार्द का माहौल बना रहा तथा लोगों ने उत्साह के साथ त्योहार मनाया, वहीं इसके अगले दिन अज्ञात चोरों ने जागपुर घाट स्थित मोक्षधाम मंदिर में चोरी का प्रयास कर दिया। जानकारी के अनुसार 5 मार्च की दोपहर अज्ञात चोरों ने मंदिर परिसर में भगवान भोलेनाथ के सामने रखी दानपेटी का ताला तोड़ दिया। घटना उस समय की बताई जा रही है जब मंदिर के सेवक अपने घर चले गए थे। मंदिर के सेवक भवन लिलहारे ने बताया कि दोपहर में मंदिर का कार्य पूरा करने के बाद वे अपने घर चले गए थे। शाम को जब वे वापस मंदिर पहुंचे तो देखा कि दानपेटी का ताला टूटा हुआ है। इसके बाद उन्होंने आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। बताया जाता है कि इससे पहले भी करीब छह माह पूर्व इसी मंदिर में चोरी की घटना हो चुकी है। बार-बार इस तरह की घटनाएं सामने आने से मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है। मंदिर के सेवक भवन लिल्हारे ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने और अज्ञात चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

तूफान कार की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना अंतर्गत मोहगांव गुदमा रोड पर बेलगाम तूफान कार की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।जिसकी बिरसा के अस्पताल में मौत हो गई।। मृतक युवक अंकित उर्फ विक्की पिता पालसिंह मरकाम 21 वर्ष ग्राम कोल्हियाटोला मलाजखंड निवासी है। 5 मार्च की रात्रि 8ः00 बजे करीब यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब यह युवक मोटरसाइकिल में शिवगंगा रिसोर्ट जा रहा था। मलाजखंड पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अंकित उर्फ विक्की मरकाम अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। जिसकी चार बहने हैं।वह शिवगंगा रिसोर्ट में काम करता था और प्रतिदिन मोटरसाइकिल से ही आना-जाना करता था। 5 मार्च की रात्रि 8ः00 बजे करीब अंकित उर्फ विक्की मरकाम घर में खाना खाने के बाद शिवगंगा रिसोर्ट ड्यूटी करने के लिए मोटरसाइकिल से अपने घर से निकला था। मोहगांव गुदमा रोड पर स्थित ग्राम कोल्हिया टोला और अंडीटोला के बीच पुलिया के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही तूफान कार ने मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। तूफान कार की जबरदस्त ठोकर से अंकित उर्फ विक्की मरकाम गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दुर्घटना की खबर मिलते ही उसके परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और अंकित उर्फ विक्की को प्राइवेट वाहन से बिरसा की अस्पताल ले जाकर भर्ती किए । जहा उपचार के दौरान अंकित उर्फ विक्की मरकाम की मौत हो गई। 6 मार्च को मलाजखंड पुलिस थाने के सहायक उप निरीक्षक कलीराम उइके ने मृतक अंकित उर्फ विक्की मरकाम का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिए। और मर्ग जांच उपरांत तूफान कार क्रमांक एमपी 50 बी सी 1656 के चालक के विरुद्ध इस मामले में भारतीय न्याय संहिता और मोटर व्हीकल एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज दर्ज किये। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट